■ बिहार चुनाव को लेकर जनता से केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा- प्रदर्शन की राजनीति का करें चयन - 12

■ 24 व 48 घंटे में डिलीवरी की गारंटी के साथ नई सेवाएं पेश करेगा भारतीय डाक : सिंधिया-12

■ रोहित और कोहली की मौजूदगी में निखरेंगे कप्तान शुभमन गिल - 14

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| मुरादाबाद |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष द्वादशी 12:19 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 18 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 201, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

डीआईजी के घर से 7.5 करोड़ की नकदी और ढाई किलो सोना जब्त

चंडीगढ़। रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार पंजाब के पुलिस उपमहानिरीक्षक (रोपड़ रेंज) हरचरण सिंह भुल्लर से सीबीआई द्वारा जब्त की गई नकदी 7.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इसके अलावा 2.5 किलोग्राम सोने के आभूषण भी बरामद किए गए हैं। केंद्रीय एजेंसी ने भुल्लर को गुरुवार को एक कबाड़ कारोबारी से कथित तौर पर आठ लाख रुपये की रिश्वत लेने और नियमित मासिक भुगतान की मांग करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। जांच में रोलेक्स और राडो जैसे ब्रांडों सहित 26 लक्जरी घड़ियां जब्त की हैं।

परीक्षा से बचने के लिए बम की धमकी भरा ईमेल स्कूल को भेजा

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के एक निजी स्कूल को भेजा गया बम की धमकी वाला ई-मेल फर्जी निकला जिसे परीक्षा से बचने के लिए एक छात्र ने भेजा था। पुलिस के अनुसार, पश्चिम विहार पूर्व पुलिस थाने को गुरुवार को पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। कॉल में विशाल भारती पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य ने बताया कि उन्हें एक ई-मेल मिला है, जिसमें परिसर में बम होने का दावा किया गया है। तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। मामला दर्ज कर जांच के दौरान साइबर टीम ने फर्जी ई-मेल को भेजने वाले के स्त्रोत में एक नाबालिग छात्र का पता लगाया।

कांग्रेस-सपा कर रहीं 'फूट डालो राज करो' की राजनीति : योगी

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित

- हर जिले से पांच युवाओं की टोली गुजरात में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी तक पदयात्रा में होगी शामिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में प्रदेशस्तरीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी को स्मृति चिन्ह देते हुए।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' नीति को आज भी आगे बढ़ा रहे हैं। ये दल समाज में जाति, पंथ और मजहब के आधार पर फूट डालने का काम कर रहे हैं ताकि देश की एकता और अखंडता कमजोर हो।

योगी शुक्रवार को अटल कन्वेंशन सेंटर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान को लेकर आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष समाज को जाति, पंथ और मजहब के आधार पर बांटने में जुटा है, जबकि भाजपा एकता और अखंडता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का भारत सरदार पटेल की दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने 563 रियासतों को भारत गणराज्य में विलय कर अखंड भारत का सपना साकार किया। जो भारत अंग्रेजों के शासन में टुकड़ों में बंटा हुआ था, आज वह एकजुट और शक्तिशाली है, यह पटेल के योगदान का परिणाम है।

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर साल 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भी पूरे प्रदेश में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन होगा, जबकि 1 से 26 नवंबर तक प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 8-10 किलोमीटर लंबी 'एकता पदयात्रा' निकाली जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि यात्रा में एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड, श्रमिक, अन्नदाता, पूर्व सैनिक और भाजपा के कार्यकर्ता शामिल होंगे। यात्रा के दौरान हर दो किलोमीटर पर संवाद और एकता संदेश का कार्यक्रम होगा। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर को संविधान दिवस बाबा साहब भीमराव आंबेडकर को समर्पित रहेगा। इस दिन हर जिले से पांच युवाओं की टोली दिल्ली से गुजरात स्थित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' तक पदयात्रा में भाग लेगी। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, संगठन महामंत्री धर्मपाल, संयोजक संजय राय, प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कोरी, प्रदेश मंत्री शंकर लोधी समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'विकसित भारत' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हमारा सामूहिक संकल्प है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि त्योहारों पर स्वदेशी उत्पाद खरीदें, ताकि आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल मिले। जब हम स्वदेशी खरीदते हैं, तो हम भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं।

घरेलू रक्षा उत्पादन को 100 प्रतिशत तक ले जाना लक्ष्य

- रक्षामंत्री राजनाथ ने प्रोडक्शन यूनिट का किया उद्घाटन
- तीसरी पीढ़ी के स्वदेशी तेजस ने भरी पहली उड़ान
- एचएएल नासिक यूनिट में हर साल 8 तेजस बनाए जाएंगे

नासिक में रक्षा मंत्री राजनाथ का स्वागत करते एचएएल अधिकारी।

नासिक (महाराष्ट्र), एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत घरेलू रक्षा उत्पादन को 100 प्रतिशत तक ले जाने की दिशा में काम कर रहा है क्योंकि विदेशी सैन्य आपूर्ति पर निर्भरता सामरिक कमजोरी पैदा करती है। सिंह ने तेजस हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए)-एमके1ए की तीसरी उत्पादन पंक्ति और प्रशिक्षण विमान एचटीटी-40 की दूसरी विनिर्माण सुविधा का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। इस दौरान तीसरी पीढ़ी के स्वदेशी तेजस ने पहली उड़ान भी भरी।

तेजस विमानों के लिए नई सुविधा के खुलने से हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा कम से कम 24 एलसीए विमानों का उत्पादन किए जाने की उम्मीद है। सिंह ने अपने संबोधन में कहा, एक समय था जब देश अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था और लगभग 65-70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे। उन्होंने कहा, लेकिन आज स्थिति बदल गई है। अब भारत 65% विनिर्माण अपनी धरती पर कर रहा है।

उन्होंने कहा, हम अपने घरेलू विनिर्माण को बहुत जल्द 100 प्रतिशत तक भी ले जाएंगे। सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा निर्यात 25,000 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है जो कुछ साल पहले 1,000 करोड़ रुपये से भी कम था। उन्होंने कहा, हमने 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में तीन लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

नियमित रूप से सीबीआई जांच का आदेश न दें कोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अदालतों को शक्तियों का इस्तेमाल संयमित एवं सावधानीपूर्वक करना चाहिए
- पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए की यह टिप्पणी
- यूपी विधान परिषद भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं की सीबीआई से जांच कराने के दिए थे निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि संवैधानिक अदालतों द्वारा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच का आदेश नियमित रूप से नहीं दिया जाना चाहिए, बल्कि इस संबंध में शक्तियों का इस्तेमाल संयमित एवं सावधानीपूर्वक किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें उत्तर प्रदेश विधान परिषद के कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की सीबीआई से जांच कराने का निर्देश दिया गया था।

शीर्ष अदालत ने कहा कि सीबीआई को जांच का निर्देश देने के लिए निहित शक्तियों का प्रयोग संयमपूर्वक, सावधानीपूर्वक और केवल असाधारण स्थितियों में ही किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, इस अदालत ने लगातार यह चेतावनी दी है कि सीबीआई जांच का आदेश सामान्य रूप से या केवल इसलिए नहीं दिया जा सकता कि किसी पक्ष ने राज्य पुलिस पर संदेह व्यक्त किया हो या उसके प्रति अविश्वास जताया हो।

उसने कहा, संबंधित अदालत को यह संतुष्टि होनी चाहिए कि प्रस्तुत सामग्री से प्रथम दृष्टया अपराध का संकेत मिलता है और निष्पक्ष व निष्कलंक जांच सुनिश्चित करने के लिए सीबीआई जांच आवश्यक है या फिर मामला इतना जटिल, व्यापक या राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव डालने वाला है कि केंद्रीय एजेंसी की विशेषज्ञता जरूरी हो जाती है।

पीठ ने कहा-सीबीआई जांच का आदेश अंतिम उपाय के रूप में देखा जाना चाहिए

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सीबीआई जांच का आदेश अंतिम उपाय के रूप में देखा जाना चाहिए और ऐसा तभी उचित है जब संवैधानिक न्यायालय को यह विश्वास हो जाए कि जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता या शुचिता पर गंभीर आंच आई है। न्यायालय ने यह भी कहा कि संवैधानिक अदालतों को इतना न्यायिक संयम अवश्य बरतना चाहिए कि वे सीबीआई जैसी विशेष एजेंसी पर अनावश्यक रूप से ऐसे मामलों का बोझ न डालें, जो असाधारण मामलों की श्रेणी में नहीं आते।

भगोड़े मेहुल चोकसी को भारत प्रत्यर्पण करने की मिली मंजूरी

- एंटवर्प की एक अदालत ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। एंटवर्प की एक कोर्ट ने भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण को शुक्रवार मंजूरी दे दी। कोर्ट ने यह फैसला भारत के अनुरोध पर बेल्जियम के अधिकारियों द्वारा की गई उसकी गिरफ्तारी को वैध ठहराते हुए सुनाया।

यह फैसला भारत के लिए एक बड़ी जीत माना जा रहा है, क्योंकि अदालत ने मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी को सही ठहराया है। हालांकि, मामला अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है, क्योंकि चोकसी के पास इस फैसले के खिलाफ बेल्जियम की ऊपरी अदालत में अपील करने का विकल्प मौजूद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, आदेश हमारे पक्ष में आया है। अदालत ने भारत के अनुरोध पर बेल्जियम अधिकारियों द्वारा की गई उसकी गिरफ्तारी को वैध करार दिया है।

7 लाख दीयों से जगमगाया शहर, 1100 ड्रोन से लेजर शो

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- अयोध्या के बाद मुरादाबाद में दिखा दिवाली का विहंगम दृश्य

अमृत विचार : नगर निगम ने रंगारंग कार्यक्रम से दिवाली का विहंगम दृश्य प्रस्तुत किया। बुद्धि विहार के रैली मैदान में भव्य आयोजन किया। इसके अलावा संविधान साहित्य पार्क सहित अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, कंपनी बाग सहित अन्य मार्गों को सतरंगी रोशनी से सजाया गया।

1100 ड्रोन के माध्यम से लेजर शो की प्रस्तुति ने महानगर वासियों को रोमांच से भर दिया। महानगर के बुद्धि विहार स्थित रैली ग्राउंड पर रंगबिरंगी लेजर शो ने पहली बार महानगर को रंगबिरंगी छटा से रोमांचित कर दिया।

महापौर विनोद अग्रवाल, मंडलायुक्त आन्जनेय कुमार सिंह, नगर विधायक रितेश कुमार गुप्ता, नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल व नगर निगम के अन्य अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों की मौजूदगी में भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान सात लाख दीयों से महानगर जगमगा उठा। संविधान साहित्य पार्क, स्पंदन पार्क आदि भी सतरंगी प्रकाश से नहा उठा।

ड्रोन से बनाएं गए दृश्य। ● अमृत विचार

जश्न

हैदराबाद : सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में पासिंग आउट परेड के बाद जश्न मानते आईपीएस के 77वें बैच के प्रशिक्षु अधिकारी। समारोह में कुल 190 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भाग लिया जिनमें 174 आईपीएस प्रशिक्षु और नेपाल, भूटान एवं मालदीव के 16 विदेशी अधिकारी शामिल थे। ● एजेंसी

गुजरात कैबिनेट में बड़ा फेरबदल 19 नए चेहरे, हर्ष बने डिप्टी सीएम

गांधीनगर, एजेंसी

- पिछली टीम से छह बरकरार, क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी को मंत्रिपरिषद में मिली जगह

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को एक बड़े फेरबदल में अपनी मंत्रिपरिषद में 19 नए चेहरों को शामिल किया और अपनी पिछली टीम से छह को बरकरार रखा। हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री के रूप में पदोन्नत किया गया जबकि क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली।

इस फेरबदल के साथ, मंत्रिपरिषद की कुल संख्या अब मुख्यमंत्री समेत 26 हो गई है, जो पहले 17 थी। कुल 182 सदस्यों वाली राज्य विधानसभा में सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत या 27 मंत्री हो सकते हैं। मंत्रिपरिषद का पुनर्गठन 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से दो साल पहले और स्थानीय निकाय चुनावों से कुछ महीने पहले हुआ।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने नये मंत्रियों के साथ-साथ उन नेताओं को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है और राज्य मंत्रियों से राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। सूरत शहर के मुजारा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संघवी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह अब तक गृह राज्य मंत्री थे।

राहुल के गले लग रोया दलित परिवार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

राहुल गांधी से लिपटकर रोती हरिओम की बहन कुसुम।

- राहुल बोले, हम भाजपा सरकार से न्याय मांग रहे और कुछ नहीं
- पूरे देश में दलितों पर अत्याचार हो रहा, कांग्रेस लड़ाई लड़ती रहेगी

अमृत विचार: रायबरेली के ऊंचाहार में एक पखवारे पहले बेरहमी से पीट-पीटकर मारे गए फतेहपुर के हरिओम वाल्मीकि के घर शुक्रवार को कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पहुंचे तो पूरा परिवार लिपटकर रो पड़ा। राहुल ने उनकी हर संभव मदद करने और इंसाफ की लड़ाई लड़ने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि पूरे देश में दलितों पर अत्याचार हो रहा है। हम न्याय मांग रहे हैं, कांग्रेस अत्याचार के खिलाफ लड़ती रहेगी।

शुक्रवार को दिल्ली से कानपुर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद कांग्रेस नेता एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी सड़क मार्ग से काफिले के साथ फतेहपुर शहर के तुरावली का पुरवा स्थित हरिओम वाल्मीकि के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। कहा कि दलित परिवार से जो अत्याचार हुआ है, उस पर हम सरकार से सिर्फ न्याय मांग रहे हैं। सुबह 9:30 बजे जब राहुल पहुंचे तो हरिओम के पिता गंगादीन दर्द बताते-बताते फफक पड़े। राहुल ने उन्हें सीने से लगाकर ढांढस बंधाया। परिवार से मुलाकात करने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि हम न्याय मांग रहे हैं। पीड़ित परिवार को घर से बाहर नहीं जाने दिया जा रहा है। परिवार की बेटी का आपरेशन होना है, मगर पुलिस ने नजरबंद कर रखा है। पूरे देश में दलितों पर अत्याचार हो रहा है। सरकार से मांग है कि दलितों की रक्षा की जाए और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

चिंतनीय 73 वर्षीय महिला द्वारा सीजेआई को लिखे पत्र पर स्वत: संज्ञान लिया

डिजिटल अरेस्ट से सुप्रीम कोर्ट चिंतित, केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

- घटनाओं पर शीर्ष कोर्ट ने सीबीआई से भी जवाब मांगा

सुप्रीम कोर्ट ने देश में ऑनलाइन धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं, विशेषकर फर्जी न्यायिक आदेशों के माध्यम से नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट करने के मामलों पर चिंता जताई है। अदालत ने संज्ञान लेते हुए इस संदर्भ में केंद्र व सीबीआई से जवाब मांगा है और कहा है कि इस तरह के अपराध न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास की नींव पर कुठाराघात हैं।

शीर्ष अदालत ने हरियाणा के अंबाला में अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेशों के आधार पर एक बुजुर्ग दंपति को डिजिटल अरेस्ट कर उनसे 1.05 करोड़ की उगाही की घटना को गंभीरता से लिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह साधारण अपराध नहीं है जिसमें पुलिस से कहा जाए कि तेजी से जांच करे व मामले को तार्किक परिणति तक पहुंचाए। कोर्ट ने 73 वर्षीय महिला द्वारा 21 सितंबर को सीजेआई गवई को लिखे पत्र पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज किए गए मामले में केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा। पत्र में सूचित किया गया था कि दंपति को कोर्ट के आदेशों का भय दिखाकर ठगा गया। घोटालेबाजों ने 3 से 16 सितंबर के बीच दंपति की गिरफ्तारी और निगरानी की बात करने वाला स्टाम्प व मुहर लगा जाली आदेश पेश कर ठगी की।

जजों के जाली हस्ताक्षरों से आदेश तैयार करना विश्वासघात

शीर्ष अदालत ने कहा, न्यायाधीशों के जाली हस्ताक्षरों वाले न्यायिक आदेश तैयार करना, कानून के शासन के अलावा न्यायिक व्यवस्था में जनता के विश्वास की नींव पर कुठाराघात करता है। इस तरह की कार्रवाई संस्था की गरिमा पर सीधा हमला है। न्यायालय ने कहा कि दस्तावेजों की जालसाजी तथा इस न्यायालय या उच्च न्यायालय के नाम, मुहर और न्यायिक आदेशों का आपराधिक दुरुपयोग गंभीर चिंता का विषय है और इस तरह के गंभीर आपराधिक कृत्य को धोखाधड़ी या साइबर अपराध के सामान्य या एकल अपराध के रूप में नहीं लिया जा सकता।

केंद्र और राज्य पुलिस समन्वित प्रयास कर कार्रवाई करें

पीठ ने कहा, हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेने के लिए भी इच्छुक हैं कि यह मामला एकमात्र मामला नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे अपराध हुए हैं। इसलिए, हमारा मानना है कि न्यायिक दस्तावेजों की जालसाजी, निर्दोष लोगों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों से जबरन वसूली/लूट से जुड़े आपराधिक उपक्रम का पूरी तरह से पर्दाफाश करने के लिए केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयासों और कार्रवाई की आवश्यकता है। पीठ ने अटॉर्नी जनरल से सहायता मांगी और हरियाणा सरकार तथा अंबाला साइबर अपराध विभाग को बुजुर्ग दंपति के मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

न्यूज ब्रीफ

सर सय्यद अहमद खां का मनाया जन्मदिन

मुरादाबाद, अमृत विचार : अंसार इंटर कालेज में इस्लामिक लिटरेरी एजुकेशन सोसायटी के सौजन्य से विश्व प्रसिद्ध शिक्षाविद व समाज सुधारक सर सय्यद अहमद खां का जन्म दिन मनाया गया। इसकी अध्यक्षता मुजम्मिल सर पूर्व प्रधानाचार्य मुस्लिम इन्टर कॉलेज ने की। मुख्य अतिथि रुद्रपुर से आए नाहिद रजा प्रिंसिपल इंटर कालेज व अमरोहा से सय्यद हुमायूं परवेज रहे। संचालन डॉ. निहाल नाजिम ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत तिलावत कलाम पाक से हुआ। उसके बाद नात पाल पेश की। मेधावी छात्र हबीबदुर रहमान ने सुन्दर नजम प्रस्तुत की। इस दौरान डॉ. रईस, डॉ. एम. रहमान, डॉ. आसिफ प्रिसिपल, डॉ. बाबू अहमद, जावेद रहे।

क्वालिटी बार मामले में गवाह पेश, 11 को होगी सुनवाई

रामपुर, अमृत विचार : क्वालिटी बार से जुड़े मामले में शुक्रवार का गवाह पेश हुए। सिविल लाइंस स्थित क्वालिटी बार में घुसकर लूटपाट करने के मामले में आजम खां सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया था। पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में हो रही है। शुक्रवार को गवाह ने बयान दर्ज कराने के लिए समय मांगा। इस मामले में अब 11 नवंबर को सुनवाई होगी।

राज्य स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए जिला स्तरीय ट्रायल 29 को

मुरादाबाद, अमृत विचार : खेल निदेशालय के निर्देश पर खेल विभाग और उप्र क्रीड़ा संघों के समन्वय से राज्य स्तरीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन लखनऊ में 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक होना है। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्पोर्ट्स स्टेडियम में 29 अक्टूबर को जिला स्तरीय ट्रायल होंगे। क्रीड़ाधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि जिला स्तर पर आयोजित ट्रायल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी 30 अक्टूबर को मंडल स्तरीय ट्रालय में प्रतिभाग करेंगे।

राज्यकर विभाग ने पकड़ा वाहन, किसानों का हंगामा

किसानों ने कार्यालय के गेट पर जड़ा ताला, कार्यालय परिसर में बंधक रहे अधिकारी व कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- **एसडीएम व सीओ ने विभाग के अधिकारी और किसानों के बीच कराई वार्ता, धरना समाप्त**

अमृत विचार : राज्य कर विभाग के कार्यालय के गेट पर किसान की गाड़ी और सामान पकड़े जाने के विरोध में धरने पर बैठे भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के किसानों ने गेट पर ताला जड़ दिया। कई घंटे अधिकारियों को बंधक बनाए रखा और विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। मौके पहुंचे सीओ सिविल लाइंस व कोतवाली प्रभारी के समझाने पर किसान गाड़ी छुड़ाने की मांग पर अड़े रहे। उधर विभागीय अधिकारी का कहना है कि सामान किसान का नहीं है। चेकिंग दौरान से लेकर अब तक सामान का कोई बिल नहीं दिखाया जा रहा है।

विभाग की कार्रवाई की जा चुकी है। एडीएम सिटी ज्योति सिंह और एसडीएम ने मौके पर पहुंच कर किसान नेता और अधिकारी के बीच वार्ता कराई ,जिसमें दोबारा जांच करने की बात धरना समाप्त किया गया।

शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह रंधावा कुंदरकी के किसान मुनाजिर की राज्यकर विभाग द्वारा चार दिन पहले पकड़े गए पिकअप वाहन को छुड़ाने पहुंचे। उन्होंने राज्यकर विभाग के ग्रेड वन अधिकारी अशोक कुमार से वार्ता की। वार्ता के दौरान विभागीय अधिकारियों ने बताया कि राज्यकर विभाग की टीम द्वारा पकड़ा गया माल डेढ़ लाख रुपये की कीमत है, लेकिन चेकिंग के दौरान सामान का मौके पर कोई बिल नहीं दिखाया गया। चार दिन से अभी तक सामान कोई बिल नहीं है और माल स्वामी सामने आने को तैयार नहीं है। विभाग की और संबंधित कार्रवाई 18 प्रतिशत टैक्स बनने के अलावा पेनल्टी बनेगी वो जमा करने के बाद ही गाड़ी और छोड़ जा सकता है। इस पर किसान नेताओं की सहमति नहीं और वह दोपहर एक बजे राज्य कर विभाग के गेट पर ही धरने पर बैठ गए। लगातार चार घंटे धरने पर बैठे गुस्साए किसानों विभाग के दोनों गेट ताला जड़ दिया और जमकर नारेबाजी। कार्यालय बंद होने के वक्त घर जा रहे राज्य कर विभाग के कर्मचारियों को भी बाहर नहीं जाने दिया। सूचना मिलने पर मौके पर एडीएम सिटी ज्योति सिंह, एसडीएम सदर राममोहन मीणा ने किसानों से वार्ता की। ग्रेड वन अधिकारी अशोक कुमार के कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों की मध्यस्थता में हुई कि पकड़े गए माल की दोबारा जांच कराने की बात पर सहमति बनी। जिसके राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह रंधावा ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। धरने में जिलाध्यक्ष सतीश चौधरी, प्रदेश सचिव उदयपाल सिंह, युवा जिला अध्यक्ष अंकुर चौधरी, तहसील अध्यक्ष बिलारी विक्की चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष कुंदरकी मनवीर ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष मोहित चौधरी, मंडल सचिव राजपाल सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष भगतपुर सुमित चौधरी, डिलारी ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र पाल, प्रमोद यादव आदि मौजूद रहे।

सेल टैक्स ऑफिस पर धरने पर बैठे भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

24 को शाहजहांपुर में किसान मेला जाएंगे मंडल के किसान

मुरादाबाद, अमृत विचार : गन्ना किसानों की आय बढ़ाने और तकनीकों की जानकारी देने के लिए 24 अक्टूबर को गन्ना शोध परिषद, शाहजहांपुर में प्रदेश स्तरीय किसान मेला मिठास 2025 आयोजित किया जाएगा।

शुकवार को उप गन्ना आयुक्त हरपाल सिंह ने बताया कि मेले में गन्ना शोध संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा जीवंत शोध प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसमें गन्ने की नवीन एवं उन्नत किस्मों, बुवाई की आधुनिक विधियों, पेडी प्रबंधन, सिंगल बड नर्सरी, अंतःफसली खेती, कीट व रोग नियंत्रण आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि गन्ना खेती में यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कृषि यंत्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। मेले में कोशा 18231 और कोशा 19231 प्रजातियों के मिनी सीड किट उन किसानों को वितरित किए जाएंगे। वरिष्ठ वैज्ञानिकों के व्याख्यान और कृषक-वैज्ञानिक संगोष्ठी भी होगी।

परिवहन विभाग के कार्यशाला कर्मचारी भी होंगे लाभान्वित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, मुरादाबाद क्षेत्र ने दीपावली और छठ पर्व के अवसर पर कर्मचारियों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना लागू की है। यह योजना 18 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

शुक्रवार को क्षेत्रीय प्रबंधक अनुराग यादव और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्त) बीएल मिश्रा ने बताया कि इस अवधि में निगम के नियमित, संविदा एवं आउटसोर्सिंग चालक-परिचालकों को निर्धारित किलोमीटर संचालन पर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। 13 दिनों में 3900 किमी संचालन पर 5850 रुपये और 3600 किमी संचालन पर 4800 रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा। मानक किलोमीटर से अधिक संचालन पर संविदा एवं आउटसोर्स चालक-परिचालकों को प्रति किमी 55 पैसे अतिरिक्त भुगतान किया जाएगा। इसके साथ ही डिपो व कार्यशालाओं में कार्यरत कर्मचारी जैसे कैशियर, ईटीआईएम, बैग वाइज, चेकिंग तथा डीजल पटल पर कार्य करने वाले भी इस योजना में शामिल होंगे।

निगम से सीधे संबद्ध आउटसोर्स कार्मिकों को भी इसका लाभ मिलेगा।संचालन में किसी आकस्मिक समस्या की स्थिति में क्षेत्रीय नियंत्रण कक्ष 8726005894 तथा मुख्यालय कंट्रोल रूम 18001802877 पर संपर्क किया जा सकता है।क्षेत्रीय प्रबंधक ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, चालकों एवं परिचालकों को दीपावली और छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सुरक्षित संचालन की अपील की।

आजम खां की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली के अस्पताल में भर्ती

रामपुर, अमृत विचार : पूर्व मंत्री आजम खां की शुक्रवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई और उन्हें आनन-फानन में उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और परिजन दिल्ली ले गए।

गुरुवार रात को पूर्व मंत्री दिल्ली से चेकअप कराकर लौटे थे। लेकिन शुक्रवार को तबीयत बिगड़ गई। 23 सितंबर को जेल से रिहा होने के बाद आजम खां ने कहा था कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। वह दिल्ली जाकर स्वास्थ्य का परीक्षण कराएंगे। वह अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराने के लिए दिल्ली चले गए थे। दिल्ली अस्पताल में अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराकर वह गुरुवार की रात दिल्ली से लौटे थे, लेकिन शुक्रवार को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अब्दुल्ला आजम ने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया है।

सर्वे टीम को निःसंकोच होकर सही जानकारी दें

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाने के लिए शासन के निर्देश के अनुसार जनपद स्तर पर गठित समिति के अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने जनपद में जुलाई से चल रहे आवधिक श्रम बाल सर्वेक्षण एवं असंगठित क्षेत्र वार्षिक सर्वेक्षण की प्रगति के संबंध में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी प्रमोद कुमार से जानकारी प्राप्त की। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी ने बताया कि आवधिक श्रम बाल सर्वेक्षण के लिए 2 और असंगठित क्षेत्र वार्षिक सर्वेक्षण के लिए 4 टीमें जिले में सर्वे कर रही हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि टीम के प्रत्येक व्यक्ति के पास विभागीय आई-कार्ड अनिवार्य रूप से होना चाहिए, जिससे आमजन को अपनी निजी जानकारी साझा करने में कोई संदेह न हो।

उन्होंने कहा कि आमजन भी सर्वे टीम को सहयोग प्रदान करें तथा उनके द्वारा जिन बिंदुओं पर जानकारी मांगी जा रही है उनकी सही जानकारी उपलब्ध कराएं। जिससे जिले का डाटा व्यवस्थित किया जा सके और जनपद के निवासियों द्वारा प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भागीदारी का आकलन हो सके। इस सर्वे में प्राप्त होने वाली जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। प्रदेश सरकार द्वारा कराए जा रहे सर्वे कार्य का मुख्य उद्देश्य आवधिक श्रमबल और असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों की जिले की अर्थव्यवस्था में भागीदारी का आकलन करना है। जिससे आमजन की जरूरतों के अनुरूप योजनाओं को बनाकर उनका क्रियान्वयन करके प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तेजी से गति दी जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी, संयुक्त आयुक्त उद्योग योगेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में ओटीडी सर्वे कार्य की बैठक में समीक्षा करते जिलाधिकारी अनुज सिंह।

क्या है आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण

यह भारत में रोजगार और बेरोजगारी की स्थिति को समझने के लिए कराया जाने वाला एक महत्वपूर्ण सर्वेक्षण है जो प्रदेश में पहली बार लागू कराया गया है यह सर्वेक्षण ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में रोजगार बेरोजगारी और श्रम बाल भागीदारी दरों पर डाटा प्रदान करता है। आवधिक श्रम बाल सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य देश में रोजगार और बेरोजगारी के प्रमुख संकेतकों का अनुमान लगाना है जो नीतियों और कार्यक्रमों को बनाने में मदद करता है।

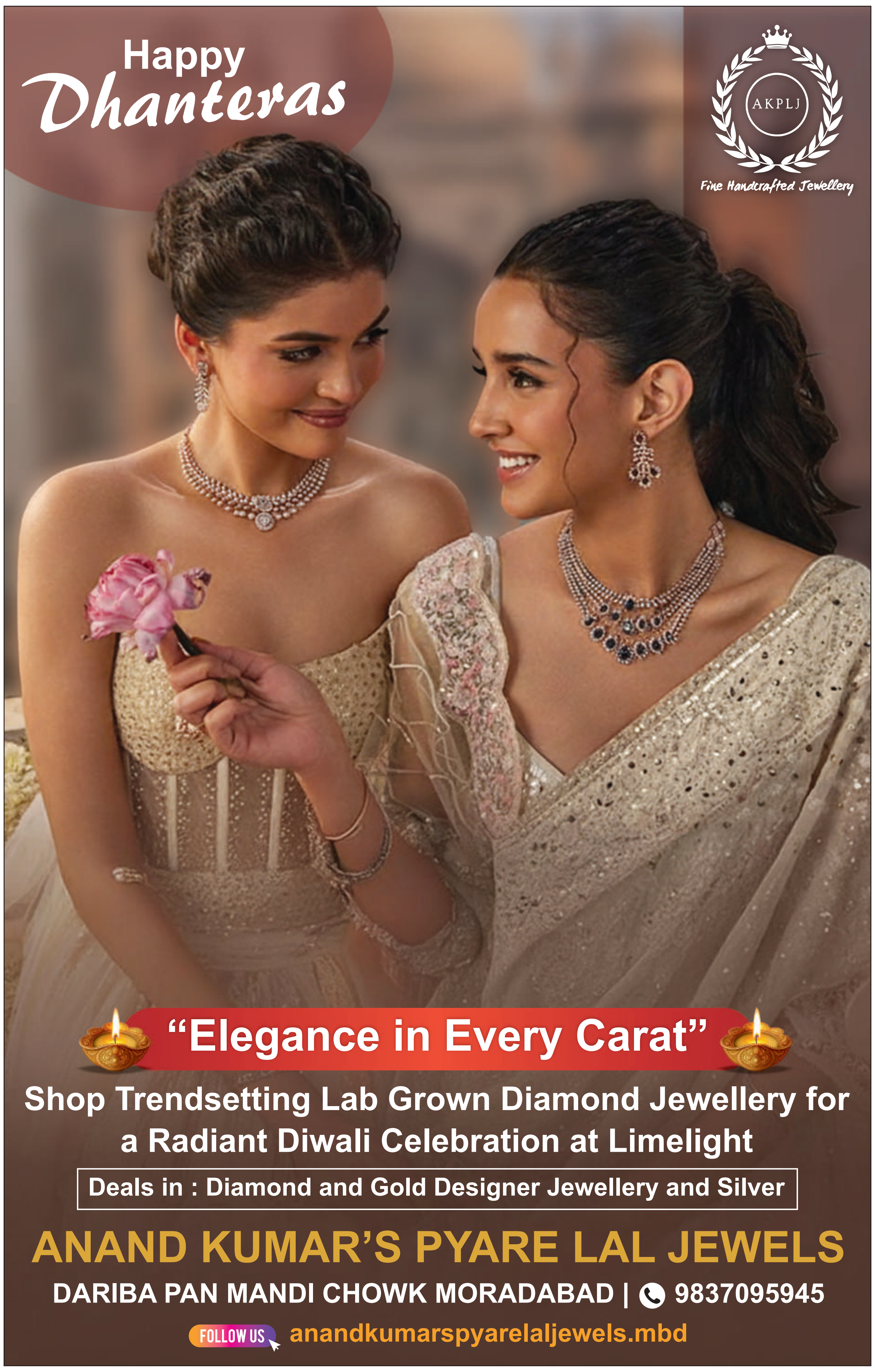

केवल सस्ती कीमत के लिए नहीं, स्थायी मूल्य के लिए सही सोना चुनें।

150 साल बेमिसाल

सोने का
सही भाव
कल भी, आज भी, और कल भी

मेकिंग चार्जेस
फ्लैट 8% प्रतिग्राम
यह ऑफर केवल 5 अक्टूबर 2025 तक

आपका
फायदा ही फायदा

फेस्टिवल ऑफर
निश्चित खरीद पर
सुनिश्चित उपहार

कोई भी एक
₹5 लाख तक की खरीद पर
Lunch Box | Electric Kettle
Sandwich Griller | Mixer Juicer

कोई भी एक
₹5 से 10 लाख तक की खरीद पर
Smart Phone | Led Tv (32 inch)
Washing Machine

कोई भी एक
₹10 लाख से अधिक की खरीद पर
iPhone | App Watch
iPad

ऑफर 21 सितम्बर से 31 दिसम्बर तक

T&C Apply

• Prizes will be given depending on the amount of purchase (no clubbing) • Item bought in the scheme will not eligible for exchange • Old gold will be adjusted and will be considered. • Big heading in all advertisement till Diwali and this line should be included in all

"शुद्धता का परिचय
हमारी पहचान,
आपका भरोसा!"

शुभ धनतेरस

ALL TYPES OF SILVER ORNAMENTS AVAILABLE

ALL DEBIT AND CREDIT CARD ACCEPTED

We Deals in Hallmark Jewllery

बृजलाल किशनलाल ज्वैलर्स
एण्ड मैन्युफ़ैक्चर्स

Giving Best Quality Since 1875

मण्डी चौक, मुरादाबाद। मो. 9412248026

बच्चों को मिठाई कपड़े, पटाखे व उपहार बांटे

मुरादाबाद, अमृत विचार : पराग ह्यूमन फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वावधान में दीपावली का उत्सव शुक्रवार को उत्साह और उमंग के साथ मनाया। ट्रस्ट से जुड़े सदस्यों ने झुग्गी बस्तियों में जरूरतमंद बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं।

शुक्रवार को कार्यक्रम की मुख्य अतिथि इनरह्वील नॉर्थ की प्रेसीडेंट नीलम रस्तोगी, सेक्रेटरी पूर्णिमा शर्मा, कोषाध्यक्ष सीमा खंडेलवाल एवं एडिटर रचना अग्रवाल उपस्थित रहीं। बच्चों को मिठाई, कपड़े, दिया-बाती, तेल की शीशी, फल, फूड पैक, पटाखे और स्वेटर आदि भेंट किए गए।ट्रस्ट की संस्थापिका गरिमा सिंह ने बताया कि पिछले सात वर्षों से पराग ह्यूमन फाउंडेशन समाज के जरूरतमंद वर्गों के बीच दीपावली की खुशियां बांटता आ रहा है।

उन्होंने कहा कि हम अपने घरों में रोशनी तभी करते हैं, जब अंधेरे घरों में चिराग जला देते हैं। कार्यक्रम में सरदार गुरविंदर सिंह विशिष्ट अतिथि रहे। उन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों को नकद पुरस्कार प्रदान किए।पीएचएफ विद्यापीठ की डायरेक्टर उर्वशी सिंह, वाइस प्रिंसिपल साक्षी बंसल, टीचर्स निक्की, उपासना, काजल एवं आया पूजा को निस्वार्थ सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया।अंत में राघव रस्तोगी ने सभी बच्चों के साथ फूलझड़ियां जलाकर दीपावली का शुभारंभ किया।

धनतेरस आज: अच्छे कारोबार की उम्मीद में व्यापारियों में उत्साह

रसोई का सामान, ऑटोमोबाइल से लेकर बर्तन और सराफा बाजार में हो रही धनवर्षा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

धनतेरस की पूर्व संध्या पर सजा बर्तन बाजार। ● अमृत विचार

बर्तन बाजार में बर्तन की खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

बाजार में बर्तन पसंद करती महिला। ● अमृत विचार

अमृत विचार : धनतेरस और दीपावली के त्योहार को लेकर बाजारों में खूब धन वर्षा हो रही है। ग्राहकों का उत्साह महंगाई पर भारी दिखाई दे रहा है। सराफा, आटोमोबाइल, बर्तन बाजार, कपड़ों के शोरूम, इलेक्ट्रानिक्स की दुकानों पर बूम है। खरीदारों की भीड़ से रौनक बनी हुई है। धनतेरस का पर्व शनिवार और दीपावली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

धनतेरस को लेकर व्यापारियों ने पहले से ही खूब तैयारी कर रखी थी। कपड़ों के शोरूम पर एक से बढ़कर एक आकर्षक रेंज उपलब्ध हैं। रेडीमेड वस्त्रों की बिक्री खूब हो रही है। बुधबाजार में एक शोरूम संचालक राजीव छाबड़ा ने बताया कि इस बार ग्राहकों में खूब उत्साह देखा है। पिछली बार की अपेक्षा इस बार रेडीमेड वस्त्रों के रेट कम हैं। साथ ही ग्राहकों को छूट भी दी जा रही है। यह स्कीम ग्राहकों को पसंद आ रही है। इसी तरह से सराफा बाजार में भी काफी गहमागहमी है। सुबह से ही खरीदारी के लिए दुकानों पर लोगों का तांता लग जा रहा है। चांदी के सिक्के, चांदी के देवी-देवता, ग्राहक अन्य आभूषणों की खरीदारी में जुटे हैं। तमाम ग्राहकों ने अपने पसंदीदा गहनों के लिए पहले से ही आर्डर दे रखे थे। सर्राफ दीपक अग्रवाल ने बताया कि ग्राहकों में उत्साह देखते हुए सराफा बाजार में इस बार पिछली बार की तुलना में अधिक रौनक है और सोने-चांदी के आभूषणों व सिक्कों की सबसे ज्यादा खरीद हो रही है। कीमत अधिक होने के चलते सोने की तरफ लोगों का रुझान कम है।

आटोमोबाइल बाजार में रौनकः दीपावली पर आटोमोबाइल बाजार में अलग ही रौनक दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में गाड़ियों की बुकिंग कराई गई है। धनतेरस शनिवार को होने के चलते अधिकांश लोग अपनी गाड़ियां रविवार को धनतेरस वाले दिन उठाएंगे। सबसे ज्यादा बिक्री बाइक और स्कूटी की हो रही है। लोग गाड़ियां खरीदने के लिए कई दिन से आटो एजेंसियों पर पहुंच रहे थे। आटोमोबाइल सेक्टर में कई तरह की आकर्षक छूट दी जा रहीं हैं और कैश बैक ऑफर भी है। इसके अलावा निश्चित उपहार की स्कीम भी ग्राहकों को लुभा रही है। कांठ रोड स्थित एक दो पहिया शोरूम पर प्रबंधक सीमा शुक्ला ने बताया कि जिले भर में पांच हजार से अधिक दुपहिया वाहनों की डिलीवरी होगी। ज्यादातर लोग फाइनेंस स्कीम का लाभ उठा रहे हैं।

खूब खरीदे जा रहे इलेक्ट्रिक उत्पाद

इलेक्ट्रोनिक्स उत्पादों की खूब खरीदारी हो रही है। लोग वाशिंग मशीन, गीजर, एलईडी व अन्य तरह के उत्पाद खरीद रहे हैं। फाइनेंस सुविधा मिलने के कारण मोबाइल फोन भी खूब खरीदे जा रहे हैं। धनतेरस से पहले दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ लगी रही। तमाम दुकानदारों ने अपनी दुकानों के बाहर आकर्षक सजावट करके बिक्री के लिए उत्पादों को रखा है।

बर्तन बजार में भी रौनक

धनतेरस पर बर्तन बाजार खूब सजा हुआ है। इस बार दुकानदारों को धनतेरस के नाम पर दो दिन बर्तन बेचने का मौका मिल गया। शनिवार को धनतेरस मनाई जाएगी, इसलिए उन्होंने एक दिन पहले ही लोगों ने बर्तनों की खरीदारी की। हालांकि, शनिवार को भी बर्तन बाजार में रौनक रहेगी। विक्रेता नीरज गुप्ता ने बताया कि लोग चम्मच से लेकर बड़े बर्तन खरीद रहे हैं। स्टील, तांबा, पीतल हर तरह के बर्तन खरीदे जा रहे हैं।

स्वदेशी सामान को पसंद कर रहे लोग

मुरादाबाद, अमृत विचार : पंचोत्सव को लेकर बाजारों में भी पूरी रौनक दिखाई दे रही हैं। इस बार स्वदेशी सामानों से बाजार चमक रहा है। तोरणद्वार हो या फिर झालरें, स्वदेशी सामान को ही लोग पसंद कर रहे हैं। हालांकि, चीन की झालरों की भी ग्राहक खरीदारी कर रहे हैं। लोगों को अपने घरों और प्रतिष्ठानों के साथ-साथ वहां धार्मिक स्थलों को अच्छे से अच्छा सजाने की होड़ मची हुई है। एक से एक स्टाइलिश झालरों ने बाजार में बूम ला दिया है। एलईडी झालर, एलईडी स्ट्रिप्स और मेमोरी झालर लोगों को लुभा रही है। युवाओं को रिमोट वाली झालर और संगीत सिंकिग झालर पसंद आ रही हैं। इस झालर की दिवानगी इतनी है कि हर कोई अपने घरों में इसे लगाने के लिए बेताब है। ताड़ीखाना, टाउनहॉल, गंज, गुरहट्टी, मंडी चौक समेत अन्य बाजारों में एलईडी बल्ब की रंगीन झालर की खरीददारी के लिए देहात से भी लोग बाजार आ रहे हैं। बुधबाजार के मानपुर बाजार में विक्रेता सुनील ने बताया कि लोगों ने दिवाली की भीड़ से बचने के लिए अभी से झालर, बल्बों की खरीददारी करना शुरू कर दिया है। विक्रेता सौरभ अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष बाजार में 50-60 वैरायटी की झालर उपलब्ध हैं। तोरणद्वार, झालरों का चलन साल भर रहता है। वैसे तो आज के दौर में बंदनवार की त्योहारी सीजन पर मांग और बढ़ गई है। दुकान में 100 रुपये से लेकर दो हजार रुपये तक की तोरणद्वार बिक रहे हैं। यह सभी स्वदेशी हैं।

ओवरचार्जिंग, ओवरलोडिंग न करें वाहन चालक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : दीपावली और भाई दूज जैसे त्योहारों पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए संभागीय परिवहन अधिकारी ने परिवहन कार्यालय में बैठक की। बैठक में निजी बस ऑपरेटरों, बस स्वामियों, टेंपो और टैक्सी संचालकों को परिवहन आयुक्त मुरादाबाद आयुक्त एवं जिलाधिकारी के निर्देश बताए।

शुक्रवार को संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश सिंह ने कहा कि त्योहारी सीजन में किसी भी स्थिति में यात्रियों से ओवरचार्जिंग (अधिक किराया वसूलना) न किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कोई भी चालक वाहनों में ओवरलोडिंग की जाए। आरटीओ ने बताया कि वाहनों में यात्रा कर रहे लोगों के साथ शालीन व्यवहार किया जाए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) आंजनेय कुमार सिंह और संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) पवन सोनकर भी उपस्थित रहे। संभागीय परिवहन अधिकारी ने सभी वाहन स्वामियों और चालकों से अपील की कि त्योहारों के दौरान नियमों का पालन करें।

आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता में आरएसडी एकेडमी प्रथम

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

आरएसडी अकेडमी में आयोजित प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : आरएसडी एकेडमी में शुक्रवार को अंतर जिला आर्म रेसलिंग प्रतियोगिता हुई। जिले के 12 स्कूलों के 200 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता ने हिस्सा लिया। इसमें आरएसडी एकेडमी की टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया। मॉडर्न पब्लिक स्कूल दूसरे और टाइनी टोट्स स्कूल तीसरे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ. अनंत राणा ने किया। जिला आर्म रेसलिंग एसोसिएशन के सचिव मोहित चौधरी ने बताया प्रतियोगिता अंडर 14, 16, 18, 23 व सीनियर बालक एवं बालिका वर्ग में हुई।

अंडर 14 के बालक वर्ग के 40 किलोग्राम भार वर्ग में मोहम्मद मुआज ने स्वर्ण, अहम अली ने रजत व देव और विराट ने कांस्य पदक जीता। 45 किलोग्राम भार वर्ग में मानस विश्नोई ने स्वर्ण, दिवेश ने रजत, योग प्रकाश और मोहम्मद निहाल ने कांस्य पदक जीता। 50 किलोग्राम भार वर्ग में आयु ने स्वर्ण, नैतिक पवार ने रजत, संजू व फैजान मालिक ने कांस्य पदक जीता। 55 किलोग्राम भार वर्ग में हनी ने स्वर्ण, हितांशु ने रजत, पवित्र और भविष्य ने कांस्य पदक जीता। अंडर 14 के बालिका वर्ग में 40 किलोग्राम भार वर्ग में वैष्णवी, 45 किलोग्राम में कर्णिका चौधरी, 55 किलोग्राम में आर्य गुप्ता, 60 किलोग्राम में गिरिशा और 60 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में अलंकृता ठाकुर ने स्वर्ण पदक जीता। अंडर 16 के बालक वर्ग में 50 किलोग्राम में अदनान ने स्वर्ण, शिव कुमार ने रजत, भविष्य ने कांस्य पदक जीता। 55 किलोग्राम में अभय सक्सेना ने स्वर्ण, शौर्य ने रजत व अंश ने कांस्य पदक जीता।

बालिका वर्ग के 45 किलोग्राम में अनम बिलाल ने स्वर्ण व आलिया सुल्ताना ने रजत पदक जीता। 50 किलोग्राम में हुफ्जुन ने स्वर्ण, 60 किलो में सानिया ने स्वर्ण, कोरीन ने रजत, कैफ्रीन ने कांस्य पदक अपने नाम किया। समापन समारोह के दौरान आरएसडी एकेडमी के निदेशक डॉ. विनोद कुमार, डॉ. जी. कुमार, डॉ. गौरव कुमार, डॉ. अजय शर्मा और डॉ. गरिमा शर्मा ने सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। निर्णायक मंडल में मयंक कश्यप, मरदान अली, आदित्य कुमार, मॉरिस, चिराग रहे। इस अवसर पर आर्म रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव शाहवेज अली ने सभी विजेता खिलाड़ियों की बधाई देकर उनका मनोबल बढ़ाया।

स्वास्थ्य और पोषण के प्रति बढ़ाई जागरूकता

मुरादाबाद, अमृत विचार : गोकुलदास हिन्दू गर्ल्स कॉलेज मुरादाबाद में शुक्रवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत गृह विज्ञान विभाग द्वारा महिला आहार एवं पोषण तालिका पर प्रशिक्षण दिया। इसका उद्देश्य महिलाओं में संतुलित आहार, पोषक तत्वों के महत्व तथा दैनिक जीवन में स्वस्थ खानपान की आदतों को अपनाने के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. चारू मेहरोत्रा ने कहा कि मिशन शक्ति के अंतर्गत ऐसे प्रशिक्षण महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वास्थ्य-सचेत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सविता अग्रवाल, तबस्सुम और यशिका प्रजापति ने संयुक्त रूप से किया। प्रो. सुदेश, प्रो. प्रवीण सैनी, प्रो. करुणा आनंद सहित अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विवाह योजना के सत्यापन में बरतें पारदर्शिता : सीडीओ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

विभाग अध्यक्षों के साथ बैठक करती मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत लाभार्थियों के चयन और सत्यापन प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक की। बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा संपन्न हुई।

शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी ने सभी खंड विकास अधिकारियों, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों, सहायक विकास अधिकारियों, ग्राम विकास अधिकारियों, समाज कल्याण पर्यवेक्षकों और जिला समाज कल्याण अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री सामूहिक प्रोत्साहन विवाह योजना को लेकर बैठक की। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक के दौरान कहा कि योजना के अंतर्गत प्राप्त सभी ऑनलाइन आवेदन पत्रों का गहन स्थलीय सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी दशा में अपात्र व्यक्तियों का चयन न हो और कोई पात्र लाभार्थी योजना से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि खंड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी स्वयं भी रैंडम आधार पर आवेदन पत्रों का भौतिक सत्यापन करें।

बैठक में बताया कि समाज कल्याण निदेशालय द्वारा आगामी नवंबर माह की शुभ तिथियों पर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आयोजन का प्रस्ताव है।

दीपोत्सव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कसी कमर

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : छह दिन के दीपोत्सव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने विशेष तैयारियां की हैं। उत्सव के दौरान भीड़ और संभावित आपातहालातों को देखते हुए चिकित्साधिकारियों ने कमर कस ली है। 19 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक आपातकालीन सेवाओं के लिए अतिरिक्त संसाधन और स्टाफ को तैनात किया है। दीपोत्सव के दौरान आतिशबाजी के कारण झुलसने, चोट लगने या अन्य आकस्मिक घटनाओं की संभावनाओं को देखते हुए जिला अस्पताल की इमरजेंसी और बर्न यूनिट में 10-10 बेड आरक्षित किए गए हैं। आम दिनों की तुलना में यहां अतिरिक्त बेड रखने का उद्देश्य किसी भी स्थिति में तत्काल इलाज सुनिश्चित करना है। ये बेड न केवल स्थायी मरीजों बल्कि किसी अप्रत्याशित भीड़ या घटना के समय भी तुरंत उपलब्ध रहेंगे।

तीन शिफ्टों में सहायक स्टाफ की तैनाती

मरीजों की देखभाल के लिए 19 से 24 अक्टूबर तक अस्पताल में तीन-तीन चिकित्सक, नर्स, फार्मासिस्ट और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हर शिफ्ट में उपलब्ध रहेंगे। तीन शिफ्टों का रोस्टर तैयार किया गया है। सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक, दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक और रात 8 बजे से अगली सुबह 8 बजे तक। प्रत्येक शिफ्ट में टीम के चिकित्सक व स्टाफ अपनी भूमिका निभाते हुए मरीजों की सेवा में रहेंगे। विभागीय अधिकारियों की मानें तो हर शिफ्ट के दौरान जरूरी दवाओं और उपकरणों की भी नियमित जांच की जाएगी। सर्जन डॉ. एक्यू अंसारी की ड्यूटी विशेष रूप से लगाई गई है। साथ ही अन्य किसी भी बीमारी या आपात स्थिति के लिए सभी विशेषज्ञ चिकित्सकों की ऑन-कॉल व्यवस्था की गई है ताकि जरूरत पड़ने पर वे तत्काल मरीजों का इलाज कर सकें।

शुभ दीपावली

BIS सर्टिफाईड आभूषण-थोक रेट पर उपलब्ध*

उपहार उत्सव

धनतेरस व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

स्वर्ण हॉलमार्क आभूषण शुद्धता + बनवाई शुल्क 5.99% से शुरुआत

वर्षों का भरोसा हर पीढ़ी के साथ- 100% विश्वसनीय

मैसर्स श्री शिव कुमार गुप्ता एण्ड सन्स ज्वैलर्स

(मंडल का प्रमुख–100 % BIS सर्टिफाईड हॉलमार्क शोरुम)

फुटकर एवं थोक विक्रेता

शुभ ऑफर - आकर्षक लाभ

- भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) द्वारा मान्यता प्राप्त हॉलमार्क स्वर्ण आभूषण 19% तक की छूट पर उपलब्ध* स्वर्ण आभूषण शुद्धता + 5.99% बनवाई से शुरुआत*)
- सर्टिफाइड डायमण्ड आभूषण 100% वापसी पर उपलब्ध*। (डायमण्ड आभूषण 20% तक की छूट पर उपलब्ध*)
- ब्रांडेड चाँदी के आभूषणों पर 25% तक की छूट पर उपलब्ध*।
- 92.50% शुद्ध चाँदी के फैन्सी आभूषणों की फुल रेंज उपलब्ध।
- 92.50% एवं 100% शुद्ध चाँदी के बर्तन, सिक्के और मूर्तियां उपलब्ध*

नियम व शर्तें लागू

PLATINUM

BIS

925 Sterling Silver GUARANTEE

E.mail.:-skg.sons2108j.b@gmail.com

9756076638 9411002369

Customer Care No. 05921-297603

सागर गुप्ता

श्री गाँधी आश्रम के बराबर में, न्यू व्हाइट बिल्डिंग, बिलारी मुरादाबाद-244411

न्यूज ब्रीफ

एसएमआर अस्पताल में लगा चिकित्सा शिविर

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : एसएमआर अस्पताल द्वारा बुधवार को नि :शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें करीब 400 रोगियों का परीक्षण एवं दवाइयां दी गईं। शिविर में स्त्री रोग, बाल रोग, हड्डी रोग, मधुमेह, हाई ब्लड प्रेशर इत्यादि से पीड़ित मरीजों को लाभ मिला। डा. हर्ष शर्मा, स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. उषा यादव, बाल रोग विशेषज्ञ डा. मुनीब, डा. बी.के. डालमिया, डा. इमरान, डा. सौरव पांडे और फार्मासिस्ट दिलीप यादव सेवाएं देते नजर आए। डॉ. हर्ष शर्मा ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य निर्धनों तक भी इलाज पहुंचाना है। डॉ. उषा यादव ने कहा कि महिलाओं के बीच स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता लाना जरूरी है।

धनतेरस आज, बाजार गुलजार

कांठ, अमृत विचार : नगर व क्षेत्र में धनतेरस का त्यौहार आज हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर धन कुबेर भगवान धन्वंतरि की विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की जाएगी। बाजारों में आभूषण, बर्तन, मूर्तियां, दिये, खरीदने को लेकर पूरा दिन बाजार गुलजार रहे। शुक्रवार को बाजारों में अच्छी खासी भीड़ दिखाई दी। देर रात्रि तक बाजारों में रौनक रही। वहीं चौकी इंचार्ज सुमित यादव, उप निरीक्षक कमलदीप एवं संजीव कुमार, पुलिस बल के साथ बाजारों में गस्त करते नजर आए।

युवक ने दी जान से मारने की धमकी

बिलारी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ग्वार खेड़ा निवासी ज्योति पत्नी डालचंद ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि सोनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम वीरामपुर निवासी सुभाष पुत्र ओमप्रकाश उसे और उसके पति को जान से मारने की धमकी देता है। साथ ही इंस्टाग्राम व्हाट्सएप पर अभद्र शब्दों का प्रयोग करता है। पुलिस जांच कर रही है।

प्रेमिका से जबरन निकाह कराने पर युवक ने फंदा लगाकर दी जान

बेइज्जती के चलते दी जान, परिजनों ने प्रेमिका पक्ष पर हत्या का आरोप लगा तहरीर दी

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

- दानिश 10 दिन का समय शादी करने के लिए मांग रहा था

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में प्रेमिका से जबरन निकाह कराने के विवाद में युवक ने शुक्रवार को जंगल में जाकर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने प्रेमिका पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को तहरीर दी।

मृतक दानिश अंसारी।

कोतवाली क्षेत्र की पुलिस चौकी सुरजन नगर क्षेत्र के गांव लालापुर पीपलसाना निवासी 26 वर्षीय दानिश अंसारी पुत्र खलील अहमद 3 महीने पूर्व ही 5 वर्ष के बाद सऊदी अरब से मेहनत मजदूरी कर अपने घर आया था। बताया जाता है कि गांव की हीनजराना नमक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बताया जाता है सऊदी अरब से लौटे दानिश के साथ 13 अक्टूबर की रात को नजराना के परिवार ने जबरन निकाह कर दिया। जबकि दानिश 10 दिन का समय शादी करने के लिए मांग रहा था ताकि उसके बाहर गए पिता लौट आयें। लेकिन युवती के परिजन व अन्य ने बिना परिवार की सहमति के जबरन निकाह करा दिया। बताया जाता है कि शुक्रवार की सवेरे युवती के परिजनों ने उसके घर पर पहुंचकर उसके परिजनों को बुरा भला कहा जिससे वह मानसिक तनाव में आ गया। अपनी व परिजनों की बेइज्जती बर्दाश्त नहीं कर सका। घर से निकल कर जंगल की ओर गया और अपने खेत में यूकेलिप्टस के पेड़ मे फांसी का फंदा लटका कर आत्महत्या कर ली। दानिश को घर में न देख परिजनों ने उसकी तलाश की वही उसकी लाश यूकेलिप्टस के पेड़ पर फंदे से लटकी मिली।

मृतक की मां रहीसा बेगम का आरोप है कि उसके बेटे की हत्या की गई और लाश को पेड़ से लटकाया गया। पुलिस ने शव पेड़ से उतार कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची। फॅरेंसिस टीम मे अस्पताल में पहुंचकर जांच पड़ताल की। मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। करीब 15 दिन के बाद उसे सऊदी अरब जाना था। छोटे भाई मुर्सलिम आजम, बहन गुलफसा, साहिबा अन्य परिजनों का बुरा हाल था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एसडीएम ने अधूरे कार्य जल्द पूरे करने का दिया निर्देश

कांठ, अमृत विचार: तहसील सभागार में एसडीएम ने तहसील स्तरीय अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक ली और आगामी त्यौहारों को लेकर सतर्कता बरतने और अधूरे कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

एसडीएम संत दास पवार ने कहा कि त्यौहारों पर सभी लेखपाल व राजस्व निरीक्षक अपने क्षेत्र पर विशेष नजर रखें, कहीं किसी तरह का कोई विवाद तो नहीं है। क्रॉप कटिंग, फैमिली आईडी आदि का कार्य जिसका अधूरा है, वह अपने क्षेत्र में जाकर कार्य पूरा करें और तहसील कार्यालय को रिपोर्ट दें। उन्होंने कहा कि ग्राम समाज की भूमि और चकरोड से संबंधित मामला है, तो ऐसे निस्तारण करें। तहसीलदार राजकुमार, नायब तहसीलदार अनिल कुमार मिश्रा, योगेश कुमार शर्मा, राजस्व निरीक्षक केदार सिंह, करतार सिंह, महेंद्र सिंह पाल व अन्य मौजूद रहे।

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को किया सम्मानित

सम्मान प्राप्त करते युवा। ● अमृत विचार

कांठ, अमृत विचार: आकाश कोरियन ताइक्वांडो अकादमी में सोशल मीडिया के माध्यम से कांठ की सकारात्मक और प्रेरणादायक गतिविधियों को एक्सप्लोर कर लोगों तक पहुंचाने का कार्य कर रहे शिवम यदुवंशी, अरुण तोमर एवं मनीष यदुवंशी को सम्मानित किया गया।

पत्रकार अनिल शर्मा एवं देवेंद्र विश्नोई ने दोनों युवाओं को शील्ड देकर सम्मानित किया। अकादमी के संचालक आकाश शर्मा, कोच हर्ष शर्मा, रितिका शर्मा एवं शौर्य प्रताप, शौर्य विश्नोई, नव्या प्रताप सिंह, मिष्ठी पूनिया, मृत्युंजय सिंह, साकेत मोहन अग्रवाल, ऐनी चौहान, कामाक्षी माहेश्वरी, उन्नति माहेश्वरी, प्रणिका शुक्ला, पोरस चौहान, राघव मोहन अग्रवाल, नव्या अहलावत, प्रणनीत अहलावत व अन्य उपस्थित रहे।

बच्चे के लापता होने में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, छजलैट

अमृत विचार : डेरे के बाहर खेल रहा दो वर्ष का बच्चा लापता हो गया। पुलिस ने अपहरण की आशंका पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज तलाशी जा रही है।

कांठ क्षेत्र के गांव नवादडी के मूल निवासी अकित सिंह अपनी पत्नी बंटी व बेटा रोहन (3) और डेढ़ वर्षीय बेटा मोहन के साथ चार वर्ष से छजलैट में सड़क किनारे झोपड़ी डालकर देसी दवाई बेचता है। गुरुवार की शाम दोनों बेटे झोपड़ी के बाहर खेल रहे थे। उनकी माता बच्चों को खेलते छोड़कर काम में लग गई। बाहर से छोटा बच्चा मोहन लापता हो गया। माता- पिता ने मोहन को आसपास के घरों में तलाश किया लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। एसपी ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह और एएसपी/सीओ कांठ अभिनव द्विवेदी ने मौका मुआयना किया। फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को बुला लिया गया है। पुलिस ने आस पड़ोस के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया। देर रात तक बच्चा नहीं मिल पाया है। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि अपहरण की आशंका में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

पुलिस ने तमंचे के साथ युवक पकड़ा

बिलारी, अमृत विचार : उप निरीक्षक सुनील कुमार गुरुवार की रात गस्त कर रहे थे। मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि बीच की बगिया के मैदान से युवक को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक 315 बोर का तमंचा बरामद हुआ। उसने अपना नाम जावेद पुत्र साबिर निवासी मोहल्ला अंसारियान बताया है।

इल्म हासिल कर समाज से कुरूतियां दूर करें

कुंदरकी, अमृत विचार: इमामबाड़ा हजरत अबुतालिब में कमाल हैदर क़ाजमी के चालीसवें की मजलिस को खिताब करते हुए मुंबई से आए मौलाना शाहिद हसन रिज़वी ने इल्म हासिल करने और समाज से कुरूतियों को समाप्त करने का आह्वान किया।

मौलाना ने कहा कि इस्लाम अमन का पैगाम देता है और इत्तेहाद क़ायम करने पर जोर देता है। पड़ोसी का ख्याल विधवा महिला और यतीम बच्चो व बेसहरा लोगों की मदद करने का हुक्म देता है। लोगों की मदद ऐसे करो कि तुम्हारे दूसरे हाथ को भी पता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कौम को मेडिकल कॉलेज व यूनिवर्सिटी की आवश्यकता है इसके लिए आगे आना चाहिए। कमर अब्बास क़ाजमी ने मरसिया। मौलाना अफ़ाक आलम जेदी, मौलाना नय्यर रज़ा ने भी विचार व्यक्त किए। मुहम्मद तकी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, परिजनों ने लगाया जाम

संवाददाता अगवानपुर

अमृत विचार: सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के सेरुआ धर्मपुर स्थित कांठ रोड पर गुरुवार रात अनियंत्रित कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद कार पलट गई। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। इसी बीच अंधेरे ओर भीड़ का फायदा उठाकर कार सवार दो युवक फरार हो गए। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शुक्रवार को कार्रवाई की मांग की लेकर जा लगा दिया।

प्रीतम पाल पुत्र राकेश कुमार निवासी ग्राम भीकनपुर थाना छजलैट अपनी बाइक से मुरादाबाद से अपने गांव की ओर जा रहा था। सेरुआ धर्मपुर मे छजलैट की ओर से आ रही कार ने बाइक में ज़ोरदार टक्कर मार दी। कार कपिल निवासी मोरा मिल्क चला रहा था। टक्कर लगने के बाद कार तो पलट ही गई प्रीतम पाल की मौके पर ही मौत हो गई। शुक्रवार को मृतक के परिजनों ने कांठ रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस ने समझा बुझाकर शांत किया। पुलिस ने कार चालक को हिरासत में ले लिया है। चौकी इंचार्ज सुनील कुमार राठी का कहना हैं कि मृतक के परिजनों से तहरीर प्राप्त कर पंचायतनामा भर कर एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही हैं। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

- पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लिया

कार ने बाइक रौंदी, युवक की मौत

छजलैट, अमृत विचार : नशे में चूर कार चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। थाना क्षेत्र के ग्राम भीकनपुर निवासी रिंकू (26 वर्ष) पुत्र राकेश कुमार मुरादाबाद में ट्रांसपोर्ट में नौकरी करता था। गुरुवार की रात 10 :00 बजे वह अपनी ड्यूटी समाप्त कर बाइक से घर वापस लौट रहा था। दीवान शुगर मिल के पास पीछे से आ रही कार ने बाइक में टक्कर मार दी। रिंकू की मौत हो गई। कार सवार कार छोड़कर फरार हो गए। कार में शराब के अध्धे, पौवे बरामद हुए हैं। कार सवार आसपास के गांव के निवासी बताए गए हैं। रिंकू की अभी 3 वर्ष पूर्व ही शादी हुई थी, जिसके 3 वर्ष का बच्चा है।

आचार्य अमित ने नशे से किया सावधान

कांठ, अमृत विचार: नशा करने से मनुष्य का शरीर, सामाजिक प्रतिष्ठा, परिवार, समाज और देश की हानि के साथ उसका जन्म लेना ही व्यर्थ हो जाता है।

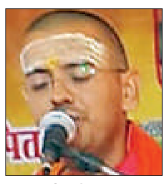

आचार्य अमित आनंद।

यह विचार ग्राम खलीलपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिन आचार्य अमित आनंद ने अमृत वर्षा करते हुए व्यक्त किये। नशा हमारे जीवन के वास्तविक उद्देश्य से भटका कर हमें इस लोक और परलोक में भी तिरस्कार और दंड का भागीदार बना देता है। गुरु जंभेश्वर ने कहा था कि नशे को स्पर्श करने से भी हम पाप के भागीदार बनते हैं। संत प्रणवानंद, चमन ऋषि, जगदेवानंद, धर्मानंद, पूर्व डीएसपी संजय विश्नोई, अरविंद गुरुजी, आचार्य चंद्र मोहन, चौकीदार परिवार व ग्रामीणों का सहयोग रहा।

अमरोहा

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान की व्यवस्थाएं देखीं

हसनपुर, अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर होने वाले गंगा स्नान की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी व सीओ दीप कुमार पंत ने पूठधाम और पोरारा गंगा घाटों का शुक्रवार को निरीक्षण किया।

एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्तिक पूर्णिमा पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए आते हैं, इसलिए घाटों को बिना किसी लापरवाही के बेहतर ढंग से तैयार किया जाए। उन्होंने सुरक्षा और सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो। इसके उपरांत, एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी ने पोरारा घाट का भी निरीक्षण किया और अधीनस्थों को सभी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने घाटों पर पर्याप्त साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने पर जोर दिया।

कलेक्शन एजेंट से लूट, 7 आरोपी पकड़े

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार : कलेक्शन एजेंट के साथ हुई लूट का पुलिस ने 36 घंटे में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने लूट करने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लूटे हुए 60,120 रुपये, बैग व कागजात व घटना में प्रयुक्त बाइक, दो मोबाइल, तमंचे बरामद किए है।

खुलासा करते एसपी अमित कुमार आनंद, पीछे खड़े आरोपी। ● अमृत विचार

- पुलिस ने 36 घंटे में दबोचे लूट के आरोपी, 60,120 रुपये बरामद किए

पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है। शुक्रवार को एसपी अमित कुमार आनंद ने प्रेस वार्ता कर खुलासा किया। एसपी ने बताया कि जनपद बुलंदशहर के गांव चरोरा निवासी मोनू पुत्र संतोष दिगंबर फाइनेंस कंपनी में कलेक्शन एजेंट है। मोनू सैदनगली क्षेत्र के गांवों से रुपये कलेक्ट करने के बाद लौट रहा था। बुधवार की शाम कोतवाली क्षेत्र के गांव फूलपुर बिजलपुर एवं गढी फूलपुर के जंगल में स्थित चौराहे पर पीछे से एक बाइक पर आए तीन बदमाशों ने उसे रोक लिया। उसकी कनपटी पर तमंचा लगा दिया। तभी बदमाशों ने उसके गले में पड़े बैग को लूट लिया और बाइक में लात मार कर बाइक को गिरा दिया। लूट की घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश अपनी बाइक लेकर फरार हो गए। पीड़ित कलेक्शन एजेंट की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था।

एसपी ने बताया कि घटना के करीब 36 घंटे में एसओजी सर्विलांस व पुलिस टीम ने शुक्रवार को दो बाइकों पर सवार चार आरोपी राजीव पुत्र प्रेमचंद, सिकंदर पुत्र देवी सहाय, जितेंद्र पुत्र सतीश, कैलाश उर्फ झुल्लु पुत्र हीरा निवासी गांव झंडी खादर थाना सैदनगली को गांव फूलपुर गढ़ी की पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूटे गए 48820 रुपये ,कागजात व दो तमंचे बरामद हुए। आरोपियों से पूछताछ के बाद तीन अन्य आरोपियों दिनेश, जगत, सौरभ गांव डगरौली थाना हसनपुर को गांव आगापुर तिराहे से गिरफ्तार कर लिया। उनसे लूट के 11300 रुपये बरामद हुए। कलेक्टशन एजेंट आरोपियों के गांव के आसपास से रुपये कलेक्ट करता था। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। एसपी ने खुलासा करने वाली टीम को 25 हजार रुपये का इनाम दिया है।

डिवाइडर से बाइक टकराने पर युवक की मौत, दूसरा घायल

अमरोहा, अमृत विचार: डिगुरुवार की देर रात दिल्ली निवासी विकास शर्मा अपने दोस्त निजामुद्दीन के साथ बाइक से मुरादाबाद जा रहा था। डिडौली थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर स्थित लैंड मार्क कॉलेज के सामने बाइक का संतुलन बिगड़ गया और बाइक लहराती हुई डिवाइडर से टकरा गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि विकास शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई निजामुद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की खबर मिलते ही मौके में पहुंचे थाना प्रभारी हरीश वर्धन सिंह ने तुरंत घायल को निजी अस्पताल में ले जाकर भर्ती कर दिया और मृतक के शक को कब्जे में लेकर उनकी पहचान करने के बाद परिजनों को सूचना दी। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में मृतक के पिता की तारीफ पर अज्ञात वाहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दुर्घटना में बीएएमएस का छात्र घायल

हसनपुर, अमृत विचार : परीक्षा देकर लौट रहे बाइक सवार बीएएमएस के छात्र की अज्ञात वाहन से भिड़ंत हो गई, जिसमें छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। छात्र को हायर सेंटर रेफर कर दिया है। बरेली के गांव पैगानगली निवासी रवि भूषण पुत्र बृजभूषण थाना गजरौला के गांव कुदेना में भारतीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में बीएएमएस कर रहा है। उसका लास्ट ईयर है। वह गजरौला में ही किराए पर रहता है। शुक्रवार को परीक्षा देकर बाइक से गजरौला लौट रहा था। पेट्रोल पंप के निकट सामने से आ रहे किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे रवि भूषण गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया।

डीएम ने बेटियों के साथ की स्वदेशी सामान की खरीदारी

बेटियों के साथ खरीदारी करतीं डीएम निधि गुप्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

अमृत विचार: डीएम निधि गुप्ता ने अपनी बेटियों के साथ प्रदर्शनी में लगे स्टालों से स्वदेशी सामान खरीदारी की और लोगों से भी अपील की है।

शहर के हिंदू इंटर कॉलेज के बाहरी ग्राउंड पर प्रदर्शनी लगी है। डीएम निधि गुप्ता अपनी बेटियों के साथ गुरुवार की रात प्रदर्शनी में पहुंची। इन स्टालों पर जब जिलाधिकारी निधि गुप्ता अपनी बेटियों के साथ पहुंचीं, तो वहां मौजूद लोगों के चेहरे खिल उठे। डीएम ने हस्तशिल्प, गृह उपयोगी वस्तुएं और दीपावली के लिए सजावटी सामान खरीदा। उन्होंने लोगों से भी 'वोकल फॉर लोकल' की अपील की।

न्यूज ब्रीफ

20 अक्टूबर को मनाई जाएगी दिवाली

रामपुर, अमृत विचार : जिला ब्राह्मण सभा के जिलाध्यक्ष पंडित संजय शर्मा ने बताया कि दीपावली 20 अक्टूबर दिन सोमवार को मनाने का निर्णय लिया है। दीपावली का पर्व 20 अक्टूबर को वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, मथुरा, चित्रकूट में मनाया जा रहा है। पवित्र कार्तिक मास में दीपोत्सव के रूप में पांच दिवसीय प्रसिद्ध पर्व के रूप में मनाया जाता है, जिसमें 5 दिन पूजा विधि-विधान से की जाती है। जिसमें 18 अक्टूबर को धन त्रयोदशी, 20 अक्टूबर को दीपावली, 22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजन और 23 अक्टूबर गुरुवार भैया दूज मनाई जाएगी।

29 को होंगे महिला हैंडबॉल के ट्रायल्स

रामपुर, अमृत विचार : शहीदे आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम में 29 अक्टूबर को अपराह्न 3 बजे से सीनियर महिला हैंडबॉल का ट्रायल्स होगा। इसके बाद 30 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11 बजे से नेता जी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम मुरादाबाद में मंडल स्तरीय ट्रायल्स होंगे। 31 अक्टूबर को प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता होगी। प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि ट्रायल्स में सभी खिलाड़ियों को आधार कार्ड की छाया प्रति लाना होगी।

फुटबाल में देवांश चयनित

रामपुर, अमृत विचार : शहीदे आजम स्पोर्ट्स स्टेडियम पर शुक्रवार को सीनियर पुरुष फुटबॉल ट्रायल में मंडलीय टीम के लिए चयन हो गया है। जिला क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार ने बताया जनपद स्तर पर ट्रायल्स में दयावती मोदी एकेडमी के छात्र देवांश सिंह का चयन हुआ है। देवांश मंडलीय स्तरीय चयन ट्रायल में सोनकपुर स्टेडियम मुरादाबाद में खेलेंगे।

चयन वेतनमान मामले में बीईओ से मिले शिक्षक

रामपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष रहमत अली ने बीईओ सैदनगर से मुलाकात की। उन्होंने बताया सभी ब्लाकों से उन शिक्षकों के चयन वेतनमान की फाइलें, जिन टीचर्स ने एक पद पर 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर लिए हैं, लेखा कार्यालय में जमा की गई थीं। ब्लाक सैदनगर के भी 12 टीचर्स की चयन वेतनमान आवेदन की फाइलों पर आपत्ति लगाई है। बीईओ बताया कि फाइलें प्राप्त नहीं हुई हैं। चयन वेतनमान की फाइलें बीआरसी केंद्र को प्राप्त होंगी वैसे ही निस्तारण कर लेखा कार्यालय को भेज दी जाएंगी।

महान शिक्षाविद् थे सर सैयद : शाहिद

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : ग्रीनवुड स्कूल में शुक्रवार को सर सैयद अहमद खान का जन्मदिवस मनाया गया। स्कूल के डायरेक्टर शाहिद खान ने सर सैयद अहमद खान के जीवनकाल पर प्रकाश डालते हुए कहा सर सैयद अहमद खान महान शिक्षाविद् थे।

उन्होंने बताया कि सर सैयद की सोच थी कि समाज में धार्मिक कट्टरता अंधविश्वास और कुरीतियों को हटाए बिना देश का विकास संभव नहीं है, उन्होंने पर्दा प्रथा, बहु विवाह और सामाजिक असमानताओं की आलोचना की तथा शिक्षा को समानता का उपकरण माना। अलीगढ़ आंदोलन को जन्म दिया। 1875 में मोहम्मडन एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज की स्थापना के परिणाम स्वरूप प्रसिद्ध अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय बना। ज्वाइंट डायरेक्टर समीना खान ने बताया कि सर सैयद अहमद खान को उनके योगदान के लिए ब्रिटिश सरकार ने

कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्राएं। ● अमृत विचार

● छात्रों ने कॉलेज में प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

1888 में सर की उपाधि से सम्मानित किया। समीना खान जिन्होंने खुद भी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में अध्ययन किया है, उन्होंने अपने बहुत सारे स्मंरण सुनाए। प्रधानाचार्य नीरज तिवारी ने कहा कि सर सैयद अहमद खान के प्रयासों से ही अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय विश्व में एक अलग स्थान रखता है। इसके बाद स्कूल में रंगारंग कार्यक्रम हुए स्कूल के शिक्षक जो पूर्व में अलीगढ़ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं। कार्यक्रम भाषण, कविताएं, उर्दू रचनाएं प्रस्तुत कीं। स्कूल के शिक्षक शादाब खान ने अपनी शेरो शायरी से वातावरण में समा बांध दिया। अंत में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का प्रसिद्ध गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य शकील अहमद, हेडमिस्ट्रेस परवीन खान, सुष्मिता आदित्य, फिरोज हैदर, एहतेराम अली, मनदीप सिंह, मुदित शर्मा, उबैद खान, विनय केवट, अमीन अली, शादाब खान रहे।

हाईवे किनारे स्थित रेडियंस पार्क में आईआईए की बैठक

जीएसटी कटौती से बिजनेस ग्रोथ बढ़ी: श्रीष

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : हाईवे किनारे स्थित रेडियस पार्क में आईआईए की बैठक हुई। आईआईए के चेयरमैन श्रीष गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार ने जो राहत जीएसटी में प्रदान की है। उससे उद्योगों के कारोबार में वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार एवं जिले के प्रमुख अधिकारी प्रदेश एवं औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रदेश के औद्योगीकरण के लिए सरकार नई-नई घोषणाएं कर रही हैं। जिनका उद्योग जगत स्वागत कर रहा है। संरक्षक एसके गुप्ता ने कहा कि वर्तमान सरकार का पूरा फोकस इंडस्ट्री पर है।

बैठक में मौजूद अध्यक्ष एवं पदाधिकारी। ● अमृत विचार

समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। जिले के अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारियों पर दबाव बनाए हुए हैं। बिजली की समस्या का भी समाधान जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह के कड़े निर्देश के बाद ही हो गया है, अब स्थिति संतोषजनक है। पूर्व सचिव अमित जैन ने पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्रा द्वारा उद्यमियों को दी जा रही सुरक्षा की सराहना की। उद्यमी निश्चिंत होकर उद्योग चला पा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी है। सचिव मनोज गर्ग ने प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एमएसएमई कार्यालय खोलने के निर्णय का स्वागत किया।

इससे औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। संरक्षक रमेश अग्रवाल ने नए सदस्यों समर्थ बंसल, तौसीफ खान और नौमानुद्दीन को पिन लगा कर सदस्यता प्रदान की। बैठक में आदर्श अग्रवाल, विनय बंसल, अजय अग्रवाल, अमृत कपूर, मनोज गुप्ता, राम रक्ष पाल यादव, मुकुल अग्रवाल, बीबी शर्मा, दिलीप रस्तोगी, राजू गुप्ता, अमित सहगल, जावेद रहीम, विनीत रस्तोगी ,सुनील भगत, आशीष सिंघल, भारत गुप्ता, आशीष चौधरी, अनुज गुप्ता, आदि ने भाग लिया।

धनतेरस के लिए बाजार तैयार

आभूषण, बर्तन, वाहनों और इलेक्ट्रानिक के कारोबार में बूम

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : दिवाली की तैयारियों के बीच धनतेरस आज मनाया जाएगा। धनतेरस पर बाजारों में जमकर धनवर्षा होगी। बर्तन और ज्वैलरी से लेकर कारों के शोरूम से लेकर टीवी, फ्रिज तक के शोरूम सज गए हैं। दो पहिया वाहनों के शोरूम में सबसे अधिक ग्राहकों की भीड़ रही।

जिले भर के बाजारों में दुकानदारों ने धनतेरस के लिए तैयारी कर ली है। इलेक्ट्रिक और बर्तनों की नई वैरायटी के साथ दुकानें सज गई हैं, क्योकि बड़ी संख्या में लोग दिवाली पर्व के लिए गहने, कपड़े और बर्तन खरीदने के लिए पहुंचते हैं। इलेक्ट्रानिक्स, ज्वैलरी, मिठाई समेत अन्य दुकानदार भी ग्राहकों के लिए दुकानें सजा रहे हैं। बर्तन की दुकानों को भी सजाया जा रहा है।

धनतेरस पर बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। बर्तन की दुकानों पर लोग तांबे और स्टील के कलश के अलावा पीतल की थाली को पसंद कर रहते हैं। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस बल भी तैनात रहेगा ताकि किसी प्रकार की समस्या नहीं आ सके। इसके अलावा पूरा शहर रंग बिरंगी लाइटों से नहा गया है। मिस्टनगंज बाजार दुल्हन की तरह सज गया है। शाम को लोग बाजारों में सेल्फी लेते नजर आए।

शोरूम में खड़ी बाइकें। ● अमृत विचार

सिक्कों की होगी खरीदारी

दिवाली पर सोन चांदी के सिक्कों की भी खूब खरीदारी होगी। इन सिक्कों को ग्राहक धनतेरस वाले दिन खरीदते हैं। लक्ष्मी-गणेश के बने सिक्कों की खूब मांग होती है। ज्वैलरी भी महिलाएं खरीदती हैं। वहीं बाजारों में स्टील का सामान, तांबे के कलश और पीतल की दीपक थाली सबसे ज्यादा मांग है।

"धनतेरस के मौके पर जिले में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। बाजारों में पुलिस के गश्त करने के साथ ही मुख्य चौराहे पर पुलिस तैनात रहेगी। बड़े वाहनों को शहर के अंदर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में गश्त करते रहेंगे।

– विद्या सागर मिश्र एसपी

बाइक और कारों की होगी डिलीवरी

धनतेरस के मौके पर लोग बाइक और कारों की डिलीवरी लेंगे। लोग 10 दिन पहले ही शोरूम में पहुंचकर अपनी मन पसंद कारें और बाइकों का रजिस्ट्रेशन करवा दिया था। वहीं किसान दिवाली और धनतेरस पर ट्रैक्टर में छूट मिलने के कारण उसको भी खरीद रहे हैं। वहीं युवतियां स्कूटी सबसे अधिक पसंद कर रही हैं।

न्यूज डायरी

दिव्यांग बच्चों ने पेश किए कार्यक्रम

रामपुर, अमृत विचार : दीपावली पर दीपोत्सव कार्यक्रम में डाम कॉलोनी स्थित दिव्यांग बच्चों के स्पेशल स्कूल अथर्व डे केयर एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में दिव्यांग बच्चों के साथ दीपोत्सव मनाया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अंजना बंसल अनु अग्रवाल, आयुषी अग्रवाल, आकाश शर्मा ने दीप प्रज्वलित किया। सेंटर संचालिका प्रियंका चौबे ने आभार व्यक्त किया। दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बच्चों को उपहार बांटे गए। कार्यक्रम में मोनिका अग्रवाल, अंकित अग्रवाल की तरफ से बच्चों को दीपावली के कैंडल भेंट किये। इस मौके पर अनुप्रीत कौर, सत्प्रित कौर, अभिजोत, सुखराज सिंह सुशील पांडे उपस्थित रहे हो।

स्कूल के ताले तोड़कर चोरी

रामपुर, अमृत विचार : मिलक के सिमरिया गांव में प्राथमिक विद्यालय है। जिसमें प्रधानाध्यापक बृजराज है। उनका कहना है कि रोजाना की तरह वह स्कूल गए तो देखा, कि स्कूल के ताले टूटे पड़े थे। सामान गायब था। इस मामले में पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

टाइगर क्लब सेमीफाइनल में

टांडा, अमृत विचार : मंसब अली स्पोर्ट स्टेडियम में एसआर रॉयल कमेटी द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर आल इंडिया फुटबाल टूर्नामेंट के तीसरे क्वार्टर फाइनल मैच में टाइगर क्लब टांडा और रामनगर के बीच खेला गया। जिसमें रामनगर (उत्तराखंड) की टीम को 3-0 के गोल अंतर से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टाइगर क्लब के खिलाड़ी हैरी को श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मुख्य अतिथि हाजी फुरकान द्वारा दिया। मैच रेफरी जुबैर आलम, लाइनमैन राहत अली व मुहम्मद उसामा और स्कोरर की भूमिका मोईन खान ने निभाई, कमेंट्री में सईद सागर और जहीर जिया रहे। कारी रिजवान,अमीर अहमद, उबैस प्रिंस, शहाबुद्दीन, मुहम्मद दाऊद, जैद कुरेशी, मुहम्मद बिलाल, सगीर गुड्डू, महफूज मुन्ना, जुबैर आलम आदि रहे।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए एसपी की अभिनव पहल

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र एवं एएसपी अनुराग सिंह ने पुलिसलाइन में मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत स्वावलम्बन को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रम किया। कार्यक्रम के दौरान महिला प्रशिक्षु मुस्कान यादव द्वारा दिए सुझावों के क्रम में मिशन शक्ति से सम्बन्धित विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों, महिला कल्याणकारी योजनाओं, जनकल्याणकारी योजनाओं, महिला अपराध सम्बन्धी कानून एवं वीडियो सामग्री को देखने हेतु क्यूआर कोड विकसित कराए गए। महिला प्रशिक्षुओं को मिशन शक्ति से सम्बन्धित पम्पलेट भी वितरित किए। साथ ही पोस्टर, फ्लेक्सी लगाए जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए गए। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी लाइंस, प्रशिक्षणाधीन पुलिस उपाधीक्षक व अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण प्रगति का आधार

संवाददाता, टांडा

अमृत विचार : सावित्री देवी कॉलेज में मिशन शक्ति फेज 5 अभियान के तहत स्वामी विवेकानंद योजना के तहत टैबलेट, स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा महिला सशक्तिकरण समाज की प्रगति का आधार है।

कार्यक्रम का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने सीओ कीर्ति निधि आनंद के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पुलिस अधीक्षक ने छात्र-छात्राओं और शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण समाज की प्रगति का आधार है। आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने युवाओं को संघर्षों से न घबराने और सफलता के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। एसपी ने कहा कि डिजिटल युग में तकनीक का जिम्मेदारी से उपयोग करना आवश्यक है। महाविद्यालय में 158 छात्र-छात्राओं को टैबलेट वितरित किये। पूर्व महाविद्यालय के संस्थापक राजीव कुमार वर्मा ने मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार ने किया। इस दौरान महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राजीव शर्मा, कोतवाली निरीक्षक संदीप मिश्रा, मिशन शक्ति प्रभारी सब इंस्पेक्टर आराधना रहीं।

शबद-कीर्तन से संगत निहाल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : गुरु नानक देव के आगमन दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा से प्रभातफेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में शबद कीर्तन से संगत निहाल हुई।

प्रभातफेरी गुरुद्वारा साहिब से आरंभ होकर वापस गुरुद्वारा साहिब पहुंची। रास्ते में कीर्तनीय जत्थे द्वारा गुरबाणी शबद कीर्तन करते हुए चल रहे थे। प्रभातफेरी में महिलाएं, बच्चे व पुरुष गुरवाणी का सिमरन करते हुए चल रहे थे। प्रभात फेरी में जत्थेदार महेंद्र सिंह होरा, पपिंदर सिंह, गुरचरण सिंह आहूजा, गुरजीत सिंह माटा, प्रितपाल सिंह, सुरजीत सिंह, विक्की मल्होत्रा, सुरेंद्र सिंह, मोहन अरोड़ा, डॉ. प्रेम सिंह, हरपाल सिंह, डॉ. सुनील अरोड़ा, जसमीत सिंह, अमरजीत सिंह, हरीश अरोड़ा, संतोख सिंह खालसा, राज सिंह, सिंह आदि रहे।

सींगनखेड़ा में हुई महिला जागरूकता चौपाल

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : मिशन शक्ति 5 के तहत महिला कल्याण विभाग द्वारा थीम जागरूकता चौपाल कार्यक्रम ग्राम पंचायत सींगन खेड़ा में हुआ। कार्यक्रम में घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा के बारे में विस्तार से बताया।

ग्राम प्रधान रुपाली ने बताया कि घरेलू हिंसा में हिंसा है जो परिवार के किसी सदस्य द्वारा अपने परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति की जाती है। वह शारीरिक, मानसिक, यौनिक व आर्थिक भी हो सकती है। घरेलू हिंसा के कारण महिलाओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जैसे कि छोटे मानसिक तनाव और यहां तक की मृत्यु भी हो सकती है। घरेलू हिंसा और दहेज प्रथा जो कि हमारे समाज में एक बड़े खतरे के रूप में उभरी है। यहां तक की कई बार महिलाओं की हत्या कर दी जाती है। इससे सामाजिक संतुलन बिगड़ता है।

कार्यक्रम में ग्राम प्रधान रुपाली एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री आशा बहन व गांव की अन्य महिलाएं और वन स्टाप सेंटर की टीम से चांद बी केंद्र प्रबंधक, मनोसामाजिक परामर्शदाता चारु चौधरी, केस वर्कर नाहिद अंजुम द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

छात्रों को बताए हेल्पलाइन नंबर

सैफनी, अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान 5 के तहत महिला सुरक्षा दल द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत एसपी एस इंटर कॉलेज, रूपपुर एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय खरसौल में छात्र-छात्राओं को पंपलेट वितरित कर जागरूक किया।

महिला सुरक्षा दल थाना सैफनी द्वारा छात्र-छात्राओं, शिक्षकों में सुरक्षा, आत्मरक्षा और साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता के क्रम में महिला संबंधी अपराध, विभिन्न हेल्पलाइन 1930 साइबर क्राइम, 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड लाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा एवं साइबर क्राइम से बचने के उपाय की जानकारी देकर जागरूक किया।

न्यूज ब्रीफ

पॉक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

सैफनी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने छितौनी गांव निवासी आरोपी युवक इंतजार पुत्र इदरीश के खिलाफ गुरुवार को थाने पहुंचकर एससी एसटी एवं पॉक्सो एक्ट तहत रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसको कोर्ट में पेश किया। वहां से वह जेल चला गया।

दो लोगों पर हमला

पटवाई, अमृत विचार : पटवाई थाना क्षेत्र के गांव निस्वा निवासी रोहित ने पटवाई थाने में तहरीर दी है। आरोप लगाया कि सुबह 9 बजे गांव के पुरषोत्तम, अनिल और शीषपाल पुत्र भगवानदास उनके घर के दरवाजे पर आए और पीटना शुरू कर दिया। रोहित ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी बबली गांव की वर्तमान ग्राम प्रधान हैं। तहरीर पर थाना पटवाई पुलिस ने आरोपियों पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है और कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस मामले को जांच कर रही है।

किशोरी का अपहरण करने वाला गिरफ्तार

बिलासपुर, अमृत विचार : नाबालिग को ले जाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है। केमरी थानाध्यक्ष हिमांशु चौहान ने शुक्रवार को बताया कि थाने के उप निरीक्षक रोहित कुमार की टीम ने प्रेमपाल पुत्र मेवाराम निवासी भंवरकी को मुझियाना तिराहे से गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए अभियुक्त सहित दो पर 10 अक्टूबर को वादी ने पुत्री को ले जाने का आरोप लगा रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रंगोली में ज्योति प्रथम और प्रिया द्वितीय

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को मिशन शक्ति फेज 5 के तहत महिला सशक्तिकरण विषय पर रंगोली प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में ज्योति सैनी प्रथम, प्रिया भारती द्वितीय और प्रियंका तृतीय जबकि, सांत्वना पुरस्कार बुशरा साजिद ओर आसमां को मिला। कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुनीता ने कहा कि इस रचनात्मक प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं को मंच प्रदान करना है। निर्णायकों में डॉ. सोनू पुरी एवं डॉ योगेश चंद्र रहे। कार्यक्रम में मिशन शक्ति की संयोजिका प्रो. सबीहा परवीन, सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. अंकिता, डॉ. वंदना राठौर, डॉ. मनोरमा चौहान, डॉ. टिकेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

ट्रेन के आगे लेटकर छात्र ने दी जान

ट्रेन के चालक ने दी सूचना, मौके पर पहुंची जीआरपी, शव को पोस्टमार्टम को भेजा

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

जिला अस्पताल में बैठे मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : गुरुवार रात ट्रेन के आगे लेटकर कक्षा 11 के छात्र ने आत्महत्या कर ली। हादसा देखकर ट्रेन के ड्राइवर ने ब्रेक मारकर ट्रेन को रोका। उसके बाद ट्रेन ड्राइवर ने जीआरपी को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। उसके बाद जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम को भेजा। मामले में परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं।

मृतक राकेश।

सिविल लाइंस के रायपुर निवासी नरोत्तम का 17 साल का बेटा राकेश गौरीनंदन स्कूल में कक्षा 11 का छात्र था। वह रोजाना की तरह कौशल विकास केंद्र में कंप्यूटर सीखने आया था। उसके बाद वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसको तलाशना शुरू कर दिया। जीआरपी के अनुसार रात करीब 10 बजे छात्र अचानक से स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर आकर राकेश बैठ गया। सामने से आ रही देहरादून काठगोदाम के आने से पहले ही रेलवे ट्रैक पर लेट गया। ट्रेन से कटकर उसकी गर्दन अलग और धड़ अलग हो गया। उसके बाद चालक ने ट्रेन को रोका। फिर जानकारी कंट्रोल रूम पर दी। जहां जीआरपी मौके पर पहुंची। छात्र के धड़ और गर्दन को एकत्रित करके उसको पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उसके पास से मिले मोबाइल को पुलिस ने चार्ज करके खोला और परिजनों को जानकारी दी। परिजन भी रात में मौके पहुंचे। उनका रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। जीआरपी इंचार्ज ईश्वर सिंह ने बताया कि छात्र ने ट्रेन के आगे लेटकर आत्महत्या कर ली। परिजनों से जानकारी हासिल की जा रही है।

मोबाइल खोलेगा मौत का राज : 11वीं के छात्र की मौत के बाद कई सवालों की पुलिस पर छानबीन कर रही है। वह दोपहर में दो बजे के कोचिंग से आने के बाद घर नहीं पहुंचा। इसके बाद रात में ट्रेन के आगे आकर उसने आत्महत्या कर ली। उसका घरवालों से किसी बात को लेकर विवाद चला आ रहा था या फिर उसका कोचिंग में किसी से किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। अब यह सारे राज मोबाइल से खुलेंगे, क्योंकि मोबाइल में नंबरों को ट्रेस किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। परिजन भी पूरे दिन उसको तलाशते रहे। रात को मरने की सूचना आने के बाद सभी दहशत में आ गए।

15 मिनट तक रुकी रही ट्रेन

हादसे के बाद करीब 15 मिनट तक ट्रेन रुकी रही। जब पुलिस ने धड़ और गर्दन को रेलवे ट्रैक से उठाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसके बाद ट्रेन मुरादाबाद के लिए रवाना हो गई। ट्रेन रुकने के बाद उसमें सवार यात्री भी सकते में आ गए थे। नीचे उतरकर युवक को दो टुकड़ों में यात्री दहशत में आ गए। पुलिस ने सभी को ट्रैक से हटाकर ट्रेन में चढ़ाया। बताया जा रहा है कि ड्राइवर ने कई बार हॉर्न बजाया। लेकिन उसके बाद भी छात्र ट्रैक पर लेटा रहा था।

नवविवाहिता प्रेमी से शादी की जिद पर अड़ी

मसवासी, अमृत विचार : नवविवाहिता पति को छोड़कर कुछ दिन पहले प्रेमी के साथ फरार हो गई। पुलिस ने उसे नरपतनगर से बरामद कर मसवासी पुलिस चौकी ले आई है। लेकिन नवविवाहिता प्रेमी के साथ शादी की जिद पर अड़ी है।

स्वार के नगर पंचायत नरपतनगर निवासी ग्रामीण की बेटी की शादी दो माह पूर्व नगर पंचायत मसवासी के मोहल्ला चाउपुरा निवासी युवक के साथ हुई थी। विवाहिता का प्रेम प्रसंग दूसरी बिरादरी के नरपत नगर के युवक से था, विवाहिता के ससुरालीजनों को भी उसे पर संदेह नहीं हुआ। शुक्रवार को वह ससुराल से मायके जाने का बहाना बनाकर निकल गई। मायके न पहुंचकर प्रेमी के साथ भाग गई। इस मामले की सूचना व्यवस्था के पति ने पुलिस को दी पुलिस ने शुक्रवार को उसे नरपत नगर में बरामद कर लिया और पुलिस चौकी ले आए। पूछताछ में उसने प्रेमी के साथ जाने की जिद की। शाम तक पुलिस चौकी में दोनों पक्षों में वार्ता चलती रही, पुलिस ने प्रेमी और नव विवाहिता के पति को बैठा रखा था, लेकिन नवविवाहिता किसी की भी सुनने को तैयार नहीं थी। चौकी इंचार्ज अजय शुक्ला ने बताया की महिला को बयानों के आधार पर भेजा जाएगा।

समस्याओं के समाधान के लिए किसानों ने की पंचायत

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : भाकियू अराजनैतिक की पंचायत कलेक्ट्रेट परिसर में हुई। उसके बाद नारेबाजी करते हुए किसान नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय पहुंचे। डीएम के नहीं मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह गंगवार ने किसानों की समस्याओं को उठाते हुए निस्तारण की मांग की। कहा कि किसान का काम खेती करना जो विपणन धान खरीद 25-26 सरकारी निर्धारित मूल्य है। वह मूल्य किसान के धान की खरीद करके उसके खाते में सीधी धनराशि पहुंचाई जाए। बिजली चोरी के नाम पर गलत एफआईआर करा रहे जेई और लाइनमैन मिलकर साठगांठ से अवैध वसूली कर रहे हैं। बिलासपुर में मिलक खानम के पास रजानगर वाली नहर वर्षों से बंद है। बिलासपुर माइनर से बेगमाबाद, चंद्रपुरा, जदीद, गुलामगंज, गदाईया, हरसू नगला, नहर में विगत 40 वर्षों से पानी ग्राम चंद्रपुरा से आगे नहीं। ज्ञापन देने वालों में अवतार सिंह, विजयपाल कश्यप, फरीद खान, बाबर खान, शाहिद खान, बाल किशोर पांडे, सुनील मौर्य, रामपाल पटेल, राजपाल सिंह, रामनाथ मौर्य, पप्पू मलिक, राधेश्याम राजपूत, वीरेंद्र गंगवार, मुताहिर खान, अब्दुल रज्जाक खान, हाजी शफीक, अनिल बघेल, राम प्रताप रहे।

पाक्सो एक्ट का आरोपी अमरोहा से गिरफ्तार

भोट, अमृत विचार : किशोरी के अपहरण के मामले में छह माह से फरार आरोपी को थाना पुलिस ने अमरोहा से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। छह माह पूर्व थाना क्षेत्र के गांव से किशोरी का अपहरण किया गया था। कुछ दिनों बाद पुलिस ने गाजियाबाद जिले के कुम्हेड़ा गांव निवासी आरोपी के घर से किशोरी को बरामद किया था। आरोपी पुलिस टीम को चकमा देकर फरार होने में कामयाब हो गए थे। किशोरी की बरामदगी के बाद विवेचना के दौरान किशोरी के अपहरण व पॉक्सो एक्ट के मामले में सात आरोपियों के नाम प्रकाश में आये थे। थानाध्यक्ष अर्जुन सिंह त्यागी ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस टीम ने फरार चल रहे आरोपी अमरोहा जनपद के भवाली गांव निवासी सुभाष त्यागी को उसके घर से गिरफ्तार कर चालान कर दिया है।

40 लाख रुपये से तीन सड़कों का निर्माण कराएगा पीडब्ल्यूडी

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : लोक निर्माण विभाग की ओर से नगर विधानसभा क्षेत्र में तीन और सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए शहर विधायक आकाश सक्सेना ने प्रस्ताव दिए थे, जिसके बाद शासन ने तीनों प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। सड़कों के निर्माण में करीब 40 लाख रुपये की लागत आएगी। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य कराया जाएगा।

नगर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों की सड़कें खराब हो चुकी हैं। कुछ सड़कों में गड्ढे हो गए हैं, जिस कारण लोगों को आवागमन में काफी असुविधा होती है। ऐसे में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने क्षेत्र की सभी जर्जर सड़कों के निर्माण कार्यों के प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग को दे दिए थे, जिसके बाद विभाग ने इन प्रस्तावों को कार्य योजना में सम्मिलित करते हुए मंजूरी के लिए शासन को भेज दिया था। शासन ने इन प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता निर्माण खंड गौरव कुमार ने बताया कि शंकरपुर पटवाई मार्ग, भंडपुरा से कानपुर तक और मंसूरपुर से मुरादाबाद हाइवे तक तीन सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सड़कें बनने से क्षेत्र की करीब 30 हजार आबादी को लाभ होगा।

> क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए वह निरंतर प्रयासरत हैं और सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इन सड़कों के बनने से लोगों को आवागमन में सहूलियत होगी। जल्द ही अन्य सड़कों को भी मंजूरी मिल जाएगी।
>
> **-आकाश सक्सेना,** नगर विधायक, रामपुर

युवक को मारने के प्रयास में छह पर रिपोर्ट

रामपुर, अमृत विचार : रंजिश के चलते कुछ लोगों ने गला घोंटकर युवक को मारने का प्रयास किया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पांच लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

केमरी थाना क्षेत्र के गांव जिवाई जदीद निवासी छत्रपाल सैनी का कहना है कि उसके पड़ोस में गांव के ही छत्रपाल का खेत बराबर में है। पीड़ित ने खेत में नींबू की फसल लगा रखी है लेकिन आरोपी छत्रपाल, प्रेमपाल, चंद्रपाल, धर्मपाल और कमला नींबू तोड़ लेते हैं। उसी के विरोध करने को लेकर रंजिश चली आ रही है। उसी के चलते कुछ दिनों पहले छत्रपाल सैनी अपने भाई के साथ बाजार करके घर को वापस आ रहा था। आरोपियों ने दोनों को रास्ते में रोककर गाली गलौज कर दी थी। विरोध करने पर छत्रपाल सैनी का गला दबाकर मारने का प्रयास किया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग आ गए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पांच लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों को मिले चेक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

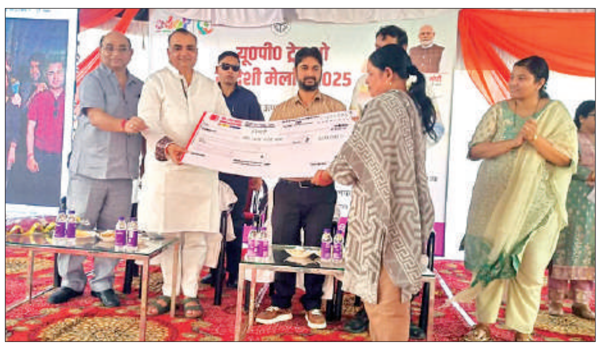

चेक बांटते विधायक आकाश सक्सेना। ● अमृत विचार

अमृत विचार : यूपी ट्रेड शो के तहत लगे स्वदेशी मेले के नवें दिन आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने रामपुर वासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मेले में लगाये गए स्वदेशी उत्पादों के स्टॉलस का अवलोकन किया।

शहर विधायक ने कहा कि स्वदेशी मेला 2025 न केवल स्थानीय उत्पादों और उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रहा है, बल्कि यह आयोजन प्रदेश में आत्मनिर्भरता, स्वदेशी भावना और उद्यमिता के प्रसार की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल सिद्ध हो रहा है। शहर विधायक ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के लाभार्थियों को चेक वितरित किया और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को टूल किट बांटे। विधायक ने मेले में लगाए स्वदेशी उत्पादों के सभी स्टॉल का भ्रमण किया। स्टॉल में लगे रामपुरी साजो सामान की सराहना की। कहा कि मेले में विभिन्न ओडीओपी उत्पादों, स्थानीय वस्तुओं और शासकीय योजनाओं के स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। सांस्कृतिक मंच पर प्रस्तुत लोकगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नगर एवं मिलक द्वारा बेहतरीन प्रस्तुति दी गई। साथ ही एसआईएमएस और डीएमए के विद्यार्थियों द्वारा नृत्य एवं गायन की मनमोहक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया। उत्साह, उमंग और निरंतर बढ़ती लोकप्रियता के साथ नवें दिन का स्वदेशी मेला संपन्न हुआ।

● **विधायक ने स्वदेशी मेले में स्टॉलों का किया अवलोकन**

टैंकर की टक्कर से ऑटो पलटा, एक की मौत

रामपुर/ शाहबाद, अमृत विचार : शाहबाद-रामपुर मार्ग पर शुक्रवार सुबह आटो सवारियां लेकर रामपुर की ओर आ रहा था। रामगंगा पुल से आगे निकलने के बाद सामने से आ रहे टैंकर ने आटो को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद यात्रियों से भरा ऑटो गड्ढे में जा गिरा। हादसे में जयतोली निवासी 61 वर्षीय धर्मदास की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, छह लोग घायल हो गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को बाहर निकाला और सीएचसी शाहबाद भेजा। डॉक्टरों ने जांच के बाद धर्मदास को मृत घोषित कर दिया। बड़ागांव निवासी आलम और भूरा, मढ़ैया तुलसी गांव के रमेश और केदार सिंह समेत कुल छह लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल आलम को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। दो लोग बिना इलाज कराए चले गए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है।

छात्र-छात्राओं ने सीखे जूडो-कराटे के गुर

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति 5 अभियान के तहत उर्दू विभाग, संस्कृत विभाग एवं एनसीसी इकाई के तत्वावधान में जूडो–कराटे प्रशिक्षण हुआ। जिसमें छात्र–छात्राओं एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने जूडो–कराटे के गुर सीखे। जूडो–कराटे प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. जागृति मदान ढींगरा ने किया। मार्शल आर्ट प्रशिक्षक राजीव कुमार ने महाविद्यालय के कैडेट्स एवं छात्र–छात्राओं को आत्म सुरक्षा के लिए जूडो एवं कराटे के बारे में जानकारी दी। एनसीसी प्रभारी डॉ. बिजेंद्र सिंह ने छात्र–छात्राओं को बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा महिला–बालिका सुरक्षा के लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है। नोडल अधिकारी डॉ. मीनाक्षी गुप्ता, डॉ. कुसुम लता, डॉ. रेनू, डॉ. जेबी नाज, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. नरेश कुमार रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

अधिसूचना सं0सी/434/एटीवीएम स्थापना/1/1/26
(यह आवेदन पत्र नौकरी के लिये नही है)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा मण्डल के अर्न्तगत 14 रेलवे स्टेशनों के 15 एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति हेतु कमीशन के आधार पर निम्नलिखित स्टेशनों पर एक–एक फैसिलिटेटर तथा टनकपुर रेलवे स्टेशन पर दो फैसिलिटेटर का चयन दिनांक 31.03.2026 तक किये जाने हेतु पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

क्र सं0	ए.टी.वी.एम फैसिलिटेर की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाने वाले स्टेशन का नाम	ए.टी.वी.एम फैसिलिटेरों की संख्या	ए.टी.वी.एम फैसिलिटेर कार्य की अवधि
1.	हल्द्वानी	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
2.	रूद्रपुर सिटी	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
3.	बाजपुर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
4.	रोशनपुर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
5.	रामनगर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
6.	बदायुँ	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
7.	भोजीपुरा	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
8.	गुरसहायगंज	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
9.	टनकपुर	02 फैसिलिटेटर	31.03.2026
10.	कासगंज	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
11.	सिकन्दरा राव	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
12	मथुरा छावनी	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
13.	बर्राजपुर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026
14.	इज्जतनगर	01 फैसिलिटेटर	31.03.2026

आवेदनपत्रमूल्यजीएसटीसहित(रुपयेमें)Rs1,180/-सेवानिवृत्तिरेलकर्मचारी/कर्मचारी काव्यस्कपुत्र/कर्मचारीकीपत्नीकोछोड़करकेवलसामान्यनागरिकोकेलिये आवेदन पत्र मूल्य देय है।

आवेदन प्रपत्र कार्यालय से प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	मंडल रेल प्रबन्धक/वाणिज्य/इज्जतनगर कार्यालय से कार्य दिवस में प्रकाशन तिथि से दिनांक **10.11.2025** तक समय 10.00 बजे तक 16.00 बजे तक।
आवेदन प्रपत्र आवेदन बाक्स में डालने की तिथि एवं समय	दिनांक **10.11.2025** से दिनांक **11.11.2025** तक समय 15.00 बजे तक।
आवेदन खुलने की तिथि एवं समय	दिनांक **11.11.2025** को 15.30 बजे।

आवेदन डालने एवं खोले जाने की तिथि को किसी कारणवश यदि कार्यालय बन्द रहता है तो आवेदन उसके अगले कार्य दिवस में डाली/खोली जायेगी। आवेदन पत्र, अधिसूचना की पात्रता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे की वेबसाइट **www.ner.indianrailways.gov.in** पर देखा जा सकता है, एवं डाउनलोड किया जा सकता है या मंडल रेल प्रबन्धक/वाणिज्य, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर कार्यालय से कार्य दिवस में प्राप्त किये जा सकते है। आवेदन पत्र के मूल्य रुपये **Rs.1,180/- (One Thousand one hundred Eighty Rupees)** के डिमाण्ड ड्राफ्ट जो राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी, पूर्वोत्तर रेलवे के पक्ष में जारी हो एवं बरेली में देय हो आवेदकों को आवेदन पत्र के साथ संलग्न करने होंगे। बिना आवेदन प्रपत्र शुल्क के आवेदन पत्र को वैद्य नही मानते हुए विचार नही किया जायेगा। विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्रों को न तो स्वीकार किया जायेगा न ही विचार किया जायेगा। किसी भी आवेदन या समस्त स्टेशन एटीवीएम फैसिलिटेटर की नियुक्ति की प्रक्रिया को किसी भी स्तर पर बिना कारण बताये रद्द एवं अस्वीकार करने का अधिकार रेल प्रशासन के पास सुरक्षित होगा। यह आवेदन रेलवे में नौकरी के लिये नही है।

मंडल वाणिज्य प्रबंधक
इज्जतनगर

मुजाधि/वाणिज्य–160

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

खोए मोबाइल वापस पाकर लोगों को मिली राहत

रामपुर, अमृत विचार : शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने पुलिस ऑफिस में प्रेसवार्ता करके लोगों के खोए हुए मोबाइल बरामद करके उनको वापस किए। जिसके बाद सभी के चेहरे खिल उठे। उन्होंने पुलिसकर्मियों का धन्यवाद किया।

पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र के पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी सर्विलांस सेल के नेतृत्व में लोगों के मोबाइल की गुमशुदगी के संबंध में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के आधार पर सर्विलांस पर लगाकर मोबाइल बरामद किए जाते हैं। उसके बाद लोगों को वापस किये जाते हैं। उसी के चलते शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में प्रेसवार्ता हुई। जिसमें पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सर्विलांस टीम के प्रयास से गुम हुए 50 मोबाइल फोन बरामद किए। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपये है। दीपावली के पर बरामद मोबाइल को स्वामियों को सौंपा। मोबाइल धारकों ने बताया कि उन्हें विश्वास नहीं था कि उन्हें खोया मोबाइल वापस मिल पाएगा। मोबाइल धारकों को सचेत किया कि मोबाइल की सुरक्षा जिम्मेदारी से करें।

सराहनीय कार्य को करने वाली टीम में प्रभारी सर्विलांस सेल टीकाराम चौहान, जितेंद्र कुमार, मयंक गोयल, सिपाही विनय कुमार सिंह, मुख्य आरक्षी अनिल कुमार सैनी, दीपक चाहल, दीपक कुमार, जय कुमार शामिल रहे।

● **शुक्रवार को एसपी ने प्रेसवार्ता करके दिए मोबाइल**

1885 टन खाद की रैक मिली

रामपुर, अमृत विचार : जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा ने बताया कि जिले में यूरिया उर्वरक कुल 17077 टन, डीएपी उर्वरक 1536 मीट्रिक टन व एनपीके 7331 मीट्रिक टन उपलब्ध है।

शुक्रवार को इफको एनपीके 12:32:16 उर्वरक कुल 1885 मीट्रिक टन की रैक प्राप्त हो गई है, जिसका वितरण सहकारिता एवं इफको के निजी बिक्री केंद्रों में 80-20 प्रतिशत के आधार पर किया जा रहा है। डीएपी एवं एनपीके उर्वरकों के मूल्य कंपनीवार भिन्न-भिन्न होने के दृष्टिगत कृषक उर्वरकों का क्रय बोरी, बैग पर अंकित मूल्य के अनुसार ही करें। यदि विक्रेता, सहकारी समिति द्वारा उर्वरकों की बिक्री निर्धारित दरों से अधिक पर की जाती है या उर्वरक के साथ कोई अन्य उत्पाद जबरन दिया जाता है तो किसान इसकी शिकायत कृषि विभाग के कंट्रोल रूम में करें।

कार से 163 किग्रा. नकली पनीर पकड़ा

सैफनी, अमृत विचार : सैफनी पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान एक कार से 163 किग्रा. नकली पनीर बरामद किया। दो लोगों को मौके से गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया। वहां से दोनों को कोर्ट ने जेल भेज दिया।

नीले ड्रमों में रखा नकली पनीर।

दिवाली के मौके पर एसपी के निर्देश पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उसी के चलते गुरुवार को सैफनी पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। रात करीब साढ़े 10 बजे ग्राम खरसौल से दो किमी. पहले कार आती हुई दिखाई दी। पुलिस को देखकर चालक कार को मोड़कर भागने लगा। उसके बाद घेराबंदी करके उसको रोक लिया। कार चालक ने नाम दानिश मियां पुत्र रियाजुद्दीन निवासी ग्राम खरसौल थाना सैफनी बताया। उसके पड़ोस में बैठे व्यक्ति ने आसिफ अली निवासी भगवानपुर बछरायूं बताया। उसके बाद पुलिस दोनों को थाने ले आई। कार की तलाशी लेने पर पनीर निकला। आरोपियों ने बताया कि गाड़ी से नकली पनीर खरसौल में स्थित फरजन निवासी घोसियों वाली गली थाना कटघर से लेकर बेचने के लिए मुरादाबाद ले जा रहे थे। नकली पनीर कार के पिछले हिस्से में चार नीले रंग के प्लास्टिक के रखा था। ड्रमों से कुल 162 किलोग्राम नकली पनीर बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया। वहां से दोनों पर कानूनी कार्रवाई हो गई। सैफनी प्रभारी अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि पनीर की कीमत 55 हजार रुपये होगी। मामले में खाद्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और नमूने लेकर मावे को नष्ट कराया।

खाद्य विभाग की टीम ने चार नमूने लिए

नकली पनीर पकड़े जाने के बाद अभिहीत अधिकारी सुनील शर्मा ने अभियान चलाया। जिसमें कलीनगर, स्वार स्थित राम निवास उर्फ कालू की नमकीन निर्माणशाला से नमकीन का 1 नमूना, ग्राम फत्तेवाला, दढ़ियाल स्थित नरेश सिंह के परिसर से मावा का 1 नमूना लिया। ग्राम सत्यवाला, दढ़ियाल स्थित राजेश की मिल्क डेयरी से कीम का 1 नमूना लिया। विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 4 विधिक नमूने संग्रहित करके जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। सचल दल में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र सिंह कुशवाहा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार, राहुल शुक्ला, रामचंद्र यादव, शहाबुद्दीन दोस्त, धर्मपाल सिंह, देवकांत, मनोज कुमार, अजरा बी मोहम्मद रहे।

न्यूज डायरी

14 लोगों से वसूला जुर्माना

रामपुर, अमृत विचार : तंबाकू युवा अभियान के तहत जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बीसी सक्सेना के नेतृत्व में जिला अस्पताल में शुक्रवार को धूम्रपान करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाया गया। जिसमें 14 व्यक्ति तंबाकू का उपयोग करते हुए पाए गए जिनका जिला सलाहकार डॉ. शहजाद हसन खान द्वारा जुर्माना वसूला गया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि धूम्रपान करने से टीबी और कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

आजम खां का स्वागत करने पर पीटने का आरोप

बिलासपुर, अमृत विचार : सपा कार्यकर्ता और यादव उत्थान समिति के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को पत्र भेजकर पुलिसकर्मियों पर कानूनी कार्रवाई कराने की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव पिपलिया गोपाल का मझरा गांव निवासी मुकेश यादव ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को प्रार्थना पत्र भेजा है। उन्होंने बताया कि बीते दिनों सपा के वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खां सीतापुर जेल से रिहा होकर वापस रामपुर लौट रहे थे। वह भी उनके इस्तकबाल के लिए धमोरा के निकट बरेली–रामपुर हाईवे पर खड़े थे। आरोप है कि जैसे ही उन्होंने आजम खां का स्वागत किया, तो उनके जाने के बाद शहजाद नगर थाने के पुलिस कर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। पुलिसकर्मी उन्हें थाने ले गए और मारपीट की। बाद में सपा के कार्यकर्ताओं ने उसे थाने से छुड़ाया।

पूर्व बार अध्यक्ष ने सुनी समस्याएं समाधान का किया वादा

रामपुर, अमृत विचार : बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान सदस्य पांचू राम मौर्य रामपुर पहुंचे। गुरुवार को बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष पांचू राम मौर्य रामपुर पहुंचे। उन्होंने कचहरी में ज्यादा से ज्यादा अधिवक्ताओं से मिलकर जनसंपर्क किया। इसके बाद जूनियर अधिवक्ताओं की समस्याओं को सुना। उनसे उनकी समस्याओं का तत्काल निस्तारण के लिए उन्हें आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द उनकी समस्या दूर कराई जाएंगी। इस मौके पर राजबहादुर गौतम, विनय कुमार शर्मा, शिव चरन सिंह, हरिओम मौर्य आदि मौजूद रहें।

दंपती के बीच हुआ समझौता

पटवाई, अमृत विचार : मिशन शक्ति अभियान के तहत नाराज परिवारों को मिलाने की पहल की जा रही है। पटवाई थाना क्षेत्र के ग्राम निस्बा निवासी आवेदिका गुड्डी पत्नी मोंटी पुत्री भूकनलाल ने प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें पति और ससुरालजनों पर दहेज की मांग करने, मारपीट करने और परेशान करने का आरोप लगाया था। प्रार्थना पत्र प्राप्त होते ही थाना पटवाई के प्रभारी निरीक्षक पुष्कर सिंह और मिशन शक्ति केन्द्र के कर्मचारीमहिला कांस्टेबल रूमा, शिवानी ने मामले को गंभीरता से लिया। दोनों पक्षों को मिशन शक्ति केंद्र थाना पटवाई पर बुलवाकर उनकी काउंसिलिंग कराई। काउंसिलिंग के बाद दोनों पक्षों के बीच उपजे मतभेद का समाधान हुआ। आपसी सहमति से समझौता हो गया।

सेवानिवृत्त और शहीद जवानों के परिवारों को किया सम्मानित

बिलासपुर, अमृत विचार : खजुरिया थाना प्रभारी ने दीपावली पर्व में सेवानिवृत्त जवानों के घर जाकर उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने थाना प्रभारियों को जवानों के घर जाकर उनके परिजनों को दीपावली की बधाई देने के निर्देश दिए थे। शुक्रवार सुबह खजुरिया थाना प्रभारी पंकज पंत क्षेत्र के शहीद और सेवानिवृत कर्मियों के घर पहुंच गए और उनके परिजनों से मुलाकात की। उनसे समस्याओं के बारे में जाना और हरसंभव मदद का आश्वसन दिया। वह सबसे पहले गांव बिशनपुरी स्थित सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक हरजीत सिंह चीमा के आवास पर पहुंचे। इसके बाद गांव खेड़ा निवासी सेवानिवृत्त आरक्षी पाला सिंह और पदपुरी निवासी उपनिरीक्षक कुंवरसेन गंगवार के आवास पर पहुंचे। दोनों को सम्मानित कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर कमलेश सिंह, उदय प्रताप सिंह रहे।

ट्रांसफार्मर फुंका, तीन दिन से सुभाषनगर के लोग परेशान

बिलासपुर, अमृत विचार : तीन दिन से सुभाषनगर कॉलोनी का ट्रांसफार्मर फुंका होने की वजह से लोग परेशान हैं। अंधेरे में गुजर बसर कर रहे लोगों की समस्या पर संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। कालोनीवासियों ने बताया कि आपूर्ति सुचारु होने के दौरान अचानक ट्रांसफार्मर में आग लग गई थी। आग लगने से ट्रांसफार्मर फुंक गया था। कालोनी की आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई थी। बिजली घर कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर ट्रांसफार्मर को मुख्य लाइन से अलग कर दिया था। आरोप लगाया कि ट्रांसफार्मर फुंके तीन दिन से अधिक समय बीत गया, लेकिन अभी तक उसकी बदली नहीं की जा सकी है। मगर संबंधित अधिकारी इस समस्या पर ढुलमुल रवैया अपनाए हुए हैं। इस पर अधिशासी अभियंता कर्मवीर सिंह ने बताया कि यह प्रकरण उनके संज्ञान में नहीं आया है। फिर भी मामले की जांच करवाई जाएगी। शिकायत सही पाए जाने पर ट्रांसफार्मर की जल्द से जल्द बदली की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

कालाबाजारी की आशंका पर रोका खाद का ट्रक, बाद में छोड़ा

बहजोई, अमृत विचार : पाठकपुर स्थित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ग्रामीण सहकारी समिति के गोदाम से उर्वरक को नजदीकी गांव चौपा शोभापुर के गोदाम में शिफ्ट किया जा रहा था। इस दौरान कालाबाजारी की आशंका में एक ट्रक को रास्ते में कुछ लोगों ने रोक लिया। जिला कृषि अधिकारी ने ट्रक थाने भिजवा दिया। एआर कोआपरेटिव राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि गोदाम के स्थानांतरण के कारण यह उर्वरक सहकारी समिति के सभापति और सचिव की उपस्थिति में स्थानांतरित किया जा रहा था तथा इसके सभी दस्तावेज पूर्ण थे। भाकियू असली जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह यादव ने कहा कि खाद से लदा ट्रक पकड़कर छोड़ दिया जाना गंभीर मामला है। जांच की जानी चाहिए।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, दो घायल

संभल/जुनावई, अमृत विचार : जनपद बदायूं के थाना जरीफनगर क्षेत्र के गांव करियावैन निवासी जीतपाल (22) पुत्र सेवक चचेरे भाई नेकसे पुत्र वीरेंद्र तथा मौसेरे भाई प्रेमवीर पुत्र वीरपाल निवासी घौंसली मोहकम के साथ बाइक सेर गुन्नौर से घौंसली मोहकम जा रहा था। घौंसली राजा गांव के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। जीतपाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नेकसे और प्रेमवीर गंभीर रूप से घायल हो गए।

चंदौसी में मिठाई की दुकानों पर छापेमारी

चंदौसी, अमृत विचार : एसडीएम आशुतोष तिवारी, सीओ मनोज कुमार सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, आपूर्ति विभाग और दमकल विभाग की संयुक्त टीम ने पुलिस बल के साथ एक दर्जन से अधिक मिठाई की दुकानों की जांच की। कई दुकानों पर मिठाइयां खुले में मिलीं। टीम ने मिठाइयों, देशी घी और मावे के सैंपल जांच के लिए एकत्र किए। अधिकारियों ने दुकानदारों को साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। एसडीएम आशुतोष तिवारी ने बताया कि त्योहारी सीजन को देखते हुए विभाग की टीमें लगातार निरीक्षण अभियान चला रही हैं, ताकि लोगों तक मिलावटी या खराब खाद्य सामग्री न पहुंच सके।

युवक ने मीट फैक्ट्री मालिक के खिलाफ की थी टैक्स चोरी की शिकायत, एडीजी के आदेश पर की गई थी जांच

इधर चल रही थी आयकर की छापेमारी, उधर मीट फैक्ट्री मालिक ने दर्ज करा दी रिपोर्ट

अमृत विचार खास

भीष्म सिंह देवल, संभल

अमृत विचार : एक तरफ इंडिया फ्रोजन फूड्स मीट फैक्ट्री के मालिक और उसके मालिक के घर पर आयकर विभाग ने छापेमारी शुरू की तो कुछ घंटे बाद ही जनपद संभल के हयातनगर थाने पर फैक्ट्री मालिक की तरफ से एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। बड़ी बात यह कि मुकदमे में फैक्ट्री मालिक ने टैक्स चोरी सहित तमाम आरोपों की शिकायत कर उसकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया गया।

इंडियन फ्रोजन फूड्स के मालिक इमरान कुरैशी, इरफान कुरैशी के घर और और संभल व बरेली सहित कई प्रतिष्ठानों पर सोमवार 13 अक्टूबर की सुबह आयकर विभाग की टीम ने छापेमारी शुरू की थी। यह कार्रवाई लगभग 84 घंटे के बाद गुरुवार शाम 6:30 बजे समाप्त हुई। इस मामले में अब नई बात यह सामने आई है कि 13 अक्टूबर की सुबह आयकर विभाग ने कार्रवाई शुरू की और इसी दिन शाम को हयातनगर थाने पर फैक्ट्री मालिक इरफान कुरैशी की तहरीर पर

- आयकर विभाग की जांच करीब 84 घंटे चली थी

इंडिया फ्रोजन फूड्स फैक्ट्री। • अमृत विचार

सरायतरीन के ही कोटला निवासी जाहिद नूर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। इरफान ने आरोप लगाया कि जाहिद ने उनके व्यवसाय और प्रतिष्ठा को बदनाम करने की नीयत से झूठे आरोप लगाए। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी जाहिद नूर ने कुछ माह पहले एडीजी बरेली को शिकायत भेजी थी, जिसमें इंडिया फ्रोजन फूड्स के मालिकों पर गलत तरीके से कारोबार करने और टैक्स चोरी के आरोप लगाए गए थे। एडीजी ने शिकायती पत्र की जांच कराने के निर्देश डीआईजी मुरादाबाद को दिये थे। डीआईजी के स्तर से मामले की जांच एएसपी बिजनौर को दी गई थी। इस जांच में क्या सामने आया सह अभी तक साफ नहीं हो पाया है।

एक साल से चल रही थी घेराबंदी

इंडिया फ्रोजन फूड्स फैक्ट्री, उसके मालिकों के घर व प्रतिष्ठानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई में क्या मिला यह तभी साफ हो पाएगा जबकि आयकर विभाग कार्रवाई की जानकारी दे, लेकिन एक बात साफ है कि जो हुआ वह इंडिया फ्रोजन फूड्स के खिलाफ मीट लाबी द्वारा पिछले एक साल से की जा रही घेराबंदी का ही नतीजा है। संभल में वैसे तो पांच फ्रोजन मीट प्लांट हैं लेकिन तीन फ्रोजन मीट प्लांट यहां पर भाजपा सरकार आने के बाद भी संचालित हो रहे थे। इसके बाद प्रदूषण के मानकों का पालन न करने व अन्य कारणों से दो फैक्ट्रियों को बंद करा दिया गया और केवल इंडिया फ्रोजन फूड्स ही संचालित रहा। बंद हुई दो मीट फैक्ट्रियों के मालिकों ने अपनी फैक्ट्रियां फिर से शुरु कराने के लिए सालों पहले जो कवायद शुरू की वह अब तक जारी है लेकिन वह फैक्ट्री चलवाने में कामयाब नहीं हो पाये। आरोप यह लगते रहे कि इंडिया फ्रोजन फूड्स के मालिक बाकी फैक्ट्रियों का संचालन नहीं होने दे रहे हैं। यह भी कहा गया कि कोई दूसरी फैक्ट्री न चलने देने के लिए इंडिया फ्रोजन फूड्स प्रबंध तंत्र संभल से लेकर लखनऊ तक खेल खेलता रहा है। हालांकि दूसरी तरफ इंडिया फ्रोजन फूड्स के मालिक आरोप लगाते रहे हैं कि उन्हें ब्लैकमेल करने और धमकाने का काम किया जा रहा है। अप्रैल के महीने में भी इंडिया फ्रोजन फूड्स के मालिक ने ब्लैकमेल करने का मुकदमा दर्ज कराया था। तब पुलिस ने एक ग्राम प्रधान सहित दो लोगों को जेल भेजा था जबकि कुरैशी बिरादरी के बड़े नेता को 24 घंटे पुलिस हिरासत में बिताने पड़े थे।

दरोगा की मैगजीन व टियर गैस सेल लूटने वाला दबोचा

संभल हिंसा: अब तक 103 आरोपित भेजे जा चुके जेल

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : संभल कोतवाली पुलिस ने 24 नवंबर की संभल हिंसा के दौरान दरोगा की पिस्टल की मैगजीन, पुलिस कर्मियों से टियर गैस सेल व कारतूस लूटने के आरोप में एक उपद्रवी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ दरोगा की ओर से नामजद एफआईआर दर्ज कराई गई थी। संभल हिंसा में अब तक कुल 103 आरोपित जेल भेजे जा चुके हैं।

सदर कोतवाली के इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान वसीम पुत्र नईम निवासी कोट गर्वी, कोतवाली संभल के रूप में हुई है। वह 24 नवंबर 2024 को हिंसा के दौरान हुए पथराव में शामिल था। दरोगा संजीव कुमार द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर में वसीम का नाम दर्ज था। पूछताछ में वसीम ने कबूल किया कि मस्जिद सर्वे की जानकारी मिलने पर वह अन्य लोगों के साथ जामा मस्जिद के पास पहुंचकर हिंसा में शामिल हुआ था। वसीम पर आरोप है कि हिंसा के दौरान उसने अन्य उपद्रवियों के साथ मिलकर दरोगा संजीव कुमार की पिस्टल की मैगजीन लूट ली थी। इसके अलावा सिपाही कपिल कुमार के बैग से 29 टियर स्मोक सेल, सिपाही पंकज कुमार के बैग से 25 ब्लैंक कारतूस और 25 रबर बुलेट, तथा सिपाही राजपाल के बैग से 15 राउंड 12 बोर कारतूस लूटे गए थे। 19 नवंबर की शाम को जामा मस्जिद में पहले चरण का सर्वे हुआ और दूसरा चरण 24 नवंबर को किया गया। सर्वे के दौरान ही हजारों की भीड़ एकत्र हो गई और स्थिति बेकाबू हो गई। भीड़ ने पुलिस पर पथराव और फायरिंग शुरू कर दी थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, जबकि उपद्रवियों ने कई वाहनों को आग के हवाले कर दिया था।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी वसीम। • अमृत विचार

- 24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई थी बड़े पैमाने पर हिंसा

प्रेरणा दीपावली मेले में डीएम ने की खरीदारी

बहजोई, अमृत विचार : कलेक्ट्रेट में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने प्रेरणा दीपावली मेला लगाया। डीएम राजेंद्र पैंसिया ने मेले से दीपक, मोमबत्ती, गोबर से तैयार की गई गणेश-लक्ष्मी जी की मूर्तियों की खरीदारी की। डीएम ने दीपावली के मिष्ठान भी खरीदी की। इसके बाद भीख से सीख संस्था से जुड़े बच्चों को दीपक मोमबत्ती गोबर से तैयार की गई भगवान गणेश व लक्ष्मी जी की मूर्तियां भी भेंट कीं। बच्चों ने भी डीएम एसपी को दीये भेंट किया। सीडीओ गोरखनाथ भट्ट, उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी डॉ. रैना आदि मौजूद रहे।

तीन भगोड़ों के घर नोटिस चस्पा, मुनादी

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: संभल पुलिस ने मारपीट के मामले में फरार चल रहे तीन अभियुक्तों के खिलाफ शुक्रवार को धारा 82 के तहत कुर्की की कार्रवाई की। कोतवाली पुलिस टीम ने आरोपियों के घर पहुंचकर ढोल बजवाकर सार्वजनिक घोषणा की।

आरोपी शहराज, मेहराज और फरमान पुत्र मुनाजिर निवासी देहली दरवाजाछह महीनों से फरार हैं। इन तीनों के खिलाफ 27 मई 2025 को सादान पुत्र रिजवान की शिकायत पर धारा 110 बीएनएसएस के अंतर्गत रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

आरोप था कि तीनों ने मारपीट कर गंभीर घायल कर दिया था। इंस्पेक्टर गजेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पांच महीने पहले मामला दर्ज हुआ था, लेकिन वह न तो पुलिस के समक्ष पेश हुए और न ही कोर्ट में सरेंडर किया। कोर्ट के आदेश पर धारा 82 की कार्रवाई की गई है। यदि 15 दिन के भीतर भी आरोपी पुलिस या कोर्ट में प्रस्तुत नहीं होते, तो उनके विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान उपनिरीक्षक उपेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपियों के घरों के बाहर ढोल बजवाकर कोर्ट के आदेश की जानकारी दी।

- मारपीट के मामले में तीनों आरोपी फरार हैं

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता भूगर्भ जल विभाग, खण्ड-मुरादाबाद

बी-161/4, जिगर विहार कालोनी, सिविल लाइन, मुरादाबाद

पत्रांक : 456/भू.ज.वि.खं.मुरा./आर.डब्लू.एच./2025-26/मुरादाबाद/ दिनांक : 17.10.2025

ई-टेण्डरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यों की अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या : 06/RWH/MBD/2025-26, 07/RWH/MBD/2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित कार्य ऑनलाइन https://etenderके माध्यम से निविदा भूगर्भ जल विभाग, उ.प्र. विभाग, उ.प्र. में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से दिनांक 01.11.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा संख्या 06/RWH/MBD/2025-26 की प्री-क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड दिनांक 01.11.2025 को अपरान्ह 1:00 बजे एवं निविदा संख्या 07/RWH/MBD/2025-26 की प्री-क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड दिनांक 01.11.2025 को अपरान्ह 2:00 बजे कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, भूगर्भ जल विभाग, खण्ड-मुरादाबाद, बी-161/4, जिगर विहार कालोनी, सिविल लाइन, मुरादाबाद में गठित कमेटी द्वारा ऑनलाइन खोली जाएगी एवं प्री-क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड में उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं की प्राइस बिड/फाइनेंशियल बिड खोले जाने की सूचना ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। निविदाओं की निविदा/बिड दिनांक 24.10.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से दिनांक 01.11.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की स्थिति में यह बिड अगले कार्य दिवस में उसी समय पर खोलनी जाएगी।

क्र.सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रू. में) (जी.एस.टी. सहित)	कार्य पूर्ण करने का समय	धरोहर धनराशि (रू.)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.) (जी.एस.टी. सहित)
1.	06/RWH/MBD/2025-26	Installation/Construction of Roof Top Rain Water Harvesting Structures at different Buildings of M Q Inter College Seohara District Bijnor	23.96	60 Days	48,000.00	2354.00
2.	07/RWH/MBD/2025-26	Installation/Construction of Roof Top Rain Water Harvesting Structures at different Buildings of Govt. Polytechnic Bijnor with 01 no. of peizometer	39.96	60 Days	76,000.00	2354.00

निविदा से सम्बंधित समस्त विवरण, विस्तृत नियम व शर्ते तथा बिड प्रपत्र उ.प्र. सरकार की वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर ऑनलाइन देखे जा सकते हैं।

अधिशासी अभियन्ता
भूगर्भ जल विभाग, खण्ड-मुरादाबाद

अवैध आतिशबाजी पर कार्रवाई भारी मात्रा में पटाखे किए जब्त

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार : दीपावली के मद्देनजर संभल में पुलिस और प्रशासन ने शुक्रवार को कोट पूर्वी मोहल्ले में आबादी के बीच अवैध रूप से संग्रहित आतिशबाजी के भंडारण पर छापा मारकर भारी मात्रा में पटाखे जब्त किए गए।

छापेमारी की कार्रवाई क्षेत्राधिकारी आलोक भाटी और सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार के नेतृत्व में की गई। टीम ने व्यापारी के मकान से ई-रिक्शा भरकर आतिशबाजी सामग्री बाहर निकाली। सुरक्षा कारणों से जब्त आतिशबाजी को आबादी क्षेत्र से बाहर सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करा दिया गया है। सीओ आलोक भाटी ने बताया कि दीपावली के दौरान अवैध आतिशबाजी से आगजनी और दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस आतिशबाजी बेचना या भंडारण करना अपराध है और इस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार ने कहा कि जन सुरक्षा सर्वोपरि है और ऐसे अवैध भंडारण पर अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन का कहना है कि शहर से लेकर गांव तक अवैध रूप से आतिशबाजी की बिक्री और भंडारण को लेकर कार्रवाई का अभियान लगातार जारी रहेगा।

- सिटी मजिस्ट्रेट व सीओ ने की कार्रवाई

राशन की कालाबाजारी में कोटेदार पर रिपोर्ट दर्ज

संभल/मनोटा, अमृत विचार: थाना असमोली के ग्राम पंचायत इकरोटिया के उचित दर विक्रेता पर पूर्ति निरीक्षक ने रिपोर्ट दर्ज कराई।

पूर्ति निरीक्षक ललित कुमार का कहना है कि इकरोटिया के ग्रामवासियों ने शिकायत की थी कि विक्रेता सलमान हैदर ने सितंबर 2025 में पात्र गृहस्थी और अंत्योदय कार्डधारकों को राशन वितरण नहीं किया और सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी कर दी। जांच में पाया गया कि सितंबर माह में विक्रेता द्वारा किसी भी कार्डधारक को वितरण नहीं किया गया था। 6 अक्टूबर को पूर्ति निरीक्षक ने दुकान का भौतिक सत्यापन किया। विक्रेता अनुपस्थित मिला जबकि उसका भतीजा हैदर अब्बास दुकान पर था। जांच में गेहूं 7.50 क्विंटल, चावल 2.50 क्विंटल, मक्का 12.50 क्विंटल और चीनी शून्य पाई गई। जबकि अभिलेखों के अनुसार स्टॉक गेहूं 54.60 क्विंटल, चावल 69.53 क्विंटल, मक्का 12.66 क्विंटल और चीनी 0.90 क्विंटल होना चाहिए था। जांच में स्पष्ट हुआ कि विक्रेता के पास 47.10 कुंतल गेहूं, 67.03 कुंतल चावल और 0.90 कुंतल चीनी कम पाई गई, जिससे कालाबाजारी की पुष्टि हुई। रिपोर्ट उपजिलाधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी संभल को भेजी गई। 13 अक्टूबर को डीएम ने पंजीकृत कराने की अनुमति प्रदान की गई थी। पुलिस ने जांच शुरु कर दी है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता भूगर्भ जल विभाग, खण्ड-मुरादाबाद

बी-161/4, जिगर विहार कालोनी, सिविल लाइन, मुरादाबाद

पत्रांक : 454/भू.ज.वि.खं.मुरा./यू.पी.अ.भू.यो.पीजो.(म.ग.)/2025-26/मुरादाबाद/ दिनांक : 17.10.2025

ई-टेण्डरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यों की अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या : 08/PZ(UPABHY)/MBD/2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन https://etender.up.nic.in के माध्यम से निविदा भूगर्भ जल विभाग, उ.प्र. में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से दिनांक 01.11.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्री-क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड दिनांक 01.11.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, भूगर्भ जल विभाग, खण्ड-मुरादाबाद बी-161/4, जिगर विहार कालोनी, सिविल लाइन, मुरादाबाद में गठित कमेटी द्वारा ऑनलाइन खोली जाएगी एवं प्री-क्वालिफिकेशन टेक्निकल बिड में उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं की प्राइस बिड/फाइनेंशियल बिड खोले जाने की सूचना ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। निविदाओं की निविदा/बिड दिनांक 24.10.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से दिनांक 01.11.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की स्थिति में यह बिड अगले कार्य दिवस में उसी समय पर खोली जाएगी।

क्र.सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रू. में) (जी.एस.टी. सहित)	कार्य पूर्ण करने का समय	धरोहर धनराशि (रू.)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू.) (जी.एस.टी. सहित)
1.	08/PZ(UPABHY)/MBD/2025-26	Installation/Construction of 08 Nos. Medium deep Piezometer under UP Atal Bhujal Yojna (2025-26), in DIV-Moradabad at various blocks of District Amroha (Block-Dhanaura, Gajraula, Joya), District Moradabad (Block-Bilari), District Bijnor (Block-Jalilpur) & District Sambhal (Block-Baniyakhera), Sambhal (Pawansa)	23.96	45 Days	48,000.00	2354.00

निविदा से सम्बंधित समस्त विवरण, विस्तृत नियम व शर्ते तथा बिड प्रपत्र उ.प्र. सरकार की वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर ऑनलाइन देखे जा सकते हैं।

अधिशासी अभियन्ता
भूगर्भ जल विभाग, खण्ड-मुरादाबाद

मंडलीय एथलेटिक्स में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

कार्यालय संवाददाता, संभल/चंदौसी

अमृत विचार: एसएम इंटर कॉलेज चंदौसी के बड़े मैदान में 69वीं मंडलीय माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता के दूसरे दिन का आरंभ एसएम डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. हेमंत सक्सेना ने किया।

उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं, बल्कि यह जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। नगर पालिका परिषद चंदौसी की अध्यक्ष लता वार्ष्णेय ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों की प्रतिभा निखारने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।

कार्यक्रम के संयोजक बालक वर्ग से दयाशंकर और बालिका वर्ग से अंजू गुप्ता रहीं। मंडलीय क्रीड़ा सचिव वंश बहादुर, जिला क्रीड़ा सचिव सचिन शर्मा, सह सचिव संजीव कुमार, प्रधानाचार्य राजेश गुप्ता, सीपी सिंह, वीर सिंह और मनोज कुमार ने विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग किया। निर्णायक मंडल में राजेंद्र सोलंकी, चंचल पांडेय, कुमारी ऋतु, रणविजय सिंह, शाहिद अंसारी, मनवीर यादव, नरेंद्र सिंह, फूल चंद्र, रंजीत गोस्वामी, कोमल उपाध्याय और शमशाद हुसैन शामिल रहे।

मंडलीय माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी।

3000 मीटर दौड़ हिमांशु और आशी ने जीती

दूसरे दिन 3000 मीटर दौड़ सीनियर बालक वर्ग में अमरोहा के हिमांशु विजेता रहे। अमरोहा के कमल दूसरे व मुरादाबाद के आलोक तीसरे स्थान पर रहे। इसी श्रेणी की बालिका वर्ग में मुरादाबाद की आशी प्रथम, बिजनौर की मीनाक्षी द्वितीय जबकि संभल की स्वाति तृतीय रहीं। जूनियर बालक वर्ग में रामपुर के चंदन प्रथम, बिजनौर के अभिषेक द्वितीय और इसी जनपद के फरियाद अली तृतीय रहे। जूनियर बालिका वर्ग में बिजनौर की अंजलि पहले स्थान पर रहीं। अमरोहा की शोभा दूसरे व संभल की मीना को तीसरा स्थान मिला। 6 किमी क्रॉस कंट्री सीनियर बालक वर्ग में अमरोहा के मुजस्सिम व कमल पहले और दूसरे जबकि बिजनौर के मोहम्मद शोएब तीसरे स्थान पर रहे। 4 किमी क्रॉस कंट्री सीनियर बालिका वर्ग की विजेता बिजनौर की सागरिका राजू रहीं जबकि इसी जनपद की मीनाक्षी देवी दूसरे स्थान पर रहीं। ऊंची कूद सीनियर बालक वर्ग में प्रियांशु बिजनौर प्रथम, अर्पित मुरादाबाद द्वितीय एवं प्रियांशु रामपुर तृतीय रहे। ऊंची कूद सीनियर बालिका वर्ग में जैनब बिजनौर विजेता रहीं। पूजा अमरोहा दूसरे व कनिका मुरादाबाद तीसरे स्थान पर रहीं। चक्का फेंक सीनियर बालक वर्ग में अक्षित सिंह अमरोहा प्रथम, सचिन रामपुर तृतीय जबकि दक्ष संभल तृतीय रहे। चक्का फेंक सीनियर बालिका वर्ग में मुमताज संभल प्रथम, हैप्पी मुरादाबाद द्वितीय एवं अवंतिका मुरादाबाद तृतीय रहीं। चक्का फेंक जूनियर बालक वर्ग में देव कुमार रामपुर प्रथम, सुशांत ढिल्लो अमरोहा द्वितीय जबकि मोहम्मद रियाजुल संभल तृतीय रहे। चक्का फेंक सब जूनियर बालक वर्ग में भविष्य चौधरी संभल पहले स्थान पर रहे जबकि देवांश संभल को दूसरा स्थान मिला। चक्का फेंक सब जूनियर बालिका वर्ग में संजली अमरोहा प्रथम, हंसिका चौधरी संभल द्वितीय व मुशरिफा रामपुर तृतीय रहीं। भाला फेंक जूनियर बालक वर्ग में आशीष यादव रामपुर प्रथम, आशु देव बिजनौर द्वितीय जबकि देव कुमार रामपुर तृतीय रहे।

औरतें बीसियों, सैकड़ों हो सकती हैं, मां सिर्फ एक होती है।

–राजेंद्र सिंह बेदी, उर्दू साहित्यकार

सोच समझकर झूठ

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह दावा कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा, तथ्यों से कोसों दूर निकला। भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि भारत अपनी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों के अनुसार तय करता है, किसी बाहरी दबाव से नहीं। इस दृढ़ प्रतिक्रिया ने ट्रंप को आईना दिखाया, उन्हें झूठा साबित किया और दर्शाया कि वैश्विक मंच पर भारत कूटनीतिक आत्मविश्वास से लबरेज है। ट्रंप के मानसिक संतुलन और रणनीतिक सोच, दोनों पर वर्षों से सवाल उठते रहे हैं। उनका व्यवहार कभी-कभी अस्थिर और अतिवादी प्रतीत होता है, पर इसे केवल 'अतार्किक' कहना पर्याप्त नहीं। वे दबाव और भ्रम की राजनीति खेलना खूब जानते हैं, विरोधियों को अस्थिर करने के लिए झूठ, अतिशयोक्ति और धमकी का प्रयोग उनका आजमाया हुआ तरीका है। अमेरिकी राष्ट्रपित डोनाल्ड ट्रंप ऐसे बयान तथ्यों की गैर-जानकारी के चलते या भूलवश नहीं देते, इसके पीछे गहरे राजनीतिक निहितार्थ होते हैं।

रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका में रूस-विरोधी भावनाएं भड़की हुई हैं और ट्रंप इस मुद्दे पर अपनी 'कठोर नेतृत्व' वाली छवि गढ़ना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की छवि विश्वव्यापी है, इसलिए वे उन्हें अपना मित्र बताते हैं। भारत को लेकर अतिशयोक्तिपूर्ण एवं झूठे दावे, जैसे- 'भारत ने मेरे दबाव में युद्धविराम किया' अथवा 'मेरी बात मानकर रूस से तेल नहीं खरीद रहा', दरअसल घरेलू अमेरिकी राजनीति और जनता को यह दिखाने के लिए रचित कथाएं हैं कि उनकी अगुवाई में अमेरिका का संसार भर में दबदबा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऐसे बयानों पर प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया न देना कूटनीतिक परिपक्वता का परिचायक है। ट्रंप के बयान का तुर्की ब तुर्की जवाब देकर भारत को अनावश्यक विवाद मं नहीं उलझना चाहिए। विदेश मंत्रालय या प्रवक्ता का वक्तव्य देना एक संस्थागत प्रक्रिया है, यह दर्शाता है कि भारत की विदेश नीति व्यक्तिगत नहीं, बल्कि संस्थागत और पेशेवर है। भारत ने किसी उकसावे में आए बिना संयम और तथ्यों के सहारे स्थिति स्पष्ट की, यह सर्वथा उचित है। ऊर्जा के संदर्भ में भारत का रुख सदैव यथार्थवादी रहा है। रूस से तेल खरीदना हमारे लिए आर्थिक और रणनीतिक दोनों दृष्टियों से आवश्यक है।

भारत अपनी ऊर्जा आपूर्ति को विविधीकृत रखकर न केवल सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि अपनी रणनीतिक स्वायत्तता भी बनाए हुए है। यदि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर दे, तो न केवल ऊर्जा लागत बढ़ेगी, बल्कि पश्चिमी निर्भरता भी खतरनाक रूप से बढ़ जाएगी, जो भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के विपरीत होगा। ट्रंप के लगातार झूठे और आत्ममुग्ध बयान उनकी वैश्विक साख को अनवरत क्षीण करते जा रहे हैं। दुनिया उन्हें सशक्त, गंभीर और विश्वसनीय नेता के बजाय सियासी तमाशेबाज के रूप में देख रही है। मानना होगा कि वैश्विक राजनीति में आज शक्ति प्रदर्शन केवल सैन्य बल या दबाव से नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और विवेकपूर्ण संवाद से भी होता है। ट्रंप जैसे नेताओं की उथली बयानबाजी के बीच भारत की यह संयत आवाज ही उसकी असली कूटनीतिक ताकत है।

प्रसंगवश

पेंशन के बगैर कैसे जिंदा रहेंगे बुजुर्ग!

आधुनिक समाज सरकारी कर्मचारियों को रिटायर होने पर जो पेंशन का लाभ मिलता है, उससे वृद्धों की सांसें बढ़ गई हैं। इस तथ्य से प्रमाणित होता है कि आर्थिक खुशहाली ही व्यक्ति की लंबी उम्र का निर्णय करती है। आर्धिक अभाव के कारण व्यक्ति लंबी उम्र का सपना नहीं देख सकता। आधुनिक पीढ़ी की संतान से आप यह उम्मीद नहीं लगा सकते कि बुढ़ापे में माता-पिता की देखभाल करेगी। बेरोजगारी का चक्कर ऐसा है कि पढ़े-लिखे और विभिन्न कार्यों में प्रशिक्षित युवक बेकार हैं। ये माता-पिता की पेंशन पर निर्भर हैं, जो बच्चे आर्थिक रूप से मजबूत भी हैं, वे भी माता-पिता की परवाह नहीं करते। रोटी, कपड़ा, मकान के अतिरिक्त भी वृद्धों की अपनी कई आवश्यकताएं होती हैं।

रामाश्रय यादव

सामाजिक चिंतक

एक बाप, चाहे उसका परिवार कितना बड़ा ही क्यों न हो, वह हर तरीके से अपने परिवार की परवरिश करता है। शिक्षा के साधन जुटाता है। बीमारियों का बोझ उठाता है, परंतु कितने दुर्भाग्य की बात है कि मां एक बेटे के पास रहती है और बाप दूसरे बेटे के पास रहता है। वह भी इस शर्त पर कि पेंशन के आधे पैसे एक बेटे को और आधे दूसरे बेटे की झोली में डाले जाते हैं। यह समस्या समाज के एक घर की ही नहीं, हर घर की है। बात यह है कि बुजुर्गों का बोझ कोई उठाना नहीं चाहता, हर कोई स्वतंत्र और बेरोक-टोक रहना चाहता है। पश्चिमी सभ्यता समाज पर हावी हो चुकी है। इसमें कोई संदेह नहीं कि इस फैलती मानसिकता के कारण बुजुर्गों की दुर्गति हो रही है। नशाखोरी की प्रवृत्ति ने हंसते-बसते परिवार उजाड़ दिए हैं। यदि बेटे मां-बाप की इजत नहीं करेंगे, तो बहुएं तो बेलगाम होंगी ही, इसमें हैरानी की क्या बात है। जब अपना ही खून सफेद हो जाए तो पराए घर की बेटियों पर क्या दोष?

पचास वर्ष की आयु के बाद मनुष्य का शरीर बीमारियों का घर बन जाता है। युवाओं का कर्तव्य बनता है कि वे घर में बूढ़े-बुजुर्गों की देखभाल करें, परंतु वे तो टेलीविजन के सीरियलों या क्रिकेट मैच या मोबाइल से जुड़े रहते हैं। वृद्धों की सेवा के लिए उनके पास वक्त नहीं हैं। अब श्रवण कुमार जैसे पुत्र कहां से मिलेंगे, जो नेत्रहीन माता-पिता को कांवड़ में बिठाकर कंधे पर लाद कर तीर्थ यात्रा को ले जाएंगे। मर्यादा पुरुयोत्तम राम, जैसे सुपुत्र कहां मिलेंगे जो पिता का कहना मानकर 14 वर्ष का वनवास धारण कर लेंगे। कई परिवारों की स्थिति बड़ी उपयुक्त और सुखदायी है। उन परिवारों के बच्चे बहुत आज्ञाकारी होते हैं। बुजुर्गो को बड़ा सम्मान देते हैं, परंतु ऐसे खुशनसीब परिवार बहुत कम हैं। अधिकांश परिवारों के बुजुर्ग जिल्लत की जिंदगी भोग रहे हैं। कैसे अजीब बेटे हैं, जो मां-बाप को पेंशन भी नहीं खाने देते। यह भी विडंबना है कि जो बच्चे अच्छा कमाते हैं, वे भी मां-बाप को नहीं सम्हालते।

सरकारें रोजी रोजगार और नौकरी देने में अक्षम साबित हो रही हैं। सेवानिवृत्त के बाद आखिरी महीने के वेतन का आधा धन पेंशन के रूप में जीवन निर्वाह भत्ते के रूप में ब्रिटिश शासन के समय से शुरूआत की गई थी, जो देश की सरकारें हमेशा कल्याणकारी योजना के प्रलोभन से लबरेज होकर कार्य करने का संकल्प लेती हैं और सरकारी कर्मचारियों के पेंशन योजना को परिवर्तित कर बाजार पर आधारित नई अंशदायी पेंशन योजना लागू कर दी, जो बाजार के आधार पर रहेगी सेवानिवृत्तों पर थोप दिया। जिससे, जिस सम्मान के साथ वे नौकरी के समय जीवन निर्वाह कर रहे थे, उस पर ग्रहण लग गया। अब इतना भी पेंशन के रूप में धन नहीं मिलता कि सेवानिवृत्त दंपत्ति बेतहाशा महंगाई में जीवन यापन कर सकें।

गहरे सागर का मौन और लालच की गूंज

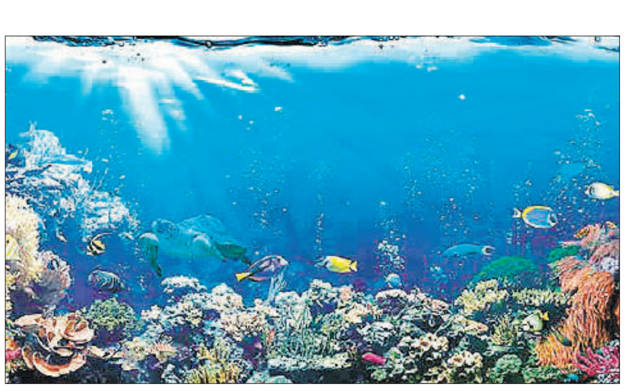

राजेश श्रीनेत

वरिष्ठ पत्रकार

सागर की अथाह गहराइयों में, जहां सूरज की किरणें भी नहीं पहुंचतीं, वहां जीवन अपने सबसे रहस्यमय रूप में पलता है। मगर हाल ही में हवाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने करेंट बायोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित अपने अध्ययन में बताया है कि तीस प्रजातियां, जिनमें से कई पहले से ही संकटग्रस्त हैं, उन क्षेत्रों में रहती हैं, जहां गहरे समुद्र से खनिज निकालने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। इन इलाकों में तांबा, निकल, कोबाल्ट और दुर्लभ धातुओं के भंडार हैं, जिन्हें आधुनिक बैटरियों और तकनीकी उपकरणों के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक माना जाता है।

इन खनिजों की खोज में पर्यावरणीय जो विनाश हो रहा है, वह उन जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा बन गया है, जिनके बारे में इंसान को अभी बहुत कम जानकारी है। समुद्र की तलहटी पर जीवन अत्यंत धीमी गति से विकसित होता है। वहां रहने वाले जीव न केवल कम ऑक्सीजन और अत्यधिक दाब में जीने के अभ्यस्त हैं, उनमें प्रजनन की गति भी बहुत धीमी होती है। कुछ शार्क प्रजातियां कई वर्षों में केवल कुछ ही अंडे देती हैं और उनका परिपक्व होना दशकों तक चलता है। उनका आवास नष्ट होने पर पुनःस्थापन लगभग असंभव हो जाता है।

खनन की प्रक्रिया स्वयं में अत्यंत विनाशकारी है। समुद्र की गहराइयों में विशाल मशीनें तलहटी को खोदती हैं, जिससे करोड़ों वर्षों से जमा जैविक अवशेष और तलछट उखड़ जाती है। यह तलछट गाद के रूप में चारों ओर फैलती है, जिससे जल की पारदर्शिता घट जाती है और वहां के जीवों की श्वसन प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शार्क और रे जैसी प्रजातियां अपने अंडे तलहटी में देती हैं, ऐसे में यह गाद उनके अंडों को ढक देती हैं, जिससे नई पीढ़ी का जन्म रुक सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रक्रिया नर्सरी जोन को पूरी तरह नष्ट कर सकती है। गहरे समुद्र की खनन योजनाएं इस समय दुनिया के कई हिस्सों में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

प्रशांत महासागर के क्लैरियन क्लिपर्टन जोन में सबसे बड़ी खनन योजनाएं प्रस्तावित हैं, जहां जैव विविधता असाधारण रूप से समृद्ध है। यहां पाई जाने वाली कई शार्क प्रजातियां ऐसी हैं, जिन्हें वैज्ञानिकों ने अब तक पूरी तरह वर्गीकृत भी नहीं किया। इस क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियां दावा करती हैं कि उनका उद्देश्य सतत् विकास है। वैज्ञानिक समुदाय का मत है कि उनके ऐसे दावे अधूरे हैं और पर्यावरणीय जोखिमों की अनदेखी करते हैं।

इस वैश्विक बहस में भारत भी एक प्रमुख पक्ष है। भारत को इंटरनेशनल सीबेड अथॉरिटी से हिंद महासागर क्षेत्र में खनिज अन्वेषण का लाइसेंस प्राप्त है। भारत के वैज्ञानिक पोलिमेटैलिक नोड्यूल्स यानी गहरे समुद्र में पाई जाने वाली धातुयुक्त गोलियों के अध्ययन और संग्रहण पर कार्य कर रहे हैं। इन नोड्यूल्स में तांबा, निकल, कोबाल्ट और मैंगनीज जैसे तत्व पाए जाते हैं। भारत सरकार का मानना है कि यह संसाधन ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक हैं। परंतु विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को इस दिशा में अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि हिंद महासागर का पारिस्थितिक संतुलन बहुत नाजुक है।

यदि भारत पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों को न अपनाए, तो यह वही गलती दोहरा सकता है जो अन्य देशों ने पहले की। आर्थिक लाभ की खोज ने समुद्री जीवन को अपूरणीय क्षति पहुंचाई। भारत के समुद्र वैज्ञानिकों ने भी इस दिशा में चेतावनी दी है कि किसी भी खनन परियोजना से पहले विस्तृत पर्यावरणीय मूल्यांकन अनिवार्य होना चाहिए। देश के पास तकनीकी क्षमता अवश्य है, लेकिन उसे सतत विकास की परिभाषा को केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि पारिस्थितिक दृष्टि से भी समझना होगा।

गहरे समुद्र के जीवों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। शार्क और रे समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के शीर्ष शिकारी हैं। वे मृत जीवों को साफ करते हैं, कमजोर प्रजातियों की आबादी को नियंत्रित रखते हैं और पोषण चक्र का संतुलन बनाए रखते हैं। यदि ये प्रजातियां विलुप्त होती हैं, तो समुद्र के जैविक संतुलन में भारी असंतुलन पैदा होगा। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि गहरे समुद्र की प्रत्येक प्रजाति पूरे तंत्र की स्थिरता से जुड़ी है, किसी एक के विलुप्त होने से दर्जनों अन्य पर अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा। समस्या यह भी है कि गहरे समुद्र के बारे में हमारी जानकारी अत्यंत सीमित है।

धरती की सतह पर जितना अनुसंधान हुआ है, उसकी तुलना में समुद्र की गहराइयों का अध्ययन अब भी प्रारंभिक अवस्था में है। अधिकांश गहरे समुद्री जीवों के व्यवहार, प्रजनन चक्र और पारिस्थितिक भूमिका को लेकर वैज्ञानिकों के पास केवल अनुमान हैं। ऐसे में इन इलाकों में खनन शुरू करना ऐसा ही है, जैसे किसी अनदेखी पुस्तक के पन्नों को फाड़कर पढ़ने की कोशिश करना।

कई देशों ने इस स्थिति को समझते हुए गहरे समुद्र में खनन पर अस्थायी रोक की मांग की है। फ्रांस, कनाडा और चिली जैसे देशों ने कहा है कि जब तक पर्यावरणीय प्रभावों की पूरी समझ विकसित नहीं होती, तब तक किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि शुरू नहीं होनी चाहिए। वहीं कुछ देश और बहुराष्ट्रीय कंपनियां इस दिशा में तेजी दिखा रही हैं, जो निकट भविष्य में वैश्विक विवाद का कारण बन सकती हैं। भारत के लिए यह एक अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि वह जिम्मेदार समुद्री नीति बनाकर उदाहरण प्रस्तुत कर सकता है और चुनौती इसलिए कि आर्थिक दबाव के चलते पर्यावरणीय प्राथमिकताएं कहीं पीछे न छूट जाएं। विज्ञान हमें संसाधनों की दिशा दिखाता है, पर विवेक हमें उनकी सीमा सिखाता है।

> हवाई विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने बताया है कि समुद्र में रहने वाली तीस प्रजातियां, जिनमें से कई पहले से ही संकटग्रस्त हैं, उन क्षेत्रों में रहती हैं, जहां गहरे समुद्र से खनिज निकालने की योजनाएं बनाई जा रही हैं।

आमने सामने

एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है। नीतीश कुमार पर न सिर्फ बीजेपी, बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। मैं किसी को सीएम बनाने वाला कौन होता हूं। चुनाव बाद विधायक दल के नेता बैठेंगे और अपना नेता तय कर लेंगे।

–अमित शाह, गृहमंत्री

गृहमंत्री अमित शाह कह रहे हैं कि अब बिहार चुनाव के बाद नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे या नहीं, यह विधायक तय करेंगे। पहले वे नीतीश कुमार का नाम लेते थे और अब बीजेपी भ्रम पैदा कर रही है। ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको बीजेपी ने ठगा नहीं। इस बात को जेडीयू को समझना चाहिए।

–प्रमोद तिवारी, कांग्रेस नेता

संविधान और मनुस्मृति के बीच का तनाव

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

राजस्थान हाईकोर्ट आफिसर्स एसोसिएशन ने 10 फरवरी 1989 को हाईकोर्ट परिसर के सुंदरीकरण के लिए मनु की प्रतिमा लगाने का प्रस्ताव पास किया था। तेईस दिन बाद इस प्रस्ताव को मंजूर करते हुए प्रतिमा लगा दी गई। मनु स्मृति के विरोधी, दलित-महिला अधिकारों के पैरोकार संगठनों ने इसे अदालत में चुनौती दी। राजस्थान हाईकोर्ट ने 28 जुलाई 1989 को प्रतिमा हटाने का फैसला सुना दिया। इस फैसले को विश्व हिंदू परिषद के नेता, आचार्य धर्मेंद्र ने राजस्थान हाईकोर्ट में ही एक जनहित याचिका दायर कर चुनौती दी, जिसे स्वीकार करते हुए अगस्त में पुराने फैसले के खिलाफ स्थगनादेश दे दिया गया। इस आदेश में एक शर्त यह है कि भविष्य में इस मामले की सुनवाई कोई डिवीजन बेंच ही कर सकती है, जिसमें राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का होना अनिवार्य है। तब से इस प्रतिमा को लेकर मनु स्मृति के पैरोकारों और संविधानवादियों के बीच झगड़ा बना हुआ है। हिंदू वर्ण व्यवस्था के पक्षधर संगठन और नागरिक प्रतिमा को बनाए रखना चाहते हैं, जबकि जाति के आधार पर भेदभाव के विरोधी संविधानवादी इसे फौरन हटा देना चाहते हैं। अब यह राजस्थान हाईकोर्ट में सबसे अधिक समय से लंबित मामले के रूप में जाना जाने लगा है।

सबसे हाल में एक सुनवाई 2015 में हुई थी, जिसमें 300 मनु स्मृति समर्थक वकीलों ने अदालत में घुसकर उपद्रव किया था, तब से इस मामले में सुनवाई नहीं हुई है। यह प्रतिमा सिर्फ एक बहाना है, लेकिन वर्ण व्यवस्था के समर्थकों और विरोधियों के बीच का तनाव बहुत पुराना है, जो दलितों के घोड़ी चढ़ने, सार्वजनिक स्रोतों से पानी पीने, स्कूलों में बच्चों के मिड-डे मील साथ खाने, मंदिरों में प्रवेश करने के रूपों में प्रकट होता रहता है। अक्सर यह जातीय घृणा दिल हिला देने वाली आपराधिक घटनाओं के रूप में सामने आती है। जैसे अभी बीते दो अक्टूबर को रायबरेली में हरिओम वाल्मीकि नाम के एक दलित को भीड़ ने चोर होने की अफवाह पर पीट-पीट कर मार डाला।

बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने शिक्षा को शेरनी का दूध कहा था। दलित यकीन भी करते हैं कि शिक्षित और जागरूक होकर उच्च पदों पर पहुंच जाने के बाद जाति के आधार पर उनका उत्पीड़न करना असंभव हो जाएगा, लेकिन इधर दो घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिन्होंने इस विश्वास को हिला दिया है। छह अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर वहीं के एक उम्र दराज वकील ने जूता फेंकने की कोशिश की और सनातन धर्म के अपमान के विरोध में नारा लगाया। यह ऊपर बताए गए तनाव के विस्फोट जैसी घटना थी, जिसके नतीजे आने वाले समय में दिखाई देंगे। इसके अगले दिन सात अक्टूबर को रोहतक (हरियाणा) रेंज के आईजी, आईपीएस पूरन कुमार ने अपनी सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पूरन कुमार ने मरने से पहले नौ पेज का एक सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें उन्होंने दस आईपीएस और दो आईएएस अफसरों पर जातिगत भेदभाव, मानसिक उत्पीड़न और फर्जी मामलों में फंसाकर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पूरन की पत्नी आईएएस हैं, जो न्याय के लिए लड़ रही हैं।

ये दोनों असामान्य घटनाएं हैं, जिनसे पता चलता है कि सर्वोच्च पदों पर पहुंच जाने से मिलने वाले विशेषाधिकार भी दलितों को जातीय घृणा से बचा पाने में नाकाम साबित हो रहे हैं, वरना साधारण लोगों के साथ भेदभाव और हिंसा के मामले तो रोज होते रहते हैं, जिन्हें रस्मो-रिवाज की तरह देखकर आगे बढ़ जाया जाता है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक 2013-2023 के बीच के दशक में दलितों पर अत्याचार में 46 फीसद और आदिवासियों पर 91 फीसद की बढ़ोत्तरी हुई है। इस दौरान दलित उत्पीड़न के मामलों में उत्तर प्रदेश अधिकांश समय पहले नंबर पर रहा है।

इसी बीच की अवधि में हैदराबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र रोहित बेमुला की आत्महत्या की घटना भी हुई थी, जिसने देश भर के युवाओं को सड़क पर ला दिया था। छात्र रोहित बेमुला की फेलोशिप रोककर उसे हॉस्टल से निकाला गया था। उसने अपने सुसाइड नोट में लिखा था, मेरा जन्म एक अभिशाप था। कार्ल सैगन की तरह का विज्ञान-कथा लेखक बनने की इच्छा रखने वाला रोहित बेमुला मौत के बाद सामाजिक न्याय के पक्षधर युवाओं के बीच एक आईकॉन के रूप में स्थापित हो चुका है जो एक नई परिघटना है।

मनुस्मृति के पैरोकारों और सामाजिक न्याय के आकांक्षियों के बीच का यह संघर्ष खुद आंबेडकर के जीवन की एक निर्णायक घटना बना, जिन्होंने आगे चलकर देश का संविधान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। समाज, स्कूल, नौकरी हर जगह उत्पीड़न के शिकार रहे आंबेडकर ने 1927 में महाड़ सत्याग्रह के समय मनु स्मृति जलाई थी। इस ग्रंथ में कहा गया है कि दलितों को शिक्षा का अधिकार नहीं है और सेवा करना उनका धर्म है। जब देश में संविधान लागू हुआ तो मनु स्मृति को अवैध ठहरा दिया गया और दलितों को सबके बराबर होने का अधिकार मिल गया, लेकिन दोनों पक्षों के बीच का संघर्ष समाप्त नहीं हुआ।

> भीमराव आंबेडकर ने शिक्षा को शेरनी का दूध कहा था। दलित यकीन भी करते हैं उच्च पदों पर पहुंचने के बाद जाति के आधार पर उनका उत्पीड़न असंभव हो जाएगा, लेकिन इधर हुई घटनाओं ने इस विश्वास को हिला दिया है।

सोशल फोरम

एक ही व्यक्ति है जो रोक सकता है आपकी ग्रोथ!

एक दिन एंप्लाई जब ऑफिस पहुंचे, तो उन्हें गेट पर एक बड़ा सा नोटिस लगा दिखा, 'इस कंपनी में जो व्यक्ति आपको आगे बढ़ने से रोक रहा था, कल उसकी मृत्यु हो गई। हम आपको उसे आखिरी बार देखने का मौका दे रहे हैं, कृपया बारी-बारी से मीटिंग हॉल में जाएं और उसे देखने का कष्ट करें।'

सुनीता पाल

गृहणी

जो भी नोटिस पढ़ता उसे पहले तो दुःख होता, लेकिन फिर जिज्ञासा हो जाती कि आखिर वो कौन था, जिसने उसकी ग्रोथ रोक रखी थी और वो हॉल की तरफ चल देता। देखते-देखते हॉल के बाहर काफी भीड़ इकठ्ठा हो गई। गाड्र्स ने सभी को रोक रखा था और उन्हें एक-एक कर के अंदर जाने दे रहा था।

सबने देखा कि अंदर जाने वाला व्यक्ति काफी गंभीर हो कर बाहर निकलता, मानो उसके किसी करीबी की मृत्यु हुई हो! इस बार अंदर जाने की बारी एक पुराने एंप्लाई की थी। उसे सब जानते थे। सबको पता था कि उसे हर एक चीज से शिकायत रहती है। कंपनी से, सहकर्मियों से, वेतन से हर एक चीज से!

पर आज वो थोड़ा खुश लग रहा था। उसे लगा कि चलो जिसकी वजह से उसकी लाइफ में इतनी प्रॉब्लम्स थीं वो गुजर गया। अपनी बारी आते ही वो तेजी से ताबूत के पास पहुंचा और बड़ी जिज्ञासा से उचक कर अंदर झांकने लगा, पर ये क्या अंदर तो एक बड़ा सा आइना रखा हुआ था। यह देख वह क्रोधित हो उठा और जोर से चिल्लाने को हुआ कि तभी उसे आईने के बगल में एक संदेश लिखा दिखा, 'इस दुनिया में केवल एक ही व्यक्ति है, जो आपकी ग्रोथ रोक सकता है और वो आप खुद हैं। इस पूरे संसार में आप वो अकेले व्यक्ति हैं जो आपकी जिंदगी में क्रांति ला सकता है।

आपकी जिंदगी तब नहीं बदलती जब आपका बॉस बदलता है, जब आपके दोस्त बदलते हैं, जब आपके पार्टनर बदलते हैं या जब आपकी कंपनी बदलती है। आपकी जिंदगी तब बदलती है जब आप बदलते हैं, जब आप अपनी लिमिटिंग बिलीव्स तोड़ते हैं, जब आप इस बात को रीयलाईज करते हैं कि अपनी जिंदगी के लिए सिर्फ और सिर्फ आप जिम्मेदार हैं। सबसे अच्छा रिश्ता जो आप बना सकते हैं, वो खुद से बनाया रिश्ता है। खुद को देखिए, समझिए, कठिनाइयों से घबराइए नहीं, उन्हें पीछे छोड़िए। विजेता बनिए। खुद का विकस करिए और अपनी उस वास्तविकता का निर्माण करिए जिसका करना चाहते हैं!

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

मारिया की राजनीति व राहुल की रणनीतिक उलझन

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो और भारत के कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर एक दिलचस्प परिदृश्य उत्पन्न हो गया है। मारिया अपने देश में सरकार के खिलाफ, लोकतंत्र, मतदान में धांधली, भ्रष्टाचार आदि को लेकर संघर्ष कर रही है। कांग्रेस और राहुल गांधी उनकी इस राजनीति की सराहना करते हैं, क्योंकि ऐसा ही वे भारत में अपनी राजनीति में कर रहे हैं। कांग्रेसी मारिया और राहुल को एक ही डाल का पंछी मानते हैं। कांग्रेस के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने तो राहुल गांधी के लिए भी नोबेल की मांग कर डाली। वे मारिया को राहुल गांधी की समर्थक मानते हैं।

मारिया ने एक बार राहुल गांधी की तारीफ में ट्वीट भी किया था।

हरीश शिवनानी

स्वतंत्र पत्रकार

दूसरी ओर वास्तिवकता यह है कि राहुल गांधी और कांग्रेस की सियासत और मारिया की राजनीति और विचारधारा में गहरा अंतर्विरोध है। यह अंतर्विरोध ही राहुल और कांग्रेस के लिए जटिल उलझन और गले की फांस बन गया गया है। मारिया को नोबेल की घोषणा करते हुए नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने उन्हें 'लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही के खिलाफ अथक प्रयास' के लिए सराहा। हालांकि, मारिया की धुर दक्षिणपंथी विचारधारा, जिसमें ट्रंप का समर्थन, इजराइल की नीतियों की पक्षधरता और आर्थिक निजीकरण की वकालत शामिल है, ने कांग्रेस के लिए पसोपेश वाली स्थिति पैदा कर दी है।

मारिया का राजनीतिक उदय वेनेजुएला की समाजवादी सरकारों के खिलाफ प्रतिरोध पर आधारित है। 1967 में जन्मी माचाडो, एक पूर्व सांसद और इंजीनियर, 2012 से विपक्षी गठबंधन की प्रमुख रही हैं। उन्होंने ह्यूगो चावेज और निकोलास मादुरो की सरकारों पर चुनावी धांधली, भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोप लगाए। ऐसा ही राहुल गांधी भारत में भाजपा सरकार के खिलाफ करते हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनावों में, मादुरो सरकार ने मारिया को अयोग्य घोषित कर दिया, जिसके बाद उन्होंने एडमुंडो गोंजालेज को समर्थन देकर विपक्ष को एकजुट किया। इन प्रयासों ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाई, जिसमें अमेरिकी प्रतिबंधों और विदेशी सहायता की मांग शामिल थी।

मारिया की अपनी विचारधारा और राजनीति है। उन्होंने अपना पुरस्कार ट्रंप को समर्पित करते हुए उन्हें 'हमारे संघर्ष का निर्णायक समर्थक' बताया। मारिया ने अपने देश मे अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप की भी वकालत की, जिससे वेनेजुएला में आर्थिक संकट बढ़ा। इजराइल के प्रति उनका रुख साफ है। उन्होंने इजराइल को 'स्वतंत्रता का सच्चा सहयोगी' कहा और गाजा संघर्ष में इजराइली कार्रवाइयों का समर्थन किया। इसके अलावा, मारिया, राज्य तेल कंपनी पीडीवीएसए के निजीकरण की भी पक्षधर हैं, जो समाजवादी विचारधारा के विपरीत है।

मारिया को नोबेल की घोषणा होते ही भारत में कांग्रेस ने मारिया के पुरस्कार को अपने राजनीतिक नैरेटिव से जोड़ने का प्रयास किया। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि मारिया ने वेनेजुएला में लोकतंत्र के लिए जो संघर्ष किया, वही राहुल गांधी भारत में कर रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने सोशल मीडिया पर मारिया की तुलना राहुल गांधी से की, उन्हें 'संविधान बचाने का योद्धा' बताते हुए उनके लिए भी नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। यह तुलना कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है, जहां राहुल गांधी को चुनावी धांधली, संस्थागत क्षरण और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मुखर दिखाया जाता है। विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखें तो राहुल तथा मारिया के बीच वैचारिक विरोधाभासों को अनदेखा करता है। कांग्रेस की ऐतिहासिक विचारधारा समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और साम्राज्यवाद-विरोध पर टिकी है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

पिछले वर्षों की तरह इस बार भी दिवाली पर राष्ट्रपति भवन को रोशनी से सजाया जाएगा। यह जब जगमगाता है, तो देखते ही बनता है। राष्ट्रपति भवन में रोशनी की यह परंपरा भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने शुरू की थी। उन्होंने ही सुनिश्चित किया था कि इसके परिसर में सभी प्रमुख भारतीय त्योहार मनाएं जाएं। प्रथम राष्ट्रपति द्वारा शुरू की गई इस समृद्ध परंपरा को उनके उत्तराधिकारियों ने भी जारी रखा। भारत के विविध समाज में दिवाली धार्मिक सीमाओं से परे हो गई है। गैर-हिंदू जैसे सिख, जैन, बौद्ध, मुस्लिम और ईसाई भी उत्सव में शामिल होते हैं, जो देश की एकता में विविधता की भावना को दर्शाता है। यहूदी धर्म, जो इजरायल से ज्यादा जुड़ा है, भारत में समृद्ध इतिहास रखता है। देश के विभिन्न हिस्सों में यहूदी समुदाय दिवाली मनाते हैं। छोटी दिवाली और दिवाली पर दिल्ली के हुमायूं रोड पर जुदा ह्याम सिनेगॉग के बाहर दीये जलाए जाते हैं। उत्तर भारत का एकमात्र सिनेगॉग होने के नाते, यह भारतीय यहूदी समुदाय की देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता में भागीदारी का प्रतीक है। रब्बी इजेकील इसाकल मलेकर, जो अपने परिवार और दोस्तों के साथ सिनेगॉग के बाहर दीये जलाते हैं, कहते हैं, "भारत में रहते हुए दिवाली से कैसे दूर रह सकते हैं? यह असंभव है। दिवाली प्रेम, भाईचारे और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का त्योहार है। हम यहूदी हैं, लेकिन भारत का भी हिस्सा हैं।"

विवेक शुक्ला
नई दिल्ली

धर्म की सीमाओं से परे दीपावली

ऐसा ही एक उदाहरण राष्ट्रीय राजधानी के सिविल लाइंस में ब्रदरहुड हाउस मिलता है। अपनी ईसाई पृष्ठभूमि के बावजूद, ब्रदरहुड हाउस को दिवाली पर रोशन किया जाता है। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं, "दिवाली, ईद और क्रिसमस जैसे त्योहार अब धार्मिक सीमाओं से परे हो गए हैं। इन्हें सभी मनाते हैं। दिवाली अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है।" एसेंडेड क्राइस्ट का ब्रदरहुड 1877 में भारत में स्थापित हुआ, जिसके कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से मजबूत संबंध हैं। अब इसे दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) कहा जाता है। इसने दिल्ली में सेंट स्टीफंस कॉलेज, सेंट स्टीफंस अस्पताल और हरियाणा की दिल्ली-सोनीपत सीमा पर सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल की स्थापना की है।

ब्रदर सोलोमन कहते हैं, " दिवाली का अर्थ बहुत व्यापक है। यह अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है। अंधकार जीवन के हर कोने में फैलता है, जबकि प्रकाश सीमित है। दिन से पहले और बाद में रात आती है, जो अंधकार की प्रधानता दिखाती है। यह प्रकाश का पर्व हमें भारत के पवित्र मूल्यों की याद दिलाता है। जरूरतमंदों की मदद करना, अंधकार पर प्रकाश चुनना, ज्ञान और बुद्धि का पीछा करना तथा सद्भावना और करुणा का स्रोत बने रहना।"

सिख दिवाली को बंदी छोड़ दिवस से जोड़कर देखते हैं। उस दिन 1619 में मुगल सम्राट जहांगीर की कैद से छठे सिख गुरु हरगोबिंद जी की रिहाई हुई थी। देशभर में सिख दिवाली पर अपने घर रोशन करते हैं। जैन दिवाली को अपने 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 527 ईसा पूर्व निर्वाण प्राप्त करने के दिन के रूप में मनाते हैं। उनके लिए यह आत्ममंथन, उपवास और ज्ञान की शाश्वत रोशनी का प्रतीक दीये जलाने का समय है। राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में जैन मंदिरों को रोशनी से सजाया जाता है और भक्त विशेष पूजा करते हैं। लड्डू और बर्फी जैसी मिठाइयां बांटी जाती हैं और कई जैन अहिंसा और आत्मअनुशासन पर प्रवचनों के लिए मंदिर जाते हैं। मुंबई जैसे शहरों में जैन समुदाय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं, जिनमें गैर-जैन भी शामिल होते हैं, जो अंतरधार्मिक सद्भाव बढ़ाते हैं।

गोल मस्जिद पर दीये

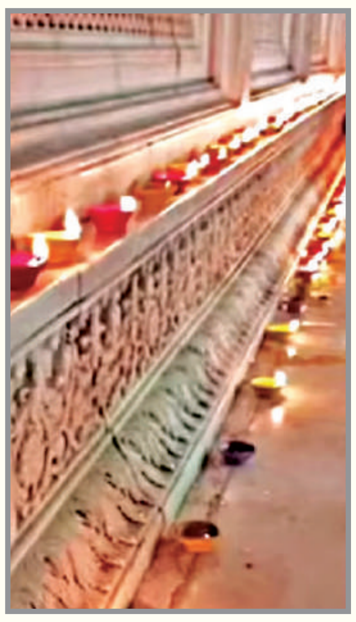

दीपोत्सव भारत की धरती का पर्व है। अगर ये बात न होती तो दिवाली पर निजामुद्दीन औलिया और मटका पीर की दरगाहों को रोशन करने की रिवायत न होती। इधर दिवाली वाले दिन सब मिलकर दिये जलाते हैं और रंगोली बनाते हैं। यकीन मानिए दिवाली पर इन फकीरों की दरगाहों की रोशनी अंधेरे पर बहुत भारी पड़ती है। अपने पिता की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, प्रमुख इस्लामिक विद्वान और अंतरधार्मिक आंदोलन के समर्थक इमाम उमर इलियासी राजधानी के कस्तूरबा गांधी मार्ग पर गोल मस्जिद के बाहर दीये जलाते हैं। यह परंपरा उनके पिता मौलाना जामेइल इलियासी ने शुरू की थी, जो ऑल इंडिया इमाम कॉन्फ्रेंस के संस्थापक थे। 1960 के दशक से यह दिवाली उत्सव का अभिन्न हिस्सा है। मुंबई के व्यस्त इलाकों में मुस्लिम परिवार हिंदू पड़ोसियों से मिठाइयां आदान-प्रदान करते हैं और बच्चों के साथ फुलझड़ियां जलाते हैं। बेशक भारत में गैर-हिंदुओं द्वारा दिवाली मनाना त्योहार के साझा सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक में विकास को रेखांकित करता है। यह सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देता है।

दीपावली की भीड़ में कहां गुम हो गया आम आदमी

आज तुम, तो कल मैं, सत्रहवीं शताब्दी के शुरू में जब यह कहावत कही गई थी, तो कोई नहीं जानता था कि चार सौ साल बाद भी हालात जस के तस होंगे। तमाम कयासों के बाद दीपावली की जमकर खरीदारी धनतेरस पर रिकार्ड बिक्री का कयास तब जब लाखों की संख्या में बेरोजगार बाजार में जुटे हों, तो उनकी भीड़ देखकर कहना मुश्किल हो रहा था कि विकासशील राष्ट्र के ये वो नागरिक हैं। दरअसल समाज कोई भी हो, उसमें कई तरह के चेहरे देखने को मिलते हैं। वहीं दूसरा वर्ग वह आम आदमी है, जिसकी खुशियां छीनने के लिए तनख्वाह का समय पर न मिलना, बच्चों की फीस, रोजमर्रा के सामानों का जेब की पहुंच से दूर होना ही काफी है, लेकिन फिर भी हर कोई अपने-अपने तरीके से हर त्योहार मनाता ही है। फर्क सिर्फ 'पोम्प एंड शो' का है।

अंजु अग्निहोत्री
लखनऊ

दरअसल सही मायनों में तो आम आदमी को त्योहारों की खुशी कम और उसके आने पर होने वाले खर्च का डर ज्यादा सताता है। आप माने या न मानें, लेकिन एक बार किसी आम आदमी के दिल के भीतर झांककर देखें। यह सच्चाई आपको खुद-ब-खुद इस हकीकत से रूबरू करा देगी। याद कीजिए बाजारों में कई-कई दिन घूमने और खरीदारी के बावजूद आपको क्या कोई ऐसा आदमी नजर आया। यकीनन नहीं, क्योंकि उसके लिए 'क्या मंगल क्या पीर, जिस दिन सोये देर तक भूखा रहे फकीर' वाली स्थिति है। वह न तो महंगी-महंगी मिठाई खरीद सकता है, न उसे एक दूसरे में बांटने का ख्याल ही अपने जहन में ला सकता है। खील खिलौने, गट्टे और पटाखों के दामों को सुनकर अपनी छोटी से जेब को देखता आम आदमी।

चुप बावली/कहां दीप और कहां दिवाली/स्याह स्वप्न/और रातें काली/बोली भारी दावे जारी/ खाली-खाली सब कुछ खाली/ उजियारी की कोरी बातें/ अंधकार की सौगातें/रोटी-वोटी प्यार-व्यार सब महज बतकही/ सब कुछ खोटी शेष नहीं अब कहीं अनकही/क्यों निस्तेज हो रही तेरी आंखें/कहां गुम हो रही तेरी लाली/चुप बावली/कहां दीप और/कहां दिवाली

सत्ता की सुविधा हेतु राजनैतिक पार्टियां कब तक हमें कभी धर्म के नाम पर, कभी जाति के नाम पर, कभी भाषा के नाम पर लड़ाकर अपना स्वार्थ सिद्ध करती रहेगी? चुनावी उठापटक की मुहिम से लहूलुहान यह गणतंत्र धीमे-धीमे तमाशा बनता जा रहा है, बुनियादी सवालों के प्रति चिंतन कौन करे? सत्ता में आते ही अपनी जागीर समझने वाले सत्ता के सवार अपना वर्चस्व बरकरार रखने के लिए सरकारी धन का दुरुपयोग करते रहते हैं। आजादी के पांच दशक में हमारे साथ किया गया तमाशा अब धराशाही होना ही चाहिए। एक बार फिर दीपों के पर्व पर गणेश-लक्ष्मी की आराधना होगी। लक्ष्मी को अपने घर पर लाने के लिए तरह-तरह से पूजा अर्चना व मंत्रोच्चार होंगे। भगवान को भोग लगाया जाएगा, लेकिन एक तबका ऐसा भी होगा, जो इन सबसे अलग खुले आसमान के नीचे या फिर छप्पर के नीचे अगली सुबह का इंतजार कर रहा होगा। ऊंचे भवन में ऊंची दिवाली/उधर ढोल-ताशे, इधर पेट खाली/जगमग जगत का ये कैसा है माली?/कोई बताए ये कैसी दीवाली?/ न इधर कोई माली, न उधर कोई माली/रहस्य क्या बताए भीखू की थाली।

आरोग्य और आत्मबल के प्रतीक धनवंतरि

भगवान धनवंतरि का उल्लेख पुराण, महाभारत, हरिवंश और गरुड़ पुराण सहित अनेक ग्रंथों में मिलता है। समुद्र मंथन के समय 14 रत्नों के साथ चौदहवें क्रम में भगवान धनवंतरी भी प्रकट हुए थे। भगवान धनवंतरि की चार भुजाएं थीं। उनके एक हाथ में अमृत कलश, दूसरे में शंख, तीसरे में चक्र और चौथे हाथ में औषधि का पात्र था। धनवंतरि का शरीर दिव्य तेज से चमक रहा था। धनवंतरि ने अमृत कलश देवताओं को प्रदान किया और मानव समाज का औषधि पात्र के साथ अमूल्य ज्ञान दिया।

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य को प्रमुख स्थान प्राप्त है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क विद्यमान रहता है एवं स्वस्थ मस्तिष्क में ही सुंदर विचार उत्पन्न होते हैं। हमारे शास्त्रों में कहा गया है, "शरीरमाध्यं खलु धर्म साधनम।" अर्थात शरीर ही धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की साधना का प्रथम सोपान है। स्वस्थ शरीर की अनुपस्थिति में उपर्युक्त कार्य नहीं हो सकते हैं। इस मानव शरीर की रक्षा के लिए भगवान ने जब अवतार लिया तो वे- भगवान धनवंतरि कहलाए। आयुर्वेद के आदिदेव एवं आरोग्य के अधिष्ठाता।

अशोक सूरी
बरेली

'भगवान धनवंतरि कहते हैं आयुर्वेदः नाम वेदोपवेदाः। जीवनस्य दीर्घिते तेन लभ्यते।।' अर्थात आयुर्वेद वह उपवेद है, जो जीवन को दीर्घ स्वस्थ और संतुलित रूप प्रदान करता है।

मानव शरीर पंच महाभूतों- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से बना है। धनवंतरि ने शरीर में केवल तीन दोषों का प्रतिपादन किया। आयुर्वेद के अनुसार शरीर के सारे रोग जिन तीन दोषों के कारण उत्पन्न होते हैं, उनके नाम हैं- वात, पित्त और कफ। धनवंतरि के शिष्य सुश्रुत ने भगवान के उपदेशों को 'सुश्रुत संहिता' में संकलित किया है। यह ग्रंथ विश्व चिकित्सा विज्ञान एवं शल्य चिकित्सा का मुख्य ग्रंथ माना जाता है। धनवंतरी ने बताया कि ब्रह्मा द्वारा हमें प्रदत्त यह मान शरीर केवल देह नहीं है अपितु यह मन प्राण और आत्मा का समन्वित रूप है। यदि हमें कोई रोग नहीं है, तो इसका अर्थ स्वस्थ होना नहीं है। हमारा मन और हमारी आत्मा भी स्वस्थ होनी चाहिए, जिससे हमें कोई बुरे कार्य करने की प्रेरणा न मिले। उन्होंने कहा : ''समदोषः समाग्निश्च समधातु मलक्रियः'' प्रसन्नात्मेन्द्रिय मनः स्वस्थ इत्यभिधीयते।।'' अर्थात जब शरीर के दोष, धातु और मल संतुलित हों, अग्नि सम हो और मन तथा इन्द्रियां प्रसन्न हों, तभी मनुष्य स्वस्थ शरीर वाला माना जाता है। भगवान धनवंतरि का प्राकट्य दिवस हम दीपावली से दो दिन पूर्व धनतेरस के दिन मनाते हैं। भारत सरकार ने इस दिवस को आयुर्वेद दिवस के रूप में भी मनाने की मान्यता दी है। आज हमारा जीवन भागदौड़ और असंतुलित खानपान से भरा हुआ है। आज की जीवनशैली में अखाद्य और असमय भोजन ने हमें चिकित्सकों को मुरीद बना दिया है। संतुलित भोजन एवं नियमित दिनचर्या, औषधि एवं संयमित विचार भी हमें स्वस्थ एवं दीर्घायु बना सकते हैं। भगवान धनवंतरि, चिकित्सा विज्ञान के जनक तो हैं ही, साथ ही आरोग्य और आत्मबल के प्रतीक भी हैं। उनका दर्शन हमें सिखाता है कि स्वास्थ्य केवल औषधियों से ही नहीं, अपितु शुद्ध विचारों और सत्वगुणी जीवन से प्राप्त होता है।

पर्यावरण, विज्ञान और संस्कृति संग हो 2047 का सफर

भारत की पहचान उसकी हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति और विरासत से है। भारत 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा। जब हम 2047 तक विकास की ओर बढ़ें, तब यह जरूरी है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं भी साथ चलें। भारत की सांस्कृतिक धरोहर को विश्व स्तर पर पहचान दिलाना भी जरूरी है। यह अवसर सिर्फ एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि एक नए भारत की कल्पना का प्रतीक होगा। ऐसा भारत जो आर्थिक रूप से मजबूत, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार हो। इस दिशा में जनसंपर्क (पब्लिक रिलेशन) की भूमिका बहुत अहम होगी। यह केवल सूचना देने का माध्यम नहीं, बल्कि सरकार और समाज के बीच भरोसे और संवाद का पुल है।

रवि बिजारनिया
पीआरएसआई, देहरादून

पर्यावरण के साथ संतुलन

- जलवायु परिवर्तन आज की सबसे बड़ी चुनौती है। भारत जैसे देश के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है। हम स्वच्छ ऊर्जा, हरित विकास और टिकाऊ जीवनशैली को अपनाएं। इस बदलाव के लिए सिर्फ नीति बनाना काफी नहीं, बल्कि लोगों को इसके लिए जागरूक और प्रेरित करना जरूरी है। यहां जनता को जोड़ने और जिम्मेदारी का अहसास दिलाने में पब्लिक रिलेशन यानी पीआर एक उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकता है।

सरकार और जनता के बीच सेतु

- नीतियों की सफलता जनता की सहभागिता और भरोसे पर टिकी होती है। एक पारदर्शी संवाद से ही यह भरोसा कायम हो सकता है। जनसंपर्क वह माध्यम है, जिससे सरकार और नागरिकों के बीच स्पष्ट, सटीक और संवेदनशील संवाद हो सकता है, जिससे नीतियां धरातल पर उतरें।

एक समग्र सपना

- भारत 2047 का सपना सिर्फ आर्थिक विकास का नहीं है। यह सपना है एक ऐसे देश का है, जो संस्कृति से जुड़ा हो, प्रकृति के प्रति सजग हो और जनता की भागीदारी से मजबूत हो। अगर जनसंपर्क हर क्षेत्र- विज्ञान, पर्यावरण, संस्कृति, शासन और स्वास्थ्य में जिम्मेदारी से संवाद बनाएं रखें, तो निश्चित ही भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन सकता है।

विज्ञान और तकनीक से आमजन को जोड़ना

- भारत ने विज्ञान और तकनीक में तेजी से तरक्की की है। जैसे- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल हेल्थ और स्पेस टेक्नोलॉजी। इन तकनीकों का सही उपयोग और जनता का इन पर विश्वास बनाना जरूरी है। जनसंपर्क की मदद से इन जटिल विषयों को सरल भाषा में लोगों तक पहुंचाया जा सकता है, ताकि वे इसका लाभ उठा सकें।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	83,952.19	25,709.85
बढ़त	484.53	124.55
प्रतिशत में	0.58	0.49

सोना 1,34,800 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,77,000 प्रति किलो

अमृत विचार
मुरादाबाद, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

केनरा एचएसबीसी 5% की बढ़त संग सूचीबद्ध

नई दिल्ली। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 106 रुपये से 5% की बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर 106 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में, बीएसई पर यह 4.62% चढ़कर 110.90 रुपये पर और एनएसई पर 4.71% की बढ़त के साथ 111 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 10,488 करोड़ रुपये था। केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के आईपीओ को बोली के अंतिम दिन गत बुधवार को 2.29 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 2,517 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 100-106 रुपये प्रति शेयर था।

एमईआईएल को ओसीने से मिली परियोजना

हैदराबाद। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) ने कुवैत ऑयल कंपनी (केओसी) से 22.55 करोड़ डॉलर की परियोजना हासिल की है। इसमें पश्चिमी कुवैत के तेल क्षेत्रों में एक नई 'गैस स्वीटनिंग' एवं 'सल्फर रिकवरी' सुविधा (एनजीएसएफ) के 'डिजाइन', निर्माण, संचालन और रखरखाव का काम शामिल है। एमईआईएल के निदेशक पी. दोराया ने कहा कि यह परियोजना कार्यान्वयन चरण और संचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) चरण में पूरी की जाएगी। पश्चिम कुवैत में इस रणनीतिक गैस 'स्वीटनिंग' सुविधा के लिए कुवैत ऑयल कंपनी के साथ साझेदारी करके हमें गर्व महसूस हो रहा है।

यूको बैंक का लाभ बढ़कर 620 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 2.82% बढ़कर 620 करोड़ रुपये रहा। वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में यूको बैंक ने 603 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक का कुल कारोबार 5.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 13.23% अधिक है। चालू वित्त वर्ष की तिमाही में सकल अग्रिम 16.56% बढ़कर 2.31 लाख करोड़ हो गया तथा कुल जमा 10.85% बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये रहा। यूको बैंक ने कहा कि सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 0.62 प्रतिशत घटकर 2.56 प्रतिशत रही।

शेयर बाजार में आतिशबाजी बरकरार

लगातार तीसरे दिन भी तेजी कायम, सेंसेक्स 484 और निफ्टी 125 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

- बैंकों-पेट्रोलियम में खरीदारी और विदेशी कोषों की लिवाली से बाजार को मिली ताकत
- सेंसेक्स में शामिल एशियन पेंट्स में सबसे अधिक 4.18 प्रतिशत की आई तेजी

प्रमुख बैंकों एवं पेट्रोलियम शेयरों में खरीदारी और विदेशी कोषों की लिवाली के दम पर घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 484 अंक उछल गया जबकि निफ्टी 25,700 के ऊपर बंद हुआ।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 484.53 अंक उछलकर 83,952.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 704.58 अंक बढ़ा था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 124.55 अंक चढ़कर 25,709.85 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से एशियन पेंट्स में सबसे अधिक 4.18 प्रतिशत की तेजी आई। महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज भी लाभ में रहीं। हालांकि, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, इटर्नल, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

ऑनलाइन कारोबार एवं संपत्ति प्रौद्योगिकी मंच एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर. ने कहा कि भारतीय बाजारों ने कारोबारी सप्ताह का समापन मजबूती के साथ किया। निफ्टी और बैंक निफ्टी दोनों ने ही अहम मनोवैज्ञानिक स्तर को पार किया। इसके पीछे संस्थागत भागीदारी और व्यापक खरीदारी की भूमिका रही।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बाजार ने ऊपर की तरफ बढ़ने का सिलसिला जारी रखा है और पिछले 52 सप्ताह का नया उच्च स्तर हासिल किया है। इसके पीछे खपत-केंद्रित शेयरों की अहम भूमिका रही। बैंकों की आय और संपत्ति गुणवत्ता में तनाव कम होने के संकेतों ने भी उद्योग में समग्र सकारात्मक धारणा को मजबूत किया।

मिड और स्मॉलकैप में आई गिरावट

छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सूचकांक 0.49 प्रतिशत गिर गया जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सूचकांक में 0.43 प्रतिशत की गिरावट रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में से टिकाऊ उपभोक्ता खंड में 1.48 प्रतिशत की तेजी रही जबकि एफएमसीजी (दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियां) खंड में 1.19 प्रतिशत, वाहन खंड में 0.59 प्रतिशत और स्वास्थ्य सेवा खंड में 0.50 प्रतिशत की बढ़त रही। साप्ताहिक आधार पर बीएसई सेंसेक्स में इस हफ्ते कुल 1,451.37 अंक यानी 1.75 प्रतिशत की बढ़त देखी गई जबकि एनएसई निफ्टी ने 424.5 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की तेजी दर्ज की।

डीआईआई ने 4,076.20 करोड़ के शेयर खरीदे

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 997.29 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी पिछले कारोबार में 4,076.20 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार दोपहर कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.92 प्रतिशत गिरकर 60.50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बीएसई सेंसेक्स गुरुवार को 862.23 अंक उछलकर 83,467.66 अंक और निफ्टी 261.75 अंक बढ़कर 25,585.30 अंक पर रहा था।

विदेशीमुद्रा भंडार घटकर 698 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.18 अरब डॉलर घटकर 697.78 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 27.6 करोड़ डॉलर घटकर 699.96 अरब डॉलर रहा था।

- सोने का मूल्य 100 अरब डॉलर के पार

रिजर्व बैंक के अनुसार, 10 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 5.60 अरब डॉलर घटकर 572.10 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 3.59 अरब डॉलर बढ़कर 102.36 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 13 करोड़ डॉलर घटकर 18.684 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत का आरक्षित भंडार 3.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.63 अरब डॉलर रहा।

24 व 48 घंटे में डिलीवरी की गारंटी के साथ नई सेवाएं पेश करेगा भारतीय डाक : सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय संचार मंत्री ने जनवरी से सेवाओं के शुरू होने के दिए संकेत

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय डाक 24 और 48 घंटे में 'डिलीवरी' की गांरटी के साथ डाक एवं पार्सल सेवा शुरू करेगा। मंत्री ने कहा कि जनवरी से 24 घंटे और 48 घंटे डाक वितरण तथा अगले दिन पार्सल वितरण शुरू हो जाएगा।

सिंधिया ने कहा कि हम डाक और पार्सल की डिलीवरी की गारंटी के साथ नई सेवाएं पेश करने जा रहे हैं। 24 घंटे की स्पीड पोस्ट सेवा होगी जो 24 घंटे के भीतर डाक की डिलीवरी सुनिश्चित करेगी। इसी तरह, 48 घंटे के भीतर डिलीवरी के लिए 48 घंटे की स्पीड पोस्ट सेवा होगी। ये सेवाएं जनवरी में शुरू की जाएंगी। मंत्री ने कहा कि पार्सल की अगले दिन डिलीवरी के लिए भी ऐसी ही सेवाएं होंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि पार्सल अगले दिन डिलीवर हो जाए जबकि अभी इसमें तीन से पांच दिन लगते हैं। सिंधिया ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2029 तक भारतीय डाक को लागत से लाभ केंद्र में तब्दील करना है।

भारतीय दूरसंचार सेवाएं शीर्ष तीन में

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भारतीय दूरसंचार सेवाएं विश्व स्तर पर शीर्ष तीन में शामिल हैं और इन्हें और बेहतर बनाने के प्रयास जारी हैं। सेल स्तर पर सेवा की गुणवत्ता की निगरानी के लिए एक अक्टूबर से और कड़े मानदंड लागू किए गए हैं। दूरसंचार नियामक ट्राई ने उन मानदंडों को लागू किया है, जिनका इस्तेमाल सर्कल स्तर से लेकर सेल स्तर तक सेवाओं की गुणवत्ता मापने के लिए किया जाता था। मंत्री ने कहा कि दूरसंचार परिचालकों ने नए मानदंडों के आधार पर पहली रिपोर्ट दी है और उन मुद्दों को हल करने के लिए चर्चा चल रही है।

भारत का रूसी तेल आयात अक्टूबर में बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

- अक्टूबर माह में 18 लाख बैरल प्रतिदिन रहा आयात

रूस से भारत का कच्चा तेल आयात अक्टूबर के पहले पखवाड़े में मजबूत हुआ, जिससे जुलाई-सितंबर के दौरान आवक में तीन महीने की गिरावट थम गई। जहाजों की आवाजाही से जुड़े आंकड़ो से यह जानकारी मिली।

त्योहारी मांग को पूरा करने के लिए रिफाइनरियां पूरी तरह से काम पर लौट आई हैं। रूस से आयात जून में 20 लाख बैरल प्रतिदिन से घटकर सितंबर में 16 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया था। अक्टूबर के आरंभ में हालांकि आंकड़ों से सुधार का संकेत मिलता है। भारत को यूराल और अन्य रूसी 'ग्रेड' के आयात में तेजी आई है जिसे पश्चिमी बाजारों में कमजोर मांग के बीच नए सिरे से छूट से समर्थन मिला है। वैश्विक व्यापार विश्लेषण कंपनी 'केप्लर' के प्रारंभिक आंकड़ों से पता चला है कि अक्टूबर में आयात 18 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रहा, जो पिछले महीने की तुलना में 2,50,000 बीपीडी की वृद्धि है। ये आंकड़े अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 15 अक्टूबर के उस बयान से पहले के हैं, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी रूसी कच्चे तेल के आयात को रोकने पर सहमत हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी बात की जानकारी नहीं है। केप्लर में प्रमुख शोध विश्लेषक (रिफाइनिंग एवं मॉडलिंग) सुमित रिटोलिया का मानना है कि ट्रंप का बयान आसन्न नीतिगत बदलाव का प्रतिबिंब होने के बजाय व्यापार वार्ता से जुड़ी दबाव की रणनीति अधिक है।

दुर्लभ खनिजों के लिए चिली, पेरू से समझौते के प्रयास

नई दिल्ली, एजेंसी

- गोयल बोले- अगले दौर की वार्ता को करेंगे इन देशों का दौरा

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि सरकार दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत, घरेलू खोज को बढ़ावा देना और स्टार्टअप को पुनर्चक्रण एवं प्रसंस्करण में शामिल करने जैसे कदम उठा रही है।

तांबा, लिथियम, निकल व कोबाल्ट जैसे दुर्लभ खनिज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, लड़ाकू विमान सहित कई उद्योगों के लिए जरूरी कच्चा माल हैं। ये खनिज स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी विनिर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। चिली, पेरू और ऑस्ट्रेलिया में इनके भंडार हैं। भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौता लागू हो चुका है और दक्षिण अमेरिकी देशों चिली एवं पेरू के साथ भी वार्ता जारी है। भारतीय टीम अगले दौर की व्यापार वार्ता के लिए इन देशों का दौरा कर रही है।

उद्योग को आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता की सलाह

गोयल ने एक कार्यक्रम में कहा कि चिली एवं पेरू जैसे दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ व्यापार समझौते की कोशिशों के पीछे दुर्लभ खनिजों की अहम भूमिका है। भारत घरेलू खोज बढ़ाने, अवशिष्ट से खनिज निकालने वाले स्टार्टअप, और देश में प्रसंस्करण सुविधाओं के निर्माण पर भी विचार कर रहा है। गोयल ने उद्योग को आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की सलाह देते हुए कहा कि हमें अपने आपूर्ति श्रृंखलाओं का मूल्यांकन करना चाहिए कि क्या वे किसी एक देश पर अधिक निर्भर हैं। यदि निर्भर हैं, तो हम कमजोर हो सकते हैं, खासकर उस समय जब व्यापार को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। उनका इशारा चीन की तरफ था, जिसने दुर्लभ खनिज तत्वों के निर्यात पर बंदिशें लगा दी हैं जिससे दुनिया भर में इन खनिजों की आपूर्ति बाधित है। उन्होंने बताया कि सरकार 10,000 करोड़ की कोषों का कोष योजना के लिए दिशानिर्देश तैयार कर रही है, जो स्टार्टअप फर्मों के लिए लंबी अवधि की वित्तीय सहायता पर केंद्रित है। गोयल ने पिछली कांग्रेस सरकारों पर आसियान, जापान और कोरिया के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) ठीक से न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब ये समझौते घरेलू उद्योग को लाभ नहीं पहुंचा रहे हैं।

आपको राष्ट्रपति संदर्भ पर फैसले का करना होगा इंतजार : सुप्रीम कोर्ट

तमिलनाडु सरकार से कहा- संविधान पीठ के फैसले के बाद मामले की सुनवाई होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि वह राज्यपाल आनएन रवि द्वारा तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी देने के बजाय उसे राष्ट्रपति के पास भेजने के उनके फैसले को चुनौती देने वाली उसकी याचिका पर निर्णय के लिए राष्ट्रपति के संदर्भ पर आने वाले फैसले का इंतजार करे।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि इस मुद्दे पर संविधान पीठ के फैसले के बाद मामले की सुनवाई की जाएगी। पीठ ने कहा कि आपको राष्ट्रपति के संदर्भ के नतीजे का इंतजार करना होगा। आपको मुश्किल से चार सप्ताह इंतजार करना होगा। संदर्भ पर 21 नवंबर (सीजेआई गवई की सेवानिवृत्ति) से पहले निर्णय लिया जाना है।

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति संदर्भ पर 11 सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। राष्ट्रपति संदर्भ में पूछा गया था कि क्या एक संवैधानिक अदालत राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा निर्धारित कर सकती है। तमिलनाडु सरकार ने शीर्ष अदालत में अपनी याचिका में कहा है कि विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ भेजने का राज्यपाल का कृत्य स्पष्ट रूप से असंवैधानिक, संविधान के अनुच्छेद 163(1) और 200 का उल्लंघन है तथा प्रारम्भ से ही अमान्य है।

याचिका के अनुसार, विधेयक को छह मई 2025 को राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजा गया था। साथ ही मुख्यमंत्री की सलाह भी थी कि इसे मंजूरी दी जाए। हालांकि, 14 जुलाई को राज्यपाल ने यूजीसी विनियम, 2018 के खंड 7.3 के साथ कथित टकराव का हवाला देते हुए विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेज दिया, जिस पर राज्य सरकार का कहना है कि यह कदम उनके संवैधानिक अधिकार क्षेत्र के बाहर है।

मुस्लिम कानून के तहत विधवाओं के उत्तराधिकार के अधिकार की पुष्टि

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी संपत्ति को बेचने का समझौता मालिकाना हक का हस्तांतरण नहीं करता है। न्यायालय ने यह व्यवस्था दी कि मृतक की सभी संपत्तियां पैतृक संपत्ति का हिस्सा हैं और इन्हें मुस्लिम कानून के अनुसार वितरित किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत मिश्रा की पीठ ने अपने फैसले में एक निचली अदालत के निर्णय के अंग्रेजी अनुवाद की खराब गुणवत्ता पर भी नाखुशी जताई और इस बात पर जोर दिया कि अपीलीय कार्यवाही में निष्पक्ष निर्णय सुनिश्चित करने के लिए अनुवाद में मूल पाठ के अर्थ और भावना को पूरी ईमानदारी से शामिल किया जाना चाहिए। यह फैसला मुंबई उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ जोहरबी नामक एक महिला की एक अपील पर आया। यह मामला चांद खान द्वारा छोड़ी गई संपत्तियों को लेकर पारिवारिक विवाद से उत्पन्न हुआ था, जिनकी मृत्यु हो गई और उनकी संतान नहीं है। खान की पत्नी जोहरबी ने संपत्ति के तीन-चौथाई हिस्से पर दावा करते हुए दलील दी कि यह मुस्लिम कानून के तहत 'मतरूक' संपत्ति है। चांद खान के भाई इमाम खान ने इस दावे का विरोध करते हुए दलील दी कि संपत्तियां चांद खान के जीवनकाल में ही बिक्री समझौतों के माध्यम से तीसरे पक्ष को हस्तांतरित कर दी गई थीं। पीठ ने कहा कि बिक्री समझौता किसी विशेष संपत्ति को खरीदने के लिए सहमत होने वाले पक्ष को न तो कोई अधिकार प्रदान करता है और न ही उसमें कोई हित निहित करता है। यह कानून में एक सर्वमान्य स्थिति है। इसने माना कि चूंकि बिक्री विलेख चांद खान की मृत्यु के बाद ही निष्पादित किए गए थे, इसलिए संपत्ति उनके निधन के समय भी उनके पास ही रही और इसलिए इसे 'मतरूक' संपत्ति माना जाना चाहिए।

अधिग्रहित भूमि पर अतिक्रमण करना सरासर घोटाला

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि राजस्थान आवास बोर्ड के लिए अधिग्रहित भूमि पर अतिक्रमण करना सरासर घोटाला है, जिसमें ऊपर से लेकर नीचे तक सभी की मिलीभगत है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट के दर्जनों आदेश हैं जिनमें कहा गया है कि अधिकारी इन निर्माणों को नियमित नहीं कर सकते। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि कई पीठों ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि जमीन अतिक्रमण मुक्त हो जाए। इस घोटाले के पीछे ये ताकतवर लोग हैं, जो इसे होने नहीं देते। पीठ ने यह टिप्पणी राजस्थान सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के 20 अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान की। उच्च न्यायालय ने राजस्थान आवास बोर्ड के लिए अधिग्रहित भूमि पर बसी अवैध कॉलोनियों को नियमित करने के लिए सरकार द्वारा 12 मार्च, 2025 को जारी आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी। अदालत ने यह भी निर्देश दिया था कि संबंधित भूमि पर किए गए किसी भी अतिक्रमण को ध्वस्त किया जाना चाहिए तथा ऐसे अवैध निर्माण की अनुमति देने वाले संबंधित अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई भी की जानी चाहिए।

प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में हाईकोर्ट के आदेश को रखा बरकरार

कर्नाटक में स्नातक प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती से संबंधित फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली अपीलों को खारिज कर दिया है, जिसने मामले को निर्णय के लिए कर्नाटक राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण (केएसएटी) को भेज दिया था। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और विजय बिश्नोई की पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया को लेकर सेवा संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए केएसएटी उचित मंच है। निर्णय लिखने वाले न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई ने कहा कि हमारा मानना है कि हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश द्वारा पारित निर्णय को सही ढंग से रद्द कर दिया है और अपीलकर्ताओं (ए) के पहले समूह की अपीलों को आंशिक रूप से स्वीकार करने और मामले को निर्णय के लिए केएसएटी को सौंपने में कुछ भी गैरकानूनी नहीं है। हाईकोर्ट के समक्ष उनकी याचिकाएं विचार योग्य नहीं हैं। कर्नाटक लोक शिक्षा विभाग की भर्ती के लिए 21 मार्च, 2022 को अधिसूचना जारी की गई थी, जिसमें 35 शैक्षणिक जिलों में कक्षा छठी से आठवीं के लिए स्नातक प्राथमिक शिक्षकों के 15,000 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

महाराष्ट्र में डिजिटल अरेस्ट मामले में सात लोग गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस ने 58 करोड़ की हेराफेरी से जुड़े सबसे बड़े डिजिटल अरेस्ट की जांच के तहत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि राज्य में साइबर अपराध से निपटने के लिए नोडल एजेंसी महाराष्ट्र साइबर ने खुलासा किया कि आरोपियों ने ठगी की रकम को वैध बनाने के लिए 6,500 फर्जी खातों का इस्तेमाल किया, जो फर्जी कंपनियों के नाम पर थे।

- अंतर्राष्ट्रीय धोखाधड़ी नेटवर्क से जुड़े है आरोपी, 58 करोड़ की हुई थी ठगी

हाल में मुंबई के 72 वर्षीय व्यवसायी की शिकायत के बाद महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने एक मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि 70 वर्षीय व्यक्ति के मामले में आरोपियों ने वीडियो कॉल कर फर्जी अदालती कार्यवाही और पुलिस पूछताछ की साजिश रची, जिससे उन्हें 40 दिनों में 58.13 करोड़ रुपये अंतरित करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये सात लोग अंतर्राष्ट्रीय धोखाधड़ी नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

हिजाब विवाद: दूसरे स्कूल में प्रवेश लेगी छात्रा, प्राचार्या ने नियम पालन पर पढ़ाई जारी रखने को कहा

कोच्चि, एजेंसी

- आठवीं की छात्रा के पिता ने कहा- बेटी उस स्कूल में वापस नहीं जाएगी
- केरल के शिक्षा मंत्री ने इसे आश्चर्यजनक और विडंबनापूर्ण बताया

कोच्चि के पल्लुरुति में चर्च द्वारा संचालित स्कूल में हिजाब पहनने को लेकर विवादों में आई छात्रा के माता-पिता ने बेटी के तनाव में होने का हवाला देते हुए उसका दाखिला किसी अन्य संस्थान में कराने का फैसला किया है जबकि स्कूल ने कहा कि अगर छात्रा नियमों का पालन करती है तो वह पढ़ाई जारी रख सकती है।

सेंट रीटा पब्लिक स्कूल की आठवीं की छात्रा के पिता ने शुक्रवार को बताया कि उनकी बेटी उस स्कूल में वापस नहीं जाएगी। इस बीच, छात्रा का समर्थन कर रहे केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने इसे आश्चर्यजनक और विडंबनापूर्ण बताया कि एक शिक्षिका ने छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति नहीं दी जबकि वह खुद स्कार्फ पहने हुए थीं। छात्रा के पिता ने कहा कि हिजाब वाली घटना के बाद से मेरी बेटी तनाव में है। उसने साफ कह दिया था कि वह वहां नहीं जाना चाहती इसलिए हमने उसकी इच्छा का सम्मान करने का फैसला किया है। हमने उसके दाखिले के लिए दूसरे विद्यालयों से संपर्क किया है। हम एक स्कूल से बातचीत कर रहे हैं जो उसे दाखिला देने को राजी हो गया है लेकिन हम सभी उपलब्ध विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। विवाद शुरू होने के बाद से न तो शिक्षकों और न ही स्कूल के प्रबंधन ने परिवार से संपर्क किया है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब स्कूल ने अपनी 'ड्रेस कोड' नीति का हवाला देते हुए छात्रा के हिजाब पहनने पर आपत्ति जताई। बाद में यह मुद्दा बड़े विवाद में बदल गया, जब सामान्य शिक्षा मंत्री शिवनकुट्टी ने छात्रा का समर्थन किया। छात्रा के माता-पिता 10 अक्टूबर को स्कूल पहुंचे और उन्होंने प्रबंधन के रुख पर सवाल उठाया जिसके बाद स्कूल ने दो दिन की छुट्टी घोषित कर दी थी।

प्रदर्शन की राजनीति का करें चयन : शाह

पटना, एजेंसी

बिहार विस चुनाव

- पटना के ज्ञान भवन में आयोजित सम्मेलन को केंद्रीय गृहमंत्री ने किया संबोधित

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि बिहार के लोगों को परिवारवाद की राजनीति को खारिज करते हुए प्रदर्शन की राजनीति को चुनना चाहिए तथा यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रदेश में 'जंगलराज' की कभी वापसी नहीं हो। उन्होंने पटना के ज्ञान भवन में बुद्धिजीवियों के सम्मेलन में दावा भी किया कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) जैसी पार्टियां वंशवाद को बढ़ावा देती हैं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सुशासन और विकास की राजनीति का प्रतीक है।

भाजपा नेता शाह ने कहा कि जनता को यह तय करना होगा कि वह प्रदर्शन की राजनीति चाहती है या परिवार की राजनीति। कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियां केवल परिवार के हितों के लिए काम करती हैं, जबकि राजग सरकार ने बिहार को जंगल राज से बाहर निकालकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाया है। गृह मंत्री ने नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहा कि यह पहला विधानसभा चुनाव होगा जिसमें पूरे बिहार में मतदान शाम पांच बजे तक चलेगा, क्योंकि राज्य अब नक्सलमुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में बिहार को जंगल राज से मुक्त कर सुशासन की नींव रखी है।

शाह ने मुख्यमंत्री की सराहना करते हुए कहा कि नीतीश ने 15 वर्षों तक बिहार की खोई हुई गरिमा को बहाल किया और अब नया व विकसित बिहार बनाने की आधारशिला रखी है। उन्होंने सुशासन की नींव डाली, इसलिए उन्हें 'सुशासन बाबू' कहा जाता है। उनका कहना था कि डबल इंजन की सरकार में बिहार में बड़े स्तर पर बुनियादी ढांचा विकसित हुआ है। गंगा पर कई विशाल पुलों का निर्माण हो रहा है, चार नए हवाई अड्डे बने हैं, दरभंगा में नया एम्स बन रहा है। यह राजग सरकार का तीसरा चरण है और अब लक्ष्य है कि बिहार में भारी उद्योग स्थापित हों, जिससे बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो। उन्होंने दावा किया, "ऐसे काम न तो लालू जी कर सकते हैं, न राहुल जी। शाह ने कहा कि नई सरकार बिहार को डेटा सेंटर हब बनाने और प्रवासनमुक्त राज्य बनाने की दिशा में काम करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बिहार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की क्रांति का नेतृत्व कर सकता है।

सक्रिय कार्रवाई करें सुरक्षा एजेंसियां : ईसी

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने शुक्रवार को प्रवर्तन एजेंसियों और सुरक्षा बलों से बिहार चुनाव के दौरान सक्रिय और निवारक कार्रवाई करने को कहा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए मादक पदार्थों, शराब और नकदी का इस्तेमाल न हो। आयोग ने कहा कि यह बैठक चुनाव में नकदी और अन्य प्रलोभनों के हानिकारक प्रभावों से निपटने के लिए व्यापक रुपरेखा तैयार करने के लिए आयोजित की गई थी। विभिन्न एजेंसियों ने आयोग को अपनी तैयारियों, प्रलोभन मुक्त चुनाव के लिए किए उपायों और प्रस्तावित कदमों के बारे में जानकारी दी। आयोग ने कहा कि ब्रीफिंग में, चुनावों को प्रभावित करने के लिए नकदी और अन्य प्रलोभनों के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने से संबंधित कई विषयों पर चर्चा की गई। आयोग ने निर्देश दिया कि प्रभावी कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच आर्थिक अपराधों की खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान और सहयोग होना चाहिए।

संविधान पर भरोसा...

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के जगदलपुर में स्थित पुलिस लाइन में नक्सलियों ने भारी संख्या में आत्मसमर्पण किया। इस मौके पर हाथ में भारत के संविधान की प्रतियां लेकर राष्ट्र के नियम-कायदों के प्रति विश्वास जताया।

एआई आधारित सामग्री में त्रुटियों का बढ़ता बोझ

क्या आपने कभी अपनी नौकरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल काम की गुणवत्ता या सटीकता की दोबारा जांच किए बिना किया है? अगर हां, तो आप अकेले नहीं होंगे। एक वैश्विक अध्ययन से पता चलता है कि कार्यस्थल पर एआई का इस्तेमाल करने वाले दो-तिहाई कर्मचारी बिना मूल्यांकन किए एआई सामग्री पर निर्भर रहे हैं। इन नई चुनौतियां का सामना कई संगठन कर रहे हैं। आइए जानते हैं इसका कारण और समाधान।

उचित सामग्री का अभाव

एआई सुविधा के साथ चुनौतियां भी पैदा कर रहा है। इसी हफ्ते, कंसल्टिंग फ़र्म डेलॉइट ऑस्ट्रेलिया ने औपचारिक रूप से माफ़ी मांगी, क्योंकि संघीय सरकार के लिए तैयार की गई 440,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की एक रिपोर्ट में एआई से जुड़ी कई त्रुटियां पाई गईं। इसी पृष्ठभूमि में वर्कस्लोप शब्द चर्चा में आया है। हाल में हार्वर्ड बिज़नेस रिव्यू के एक लेख में आया यह शब्द एआई द्वारा निर्मित ऐसी सामग्री को संदर्भित करता है जो देखने में तो अच्छी लगती है, लेकिन किसी दिए गए कार्य को सार्थक रूप से आगे बढ़ाने के लिए इसमें उचित सामग्री का अभाव होता है। समय की बर्बादी के अलावा, कार्यस्थल पर वर्कस्लोप सहयोग और विश्वास को भी कम करता है।

समस्या का कारण

एआई आधारित सामग्री में त्रुटियों का मुख्य कारण यह है कि कर्मचारी एआई द्वारा उत्पन्न सामग्री की जांच किए बिना उसका उपयोग कर रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार, 66% कर्मचारी एआई सामग्री पर निर्भर रहते हैं बिना मूल्यांकन किए। इससे न केवल त्रुटियों की संभावना बढ़ जाती है, बल्कि यह भी प्रभावित करता है कि दूसरे लोग आपके काम को कैसे देखते हैं।

चुनौतियां

- **काम का बोझ बढ़ना :** एआई द्वारा उत्पन्न त्रुटियों को सुधारने में अतिरिक्त समय और संसाधनों की आवश्यकता होती है।
- **विश्वास की कमी :** एआई आधारित सामग्री में त्रुटियों के कारण दूसरों का विश्वास कम हो सकता है।
- **प्रतिष्ठा को नुकसान :** एआई आधारित सामग्री में त्रुटियों के कारण संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है।

समाधान

- **एआई का चयनात्मक उपयोग :** एआई का उपयोग करने से पहले यह तय करें कि क्या यह काम के लिए उपयुक्त है।
- **सत्यापन और संपादन :** एआई द्वारा उत्पन्न सामग्री को सत्यापित और संपादित करें।
- **पारदर्शिता :** एआई के उपयोग के बारे में पारदर्शी रहें और दूसरों को इसके बारे में सूचित करें।
- **एआई साक्षरता और प्रशिक्षण :** कर्मचारियों को एआई साक्षरता और प्रशिक्षण प्रदान करें ताकि वे एआई का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें।
- **स्पष्ट दिशानिर्देश और सुरक्षा निर्देश :** नियोक्ताओं को स्पष्ट दिशानिर्देश और सुरक्षा निर्देश प्रदान करने चाहिए ताकि कर्मचारी एआई का उपयोग जिम्मेदारी से कर सकें।

वर्ल्ड ब्रीफ

मेडागास्कर में कर्नल रांद्रियनिरीना बने राष्ट्रपति

अंतानानारिवो। मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट के तीन दिन बाद सेना के एक कर्नल ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ली, जिसके कारण सत्ता से बेदखल राष्ट्रपति को देश छोड़कर छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा। कर्नल माइकल रांद्रियनिरीना (सेना की एक विशेष इकाई के कमांडर) ने देश के उच्च संवैधानिक न्यायालय की मुख्य सभा में आयोजित समारोह में पद की शपथ ली। उनका यह पद ग्रहण समारोह ऐसे समय हुआ है जब उन्होंने केवल तीन दिन पहले घोषणा की थी कि सशस्त्र बल हिंद महासागर के लगभग तीन करोड़ जनसंख्या वाले इस द्वीपीय देश की सत्ता संभालने जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने इस तख्तापलट को असंवैधानिक परिवर्तन करार देते हुए निंदा की है। कई अन्य देशों ने अहम प्रतिक्रियाएं व्यक्त की हैं जिनमें मेडागास्कर पर पूर्व में शासन कर चुका फ्रांस भी शामिल है।

चीन में सेना के नौ वरिष्ठ अधिकारी दंडित

बीजिंग। रक्षा मंत्रालय ने सेना के शीर्ष अधिकारियों पर कार्रवाई का खुलासा करते हुए कहा कि चीन के दूसरे शीर्ष सैन्य जनरल के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच की जा रही है, जबकि नौ वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को अनुशासन के उल्लंघन और कर्तव्य-संबंधी लापरवाही बरतने के अपराधों के लिए दंडित किया गया है। सेना के प्रवक्ता वरिष्ठ कर्नल झांग शियाओगांग ने बताया कि केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के उपाध्यक्ष और 24-सदस्यीय पोलित ब्यूरो के सदस्य हे वेइदोंग को सत्तारूढ़ 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना' और सेना से निष्कासित कर दिया गया है।

कज्जाफी के बेटे को रिहा करने का आदेश

बेरूत। लेबनान के अधिकारियों ने लीबिया के दिवंगत नेता मुअम्मर कज्जाफी के बेटे को 1.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की जमानत राशि अदा करने की शर्त पर रिहा करने का शुक्रवार को आदेश दिया। हनीबल कज्जाफी बिना किसी आरोप के एक दशक से लेबनान में कैद हैं। हन्नीबल की अपेक्षित रिहाई ऐसे समय होने वाली है जब उनके वकीलों ने कहा था कि बेरूत में पुलिस मुख्यालय में अपने कक्ष में वह बीमार हैं। शुक्रवार को न्यायिक अधिकारियों ने बताया कि हन्नीबल को बेरूत की अदालत ले जाया गया, जहां न्यायाधीश जाहेर हमादेह ने धनराशि का भुगतान हो जाने पर उनकी रिहाई का आदेश दिया। हनीबल के वकीलों में से एक, चारबेल मिलाद अल-खौरी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि उनके पास जमानत राशि का भुगतान करने के लिए धन नहीं है और न ही उनके पास खातों तक पहुंच है।

गाजा में खून खराबा जारी रहा तो हमास का खात्मा करना पड़ेगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी चेतावनी, लेकिन अपने सैनिक नहीं भेजेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को हमास को चेतावनी दी कि अगर गाजा में खून खराबा जारी रहा तो हमें मजबूरन वहां जाकर उसका खात्मा करना पड़ेगा। यह चेतावनी उस समय दी गई जब पिछले हफ्ते इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम और बंधक समझौते के बाद से क्षेत्र में जारी हिंसा को ट्रंप ने पहले मामूली बताया था। बहरहाल, हमास को चेतावनी देने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका अपने सैनिक गाजा नहीं भेजेगा। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि यह हम नहीं करेंगे। हमारे नजदीक ऐसे लोग हैं जो यह काम बहुत आसानी से कर लेंगे, लेकिन हमारी देखरेख में।

ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि हमास ने कुछ बहुत बुरे गिरोहों को खत्म कर दिया है और गिरोह के कई सदस्यों की हत्या की है। उन्होंने यह भी कहा कि सच कहूं तो इससे मुझे ज़्यादा फर्क नहीं पड़ा। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह अपनी धमकी को कैसे लागू करेंगे और अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

फिर भी ट्रंप ने यह साफ किया कि गाजा में हमास द्वारा प्रतिद्वंद्वी गुटों की हत्या किए जाने को लेकर उनका धैर्य सीमित है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने हथियार डालने होंगे, वरना हम उन्हें निशस्त्र करेंगे और यह जल्दी एवं संभवतः हिंसक तरीके से होगा। गाजा में 18 साल पहले सत्ता में आने के बाद हमास की पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कायम की थी, लेकिन हाल के महीनों में इजराइली हमलों और कब्जे के कारण उनकी पकड़ कमजोर पड़ गयी है। स्थानीय सशस्त्र गिरोहों और इजराइल समर्थित गुटों पर मानवीय सहायता लूटने और बेचने के आरोप हैं।

गाजा में 83 प्रतिशत इमारतें नष्ट

ऑकलैंड। गाजा पट्टी भूमि का लगभग 40 किमी लंबा और 11 किमी चौड़ा एक तबाह हिस्सा है और लगभग 23 लाख लोग करीब 360 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में बसे हुए हैं। यह मध्य सिडनी से बमुश्किल ही बड़ा है। हजारों वर्षों से लोग और साम्राज्य इस क्षेत्र में बसते रहे हैं, इस पर निर्माण करते रहे हैं, इसके लिए लड़ते रहे हैं और इसे नष्ट करते रहे हैं। गाजा की भयावह स्थिति इज़राइल-फलस्तीन युद्ध के परिणाम विनाशकारी रहे हैं। मानवीय क्षति बहुत अधिक है : संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 67,000 से अधिक फ़लस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 1,70,000 घायल हुए हैं। 7 अक्टूबर, 2023 से अब तक लगभग 1,200 इज़राइली मारे गए हैं और 5,400 घायल हुए हैं। गाजा स्वयं कई क्षेत्रों में जमींदोज हो चुका है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि गाजा शहर में 83 प्रतिशत ढांचे और आवासीय इकाइयां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। यहां पुनर्निर्माण की आवयकता है। गाजा की जीवन-निर्वाह क्षमता सवालों के घेरे में है। हाल ही में हुए युद्धविराम से दीर्घकालिक शांति की संभावना है।

जेलेंस्की के साथ बैठक के बाद पुतिन से मिलेंगे ट्रंप

वांशिगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के अपने प्रयासों को तेज करते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से दूसरी बार मुलाकात करने की घोषणा की। ट्रंप इससे पहले शुक्रवार को 'व्हाइट हाउस' में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को पुतिन के साथ फोन पर हुई बातचीत के तुरंत बाद उनसे मुलाकात की घोषणा की। बैठक की तारीख अभी तय नहीं की गई है लेकिन ट्रंप ने कहा कि यह बैठक हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में होगी और यह करीब दो सप्ताह में हो सकती है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मेरा मानना है कि आज टेलीफोन पर हुई बातचीत से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। दोनों नेताओं की पिछली मुलाकात अगस्त में अलास्का में हुई थी लेकिन तब रूस और यूक्रेन के बीच युद्धविराम के मामले में कोई कूटनीतिक प्रगति नहीं हो सकी थी।

शुल्क को लेकर ट्रंप प्रशासन पर केस

एच-1बी वीजा

- गृह सुरक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय तथा उनके सचिव को प्रतिवादी बनाया

वाशिंगटन। अमेरिकी वाणिज्य मंडल (चैम्बर ऑफ कॉमर्स) ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा सभी नई एच-1बी वीजा याचिकाओं पर एक लाख डॉलर का शुल्क लगाने के फैसले के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

संगठन ने इसे भ्रमित करने वाली नीति और स्पष्ट रूप से अवैध बताया है, जो अमेरिकी नवाचार और प्रतिस्पर्धा को कमजोर कर सकती है। यह मुकदमा गुरुवार को कोलंबिया की जिला अदालत में दायर किया गया है, जिसमें 19 सितंबर को जारी राष्ट्रपति के एक आदेश को चुनौती दी गई है। इसमें कहा गया है कि यह आदेश कांग्रेस के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करता है, जो एच-1बी वीजा कार्यक्रम को नियंत्रित करती है। गृह सुरक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय तथा उनके सचिव क्रिस्टी एल. नोएम और मार्को रुबियो को प्रतिवादी बनाया गया है। वाणिज्य मंडल के कार्यकारी उपाध्यक्ष नील ब्रैडली ने कहा कि इतना अधिक शुल्क अमेरिकी स्टार्टअप्स और छोटे-मझोले व्यवसायों के लिए इस कार्यक्रम का उपयोग असंभव बना देगा। राष्ट्रपति का यह आदेश कांग्रेस द्वारा तय की गई फीस और अमेरिका में काम करने की अनुमति देने वाले प्रावधानों के विपरीत है।

सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग सिख की मौत पुलिस जांच में जुटी

लंदन। ब्रिटेन में पूर्वी इंग्लैंड के लिसेस्टर शहर में एक सड़क दुर्घटना में एक बुजुर्ग ब्रिटिश सिख व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस इस घटना की पूरी परिस्थितियों की जांच कर रही है। जोगिंदर सिंह (87) लिसेस्टर शहर के होली बोन्स इलाके में स्थित गुरु नानक गुरुद्वारे के बाहर थे, जब उन्हें स्थानीय परिषद के सड़क-सफाई वाहन ने टक्कर मार दी। सिंह इस गुरुद्वारे के संस्थापकों और उपाध्यक्षों में से एक थे और रोजाना वहां जाया करते थे।

पुलिस को सोमवार दोपहर को घटना की जानकारी दी गई। ईस्ट मिडलैंड्स एंबुलेंस सर्विस ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन कुछ घंटों बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। लिसेस्टरशायर पुलिस के डिटेक्टिव सार्जेंट माइक स्टीयर ने कहा कि इस दुखद घटना के बाद हम यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि यह टक्कर वास्तव में कैसे हुई।

पाकिस्तान में आर्मी कैंप पर हमला, 7 सैनिकों की मौत

- 13 घायल, विस्फोटक लदी गाड़ी को चारदीवारी से टकराया
- सैनिकों ने हमलावर सहित चार आतंकवादियों को मार गिराया

पेशावर, एजेंसी

पाकिस्तान के उत्तरी वज़ीरिस्तान के मीर अली में एक सैन्य शिविर पर हुए एक आत्मघाती हमले में सात पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई जबकि 13 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को इस हमले की पुष्टि की। पुलिस के अनुसार, हमला तब हुआ जब तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदी एक गाड़ी सैन्य परिसर में दीवार से टकरा दी। विस्फोट के बाद भीषण गोलीबारी शुरू हो हुई जिसमें टीटीपी के तीन लड़ाके भी मारे गए। आत्मघाती विस्फोट से आस-पास के घरों को बहुत नुकसान पहुंचा तथा घटनास्थल से प्राप्त वीडियो के अनुसार हवा में घना काला धुआं उठता हुआ दिखाई दिया।

टीटीपी ने औपचारिक रूप से इस हमले की जिम्मेदारी ली है और कहा है कि उसके खालिद बिन वलीद आत्मघाती दस्ते और तहरीक तालिबान गुलबहादर ने इस हमले को अंजाम दिया है। यह हमला पाकिस्तानी सेना और अफगान तालिबान के बीच डूरंड रेखा पर 48 घंटे के युद्धविराम के बाद हुआ है जब एक सप्ताह तक चली भीषण सीमापार झड़पों में दोनों ओर के दर्जनों लड़ाके मारे गए थे। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने दावा किया था कि अफगान तालिबान के अनुरोध पर बुधवार शाम को युद्ध विराम पर सहमति बनी थी। इस्लामाबाद के अनुसार, क्षेत्र में भारी झड़पें जारी रहने के कारण पाकिस्तानी सेना ने हमलावर हेलीकॉप्टरों एवं अर्धसैनिक बलों को तैनात किया है।

न्यूयॉर्क में दिवाली उत्सव महापौर ने की मेजबानी

- भारतीय समुदाय के योगदान पर प्रकाश डाला

न्यूयॉर्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के महापौर एरिक एडम्स ने अपने आधिकारिक आवास पर एक शानदार दिवाली उत्सव की मेजबानी की, जिसमें उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया और शहर के सांस्कृतिक एवं आर्थिक ताने-बाने में उनके योगदान की सराहना की।

यहां भारतीय मिशन ने गुरुवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास की ओर से, उप महावाणिज्य दूत विशाल जे. हर्ष ने दिवाली की शुभकामनाएं दीं और त्योहार के प्रकाश, आशा और आनंद के चिरस्थायी संदेश के बारे में बात की। इसमें कहा गया कि महापौर ने भारतीय समुदाय का गर्मजोशी से स्वागत किया और न्यूयॉर्क के सांस्कृतिक और आर्थिक ताने-बाने में उनके योगदान की सराहना की।

बांग्लादेश में संसद परिसर में घुसे प्रदर्शनकारी, जमकर उपद्रव

- संसद भवन के अस्थायी स्वागत और नियंत्रण कक्ष के फर्नीचरों में लगाई आग, पुलिस वाहन तोड़े
- पुलिस ने उपद्रव कर रही भीड़ को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के छोड़े, किया लाठीचार्ज

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश पुलिस ने संसद के पास एकत्र प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए शुक्रवार को आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठीचार्ज किया और तेज आवाज करने वाले ग्रेनेड का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों के वहां से जाने से इन्कार करने पर यह कार्रवाई की गई।

जुलाई चार्टर नामक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर करने को लेकर अनिश्चितता के बीच, प्रदर्शनकारी संसद के पास एकत्र हुए थे। 'बीडीन्यूज24 डॉट कॉम' के अनुसार, जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर समारोह के लिए बनाए गए मंच के सामने सैकड़ों प्रदर्शनकारी एकत्र हुए थे, जो अगस्त 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले प्रदर्शनों के दौरान घायल हुए लोगों के लिए कानूनी सुरक्षा और पुनर्वास की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी सुबह संसद भवन के मुख्य द्वार पर चढ़कर परिसर में कथित तौर पर घुस गए और फिर मंच के सामने इकट्ठा हो गए।

समाचार पोर्टल के अनुसार, जब सुरक्षा बलों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो प्रदर्शनकारी अतिथियों के लिए आरक्षित कुर्सियों पर बैठ गए और नारे लगाने लगे। प्रदर्शनकारियों ने दो पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की, संसद भवन के सामने बने अस्थायी स्वागत कक्ष, अस्थायी नियंत्रण कक्ष और फर्नीचर में आग लगा दी। पुलिस ने उन्हें खदेड़ने के लिए बल प्रयोग किया। अधिकारियों ने उन्हें संसद परिसर से खदेड़ दिया तथा उन पर आंसू गैस और तेज आवाज करने वाले ग्रेनेड दागे।

अंतरिम सरकार ने तैयार किया था मसौदा

अंतरिम सरकार द्वारा गठित आयोग और राजनीतिक दलों के बीच लंबी बातचीत के बाद जुलाई चार्टर का मसौदा तैयार किया गया था। सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की प्रमुख सहयोगी, नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) ने कहा है कि वह इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं करेगी। यूनुस के आशीर्वाद से फरवरी में गठित छात्र-नेतृत्व वाले इस संगठन के मुख्य समन्वयक हसनत अब्दुल्ला ने गुरुवार देर रात एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर नहीं करेगी। एनसीपी के संयोजक नाहिद इस्लाम ने पूर्व में कहा था कि कुछ राजनीतिक दल आम सहमति (राष्ट्रीय) के नाम पर इस दस्तावेज पर हस्ताक्षर कर रहे हैं और लोगों को धोखा दे रहे हैं। सरकार के अनुसार, राष्ट्रीय सहमति आयोग द्वारा तैयार किए गए चार्टर में देश चलाने के लिए 80 से अधिक सिफारिशें शामिल थीं। हसीना की पार्टी अवामी लीग इस चर्चा का हिस्सा नहीं थी क्योंकि अंतरिम सरकार ने एक शासकीय आदेश के तहत अपने नेताओं पर मुकदमा चलने तक अपनी गतिविधियों को रोक दिया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वादशी 12.18 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

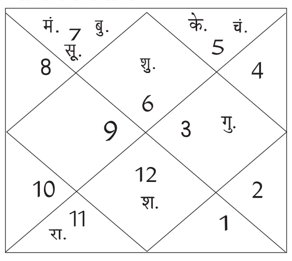

दिशाशूल-पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल-मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 15.41 तक तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी।

मेष — आज घर में आपका मन नहीं लगेगा। छोटे बच्चों की सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी। अकारण यात्रा करनी पड़ सकती है। छात्र अपने करियर को लेकर कुछ बड़े निर्णय ले सकते हैं। पिता का सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त होगा।

वृष — आज आपके सभी काम आसानी से पूर्ण हो जाएंगे। नौकरी बदलने के लिए समय बहुत ही अच्छा है। कानूनी विवादों से छुटकारा मिलने की प्रबल संभावना है। यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण लोगों से आपका परिचय हो सकता है।

मिथुन — आज ईर्ष्यावश किसी की भी आलोचना न करें। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिलने की संभावना है। लोग आपकी काफी सहायता करेंगे। आपके ऊपर कठिन कार्यों का दायित्व आ सकता है। क्रोधी स्वभाव के कारण लोग आपसे नाराज हो सकते हैं।

कर्क — आज तकनीकी क्षेत्र से जुड़े करियर में उच्च पद प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। आपके मन में रचनात्मक विचार आएंगे। कोई बड़ा व्यापारिक अनुबंध हो सकता है।

सिंह — आज आपके मन में अज्ञात भय व्याप्त हो सकता है। लोगों को खुश करने के प्रयास में अपनी खुशियों को दांव पर न लगाएं। परिवार के लोगों से नाराज हो सकते हैं। विदेश से मित्रों के संदेश मिलेंगे। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे।

कन्या — आज मन में नई योजनाएं जन्म लेंगी। घर में सुख-समृद्धि का वातावरण रहेगा। पैतृक संपदा से जुड़े विवादों का आपके पक्ष में निपटारा हो सकता है। जीवनसाथी के प्रति प्रेम भाव बढ़ेगा। विवाह योग्य जातकों का विवाह तय हो सकता है।

तुला — आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नए प्रकल्पों पर आप कार्य आरंभ कर सकते हैं। व्यापार में सामान्य लाभ प्राप्त होगा। उच्च अधिकारी आपको अत्यधिक सम्मान देंगे। भूमि और संपत्ति में आप निवेश कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज सरकारी नौकरी कर रहे जातकों के अधिकार बढ़ेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन शानदार रहने वाला है। परिवार में सुख-शांति और स्थिरता रहेगी। अति आत्मविश्वास के कारण काम बिगड़ भी सकते हैं। मित्र के माध्यम से व्यापार में आपका प्रभाव बढ़ेगा।

धनु — आज व्यवहार में संयम और सावधानी रखें। वरिष्ठ अधिकारी आपके काम में बाधा डालने का प्रयास कर सकते हैं। उत्साह में कमी रहेगी। सहकर्मी आपका अनादर कर सकते हैं। व्यापार में बड़ा जोखिम लेने से बचें। पैरों में चोट या दर्द की शिकायत हो सकती है।

मकर — आज व्यापार को लेकर बड़े लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। आपकी इच्छाशक्ति और आत्मबल में वृद्धि होगी। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों को उच्च आर्थिक लाभ मिलेगा। आपका स्वास्थ्य बहुत ही अच्छा रहेगा।

कुंभ — आज युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में बेहतरीन परिणाम प्राप्त होंगे। कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। परिवार के लोगों से आपको सराहना मिलेगी। मौसम में बदलाव के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

मीन — आज नए व्यवसाय को शुरू करने की योजना बनाएंगे। आपकी आय बढ़ने के योग बन रहे हैं। लोग आपके व्यवहार की प्रशंसा करेंगे। विदेश यात्रा में परेशानी हो सकती है। मित्रों के माध्यम से अच्छे संदेश प्राप्त हो सकते हैं।

सुडोकू-133

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7			9			6
6			5					
2					4			
	1			4	8			
9			3					8
			9	5				
			4		7			
	4				1			
7	2					3		

सुडोकू - 132 का हल

3	2	5	1	9	7	6	4	8
4	7	8	2	5	6	9	1	3
9	1	6	3	8	4	5	2	7
7	6	3	9	1	5	4	8	2
2	5	4	7	6	8	3	9	1
8	9	1	4	2	3	7	5	6
1	4	9	6	3	2	8	7	5
6	8	2	5	7	9	1	3	4
5	3	7	8	4	1	2	6	9

> रोहित और कोहली को दो साल बाद होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में खेलते हुए देखना चाहेंगे, हालांकि आगामी सीरीज ऑस्ट्रेलिया में उनकी आखिरी श्रृंखला होने की उम्मीद है। शायद विराट सफेद गेंद का सबसे महान खिलाड़ी है। रोहित भी शायद बहुत पीछे नहीं हैं।
> -ट्रेविस हेड

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
मुरादाबाद, शनिवार 18 अक्टूबर 2025

हाईलाइट

निक मैडिन्सन ने कैंसर से जूझने का खुलासा किया

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट क्रिकेटर निक मैडिन्सन ने खुलासा किया है कि इस साल की शुरुआत में वृषण (टेस्टिकुलर) कैंसर का पता चलने के बाद उन्होंने कीमोथेरेपी करवाई थी लेकिन अब वे अपना करियर फिर से शुरू करने के लिए पूरी तरह से स्वस्थ हैं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तीन टेस्ट और छह एकदिवसीय मैच खेलने वाले इस 33 साल के खिलाड़ी ने बताया कि उन्हें इस साल मार्च में न्यू साउथ वेल्स टीम से बाहर होना पड़ा था। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने मैडिन्सन के हवाले से लिखा जब मुझे पता चला कि मुझे कीमोथेरेपी करवानी है, तो इससे निपटना मेरे लिए काफी मुश्किल था।

भारत जोहोर कप के फाइनल में

जोहोर बाहरू (मलेशिया) : भारत ने शुक्रवार को यहां अपने अंतिम ग्रुप मैच में मेजबान मलेशिया को 2-1 से हराकर सुल्तान ऑफ जोहोर कप जूनियर हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। भारत के लिए गुरजोत सिंह (22वें मिनट) और सौरभ आनंद कुशवाहा (48वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। मलेशिया की ओर से एकमात्र गोल 43वें मिनट में नवनीश पैनिकर ने किया। भारतीय टीम अब शनिवार को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। भारत ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप में 12वीं बार हिस्सा लेते हुए रिकॉर्ड आठवीं बार फाइनल में जगह बनाई है।

ग्रीन की जगह लाबुशेन ऑस्ट्रेलियाई टीम में

पर्थ : मार्नस लाबुशेन को रविवार से भारत के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के लिए शुक्रवार को चोटिल ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की जगह ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया। ग्रीन मांसपेशियों में जकड़न के कारण श्रृंखला से बाहर रहेंगे क्योंकि चयनकर्ता अगले महीने शुरू होने वाली एशेज श्रृंखला से पहले कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। ऑस्ट्रेलियाई टीम : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मैथ्यू कुहनेमन, मार्नस लाबुशेन, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क।

शांता रंगास्वामी अध्यक्ष चुनी गईं

नई दिल्ली : भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी को भारतीय क्रिकेटरों के संघ (आईसीए) का अध्यक्ष चुना गया जबकि दिल्ली के पूर्व सलामी बल्लेबाज वेंकट सुंदरम को सचिव नामित किया गया। दीपक जैन कोषाध्यक्ष हैं जबकि सदस्य प्रतिनिधि ज्योति थत्ते और संतोष सुब्रमण्यम हैं। आईसीए बोर्ड ने महिला टीम की पूर्व कप्तान सुधा शाह और शुभांगी कुलकर्णी को बीसीसीआई शीर्ष समिति और आईपीएल संचालन समिति में अपने प्रतिनिधि के रूप में नामित किया है।

नाओमी ओसाका जापान ओपन से हटीं

ओसाका : नाओमी ओसाका बाएं पैर में चोट के कारण शुक्रवार को यहां जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल से हट गईं। मैच से पहले ओसाका के हटने से जैकलिन क्रिस्टियन को वाकओवर मिला और वह सेमीफाइनल में पहुंच गईं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा कि शीर्ष वरीय ओसाका दूसरे दौर के मैच के दौरान लगी चोट से नहीं उबर पाईं। क्रिस्टियन ने इस साल तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में

ओडेन्से (डेनमार्क) : भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने शुक्रवार को यहां सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और रहमत हिदायत को हराकर डेनमार्क ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टूर्नामेंट में छठी वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 65 मिनट तक चले कड़े क्वार्टर फाइनल में गैर-वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी को 21-15, 18-21, 21-16 से हराया।

आंध्र प्रदेश के खिलाफ बल्लेबाजी में डटे रिंकू सिंह ने उत्तर प्रदेश की उम्मीदों को जीवंत रखा। अमृत विचार

रणजी ट्रॉफी : संघर्षरत यूपी को रिंकू का सहारा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आंध्र प्रदेश के 470 रनों के जवाब में तीसरे दिन छह विकेट पर 294 रन बनाए
- रिंकू सिंह नाबाद 82 रन बनाकर क्रीज पर डटे, उप्र अभी भी 176 रन पीछे

अमृत विचार। रणजी मुकाबले के तीसरे दिन ग्रीनपार्क स्टेडियम में यूपी टीम कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सकी। कप्तान करन, प्रियम, आराध्य के बल्ले नहीं चले। हालांकि, माधव और आर्यन के बाद अब रिंकू सिंह का ही यूपी को सहारा है, जो नाबाद 82 रन बनाकर अपने शतक की ओर से बढ़ रहे हैं।

रिंकू ने हावी हो रहे आंध्र प्रदेश के गेंदबाजों के खिलाफ सूझबूझ से खेले और पारी में पिछड़ने के खतरे को काफी कम किया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक आंध्र प्रदेश के 470 रनों के जवाब में यूपी 111 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 294 रन बना चुका है, लेकिन पहली पारी के आधार अभी भी 176 रन पीछे है। पिच पर रिंकू का साथ 28 रन बनाकर विप्रराज निगम दे रहे हैं। अब मैच के अंतिम दिन रिंकू के कंधों पर ही घरेलू मैदान में टीम लाज बचाने की जिम्मेदारी होगी। ग्रीनपार्क स्टेडियम में शुक्रवार को एक विकेट के नुकसान पर 73 रन से आगे खेलते हुए माधव कौशिक और उप कप्तान आर्यन जुयाल ने यूपी की पारी को आगे बढ़ाया। यूपी का दूसरा विकेट माधव कौशिक के रूप में 54 रन पर गिरा। माधव आंध्र प्रदेश के कप्तान ऑफ स्पिनर रिक्की भुई की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। रिक्की ने 62वें ओवर में माधव के बाद यूपी के कप्तान करन शर्मा को भी बोल्ड कर पारी को संकट में डाल दिया।

कप्तान के आउट होने के बाद दूसरे छोर पर अर्धशतक लगा चुके उप कप्तान आर्यन जुयाल भी 66 रन पर पृथ्वी का शिकार हुए। टीम के कप्तान और उप कप्तान के पवेलियन लौटने पर एक छोर पर रिंकू सिंह डटकर खेले। प्रियम गर्ग के साथ 18 और आराध्य यादव के साथ 17 रन की साझेदारी की। एक बड़े स्कारे के पीछे दौड़ रही टीम के संकट के समय आंध्र प्रदेश के सामने प्रियम का भी बल्ला नहीं चला और वह सौरभ कुमार का शिकार हुए। विकेटकीपर बल्लेबाज आराध्य पृथ्वी की गेंद पर अभिषेक रेड्डी को कैच दे बैठे। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक रिंकू 82 और विप्रराज नाबाद 28 पर हैं। आंध्र प्रदेश की ओर से कप्तान रिक्की भुई और पृथ्वी राज ने दो-दो व केवी शशिकांत और सौरभ ने एक-एक विकेट हासिल किए।

रोहित व कोहली के सानिध्य में निखरेंगे गिल

स्पिनर अक्षर पटेल ने कहा- कप्तान के तौर पर शुभमन के लिए विकास करने का मौका होगी वनडे सीरीज

पर्थ, एजेंसी

बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल ने शुक्रवार को यहां कहा कि भारतीय वनडे टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी शुभमन गिल को एक कप्तान के तौर पर बेहतर होने में मदद करेगी। भारतीय टीम रविवार को तीन मैचों की श्रृंखला के पहले वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी।

टीम के यहां पहुंचने के बाद दूसरे अभ्यास सत्र के बाद अक्षर ने कहा कि मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहली बार भारत के लिए खेलने को तैयार रोहित और कोहली पहले की तरह ही चुस्त दिख रहे हैं। भारत ने रोहित की अगुवाई में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। इसके बावजूद गिल को इस दौरे पर वनडे टीम की कमान सौंपी गयी है।

अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड के साथ एक संयुक्त बातचीत में कहा गिल के लिए यह एकदम सही है। रोहित भाई और विराट भाई मौजूद हैं और इसके साथ ही वे कप्तान भी रहे हैं। इसलिए वे अपना योगदान भी दे सकते हैं। ऐसे में कप्तान के तौर पर गिल का अच्छा विकास होगा। उन्होंने कहा गिल की कप्तानी में अब तक जो अच्छी बात रही है, वह यह है कि उन पर दबाव हावी नहीं हुआ है। रोहित और कोहली को प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेले हुए काफी समय हो गया है लेकिन अक्षर ने कहा कि वह पहले की तरह ही फिट और चुस्त दिख रहे हैं। उन्होंने कहा वे दोनों विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। उनके फॉर्म (लय) के बारे में हमें शुरुआती वनडे मैच के बाद पता चलेगा। वे पेशेवर हैं, इसलिए उन्हें पता है कि क्या करना है। वे बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (उत्कृष्टता केंद्र) में अभ्यास कर चुके हैं, इसलिए मुझे लगता है कि वे खेलने के लिए तैयार हैं।

एक दशक पहले भारतीय खिलाड़ी के रूप में पहली बार ऑस्ट्रेलिया का दौरा करने वाले इस हरफनमौला ने कहा वे अभ्यास सत्र के दौरान अपने खेल और फिटनेस दोनों में बहुत अच्छे दिख रहे हैं। अक्षर सहित अधिकांश भारतीय क्रिकेटरों ने ऑस्ट्रेलिया में काफी क्रिकेट खेला है। ये खिलाड़ी परिस्थितियों को लेकर मानसिक रूप से सहज महसूस करते हैं।

अक्षर ने कहा कि ड्रेसिंग रूम में बातचीत विपक्षी टीम के खिलाफ रणनीति बनाने पर ज्यादा केंद्रित होती है। हम पिचों की उछाल और प्रकृति के बारे में ज्यादा बातचीत नहीं करते है।

दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को हर मैच में आजमाना बेवकूफी होगी : अगरकर

नई दिल्ली : चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर ने शुक्रवार को कहा कि सीनियर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का 'आकलन' होगा लेकिन प्रत्येक मैच में उन्हें आजमाना 'बेवकूफी' होगी। रोहित और कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के साथ सात महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के करीब हैं और इस तरह की अटकलें हैं कि दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले 2027 विश्व कप से पहले इन दोनों पूर्व कप्तानों के प्रदर्शन की प्रत्येक सीरीज में समीक्षा होगी। अगरकर ने 'एनडीटीवी वर्ल्ड समिट' के दौरान कहा प्रत्येक मैच में उन्हें आजमाना बेवकूफाना होगा। जब वे खेलना शुरू कर देंगे तो उनका आकलन होगा लेकिन उनकी जगह खतरे में नहीं है। कुछ हफ्ते पहले शुभमन गिल को नया एकदिवसीय कप्तान घोषित करने के बाद अहमदाबाद में कही गई अपनी बात को दोहराते हुए अगरकर ने एक बार फिर उस टूर्नामेंट के लिए टीम के चयन पर अपनी प्रतिबद्धता से परहेज किया जो अभी दो साल दूर है। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा इसका मतलब यह नहीं है कि अगर वे ऑस्ट्रेलिया में रन नहीं बनाते हैं तो उन्हें टीम से बाहर कर दिया जाएगा और इसी तरह अगर वे ऑस्ट्रेलिया में तीन शतक बनाते हैं तो उन्हें 2027 विश्व कप के लिए चुना जाएगा। अगरकर ने यह भी स्पष्ट किया कि कोहली और रोहित ने टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का फैसला स्वयं किया था और चयन समिति उनके अनुभव से खुश होती। उन्होंने कहा अगर कोई जगह होती जहां हमें अनुभव की जरूरत होती तो वह इंग्लैंड होता। दोनों दिग्गज खिलाड़ी हैं और उन्होंने हमारे से संपर्क किया था। और एक बार जब उन्होंने फैसला कर लिया तो आपको उनके फैसले का सम्मान करना होगा।

हेड को रोहित और कोहली के विश्व कप में खेलने की उम्मीद

पर्थ : ऑस्ट्रेलिया के आक्रामक सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड को उम्मीद है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की सीमित ओवरों की महान जोड़ी 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित और कोहली के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं और रविवार से शुरू हो रही एकदिवसीय सीरीज में सभी की निगाहें इन दोनों स्टार भारतीय बल्लेबाजों पर टिकी होंगी।
भारतीय स्पिनर अक्षर पटेल के साथ मीडिया से बात करते हुए हेड ने कहा कि वह रोहित और कोहली को दो साल बाद होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में खेलते हुए देखना चाहेंगे, हालांकि आगामी सीरीज ऑस्ट्रेलिया में उनकी आखिरी सीरीज होने की उम्मीद है।

हेड ने कहा दो स्तरीय खिलाड़ी, सफेद गेंद के दो बेहतरीन खिलाड़ी। शायद विराट सफेद गेंद का सबसे महान खिलाड़ी है। रोहित भी शायद बहुत पीछे नहीं हैं। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो इसी प्रारूप में पारी का आगाज करता है, रोहित और उनके प्रदर्शन का बहुत सम्मान करता हूं। मुझे यकीन है कि किसी ना किसी मोड़ पर उन्हें उनकी कमी खलेगी।

फीफा विश्व कप के 10 लाख से अधिक टिकट बिके

मियामी, एजेंसी

फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने इस महीने की शुरुआत में आधिकारिक तौर पर टिकट बिक्री शुरू होने के बाद से अपने पहले अपडेट में बताया कि अगले साल होने वाले विश्व कप के 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं। उम्मीद के मुताबिक सबसे अधिक मांग अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के खरीदारों की ओर से रही। ये तीन देश इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। फीफा ने कहा कि 212 अलग-अलग देशों और क्षेत्रों के लोग पहले ही टिकट खरीद चुके हैं जबकि अभी टूर्नामेंट के लिए 48 में से केवल 28 ही टीम तय हुई हैं। फीफा ने कहा कि टिकट खरीदने के मामले में शीर्ष 10 देश में इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील, स्पेन, कोलंबिया, अर्जेंटीना और फ्रांस भी शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक चलेगा।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने विज्ञप्ति में कहा दुनिया भर की राष्ट्रीय टीमें ऐतिहासिक फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और मुझे खुशी है कि इतने सारे फुटबॉल प्रेमी भी उत्तरी अमेरिका में इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा यह एक अविश्वसनीय प्रतिक्रिया है

भारतीय फुटबॉल टीम फीफा रैंकिंग में 136वें स्थान पर लुढ़की

नई दिल्ली : एशियाई कप के क्वालीफाइंग मैच में सिंगापुर के खिलाफ ड्रॉ और हार के बाद भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम शुक्रवार को फीफा रैंकिंग में दो स्थान के नुकसान के साथ 136वें स्थान पर खिसक गई, जो पिछले नौ साल में उसकी सबसे खराब रैंकिंग है।

सिंगापुर के खिलाफ ड्रॉ और हार के बाद टीम की 2027 एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने की उसकी उम्मीदें भी खत्म हो गईं। भारत की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग फरवरी 1996 में 94 रही है। भारत ने एशियाई कप क्वालीफाइंग के तीसरे दौर के सिंगापुर को 1-1 से ड्रॉ पर रोका था।

तन्वी शर्मा जापान की साकी मत्सुमोतो से मुकाबला करती हुईं। एजेंसी

विश्व जूनियर पदक जीतने वालीं तन्वी 17 साल में पहली भारतीय

गुवाहाटी, एजेंसी

तन्वी शर्मा बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में पदक पक्का करने वाली 17 साल में पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई जिन्होंने एक गेम में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जापान की साकी मत्सुमोतो को हराकर महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई।

सोलह वर्ष की तन्वी ने मत्सुमोतो को 47 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 13-15, 15-9, 15-10 से हराया। आखिरी बार विश्व जूनियर चैंपियनशिप पदक जीतने वाली भारत की महिला खिलाड़ी साइना नेहवाल थी, जिन्होंने 2008 में पुणे में स्वर्ण पदक जीता था। साइना ने 2006 में रजत पदक जीता था जबकि अर्पणा पोपट ने 1996 में रजत पदक हासिल किया था।

वहीं, आठवीं वरीयता प्राप्त उन्नति हुड्डा दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की अन्यापत फिचित्फोन से 12-15, 13-15 से हारकर बाहर हो गई। उन्नति ओडिशा ओपन सुपर 100 खिताब जीतने वाली सबसे युवा भारतीय बनी थी और भारत की 2022 उबेर कप टीम का भी हिस्सा थी। भारत की भव्या छाबड़ा और विशाखा टोप्पो की जोड़ी चीनी ताइपै के हुंग बिंग फू और चोउ युन अन से 9-15 , 7-15 से हारकर बाहर हो गई।

श्रीलंका-दक्षिण अफ्रीका मैच में बारिश का खलल

कोलंबो : दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच शुक्रवार को यहां महिला विश्व कप मैच को मेजबान टीम की पारी के 12वें ओवर के बाद बारिश के कारण रोकना पड़ा। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद दो विकेट पर 46 रन बना लिए हैं। बारिश के कारण खेल रुकने पर हर्षिता समरविक्रम छह जबकि कविशा दिलहारी पांच रन बनाकर खेल रहीं थी। सलामी बल्लेबाजी विश्मी गुणरत्ने 12 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुईं। कप्तान चामरी अटापट्टू और हसिनी परेरा ने अपने विकेट गंवाने से पहले क्रमशः 12 और चार रन बनाए। बारिश बंद होने के बाद दोबारा मैच शुरू हुआ था तो श्रीलंका चार विकेट खोकर 94 रन पर खेल रही थी।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	1	9	1.818
इंग्लैंड	4	3	0	1	7	1.864
द.अफ्रीका	4	3	1	0	6	-0.618
भारत	4	2	2	0	4	0.682
न्यूजीलैंड	4	1	2	1	3	-0.245
बांग्लादेश	5	1	4	0	2	-0.676
श्रीलंका	4	0	2	2	2	-1.526
पाकिस्तान	4	0	3	1	1	-1.887

नासिर हुसैन की सलाह

महिला विश्व कप में भारतीय कप्तान अब तक चार मैचों में बना पाई हैं सिर्फ 71 रन

हीली की तरह हरमनप्रीत को करना होगा अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने शुक्रवार को कहा कि विश्व कप में हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन शानदार रहा है और अब भारतीय महिला टीम की कप्तान को आस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली की तरह प्रदर्शन कर दिखाना होगा।

महिला विश्व कप में अभी तक हरमनप्रीत चार मैचों में 71 रन ही बना सकी है, जबकि स्मृति मंधाना ने 134 और प्रतिका रावल ने 180 रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया से दो करीबी मुकाबले हारने के बाद मेजबान टीम तालिका में चौथे स्थान पर है और यहां से हारने पर विश्व कप में सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लग सकता है। भारत को अब इंदौर में रविवार को इंग्लैंड से खेलना है और नासिर हुसैन को उम्मीद है कि मंधाना और रावल का साथ देने के लिये मध्यक्रम अच्छा प्रदर्शन करेगा।

नासिर हुसैन।

हुसैन ने जियो स्टार प्रेस रूम में कहा जैसे कि मैं कह चुका हूं कि हरमनप्रीत का विश्व कप में शानदार रिकॉर्ड रहा है। वह बड़े मैचों में अच्छा खेलती है और अब उसे उसी तरह का प्रदर्शन करना होगा जो पिछले मैच में एलिसा हीली ने आस्ट्रेलिया के लिये किया था। भारतीय कप्तान से भी मुझे वही उम्मीद है।

हुसैन ने यह भी कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारतीय टीम मंधाना और रावल पर ज्यादा निर्भर है। उन्होंने कहा हरलीन देयोल ने अच्छा प्रदर्शन किया है । स्ट्राइक रेट की तुलना करते समय हमें सतर्क रहना चाहिये । पावरप्ले में बल्लेबाजी करते हुए और पावरप्ले में पारी की शुरूआत करते हुए स्ट्राइक रेट ऊंचा रहता है। सात बार की चैम्पियन आस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है और अब तीन स्थानों के लिये भारत, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड में मुकाबला है।

न्यूजीलैंड की राह मुश्किल करने उतरेगा पाकिस्तान

कोलंबो : अंतिम चार में जगह बनाने की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी पाकिस्तान की टीम शनिवार को आईसीसी महिला विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरेगी तो उसकी नजरें विरोधी टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों पर पानी फेरने पर टिकी होंगी। पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ अपना पिछला मैच बारिश के कारण धुल जाने के कारण गंवाए गए मौकों का मलाल होगा। पाकिस्तान ने बारिश से बाधित 31 ओवर के मैच में इंग्लैंड को नौ विकेट पर 133 रन पर रोका और फिर 113 रन के संशोधित लक्ष्य का पीछा करते हुए 6 .4 ओवर में बिना किसी नुकसान के 34 रन बनाकर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन बारिश के कारण मैच को अंतत: रद्द करना पड़ा। बारिश के कारण पाकिस्तान की जीत की संभावना खत्म हो गई और वह चार मैच में तीन हार और एक बेनतीजा मैच के साथ अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है।